MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 04 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-62

न्यूक्लियर बम फटेगा?

हमले आऊट आफ कंट्रोल, रूस ने चेताया

नयी दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान जंग पर रूस की ओर से आया बयान बेहद चिंताजनक और डरावना है। रूस की सरकारी न्यूक्लियर कंपनी रोसाटॉम ने कहा है कि ईरान के न्यूक्लियर प्लांट पर इजरायली और अमेरिकी हमले आउट ऑफ कंट्रोल हो रहे हैं।

रूस की सरकारी न्यूक्लियर कंपनी रोसाटॉम ने ईरान में बुशहर न्यूक्लियर फैसिलिटी में अपने ऑपरेशन रोकने का ऐलान किया है। यह फ़ैसला ईरान पर हाल ही में हुए अमेरिका और इज़राइली मिलिट्री हमलों के बाद आया है। रोसाटॉम ने कहा है कि इस साइट से 600 से ज़्यादा लोगों को निकालना पड़ा है।

रोसाटॉम के हेड एलेक्सी लिक्हाचेव ने ऑपरेशन रोकने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पिछले शनिवार को हालात बिगड़ने पर कंपनी की पूरी नजर थी और अब इस प्लांट में काम रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्लांट को काफी खतरा है। रूस के रोसाटॉम का कहना है कि ईरानी न्यूक्लियर इंडस्ट्री के अधिकारियों से हमारा कोई कॉन्टैक्ट नहीं रह गया है, इसलिए हम यह नहीं कह सकते कि क्या हो रहा है।

बता दें कि यूनाइटेड नेशंस की न्यूक्लियर वॉचडॉग ने मंगलवार को कहा कि ईरान की नतांज़ न्यूक्लियर एनरिचमेंट साइट को अमेरिका-इज़राइली एयरस्ट्राइक कैंपेन के बीच हाल ही में कुछ नुकसान हुआ है। हालांकि इससे किसी रेडियोलॉजिकल लीकेज की उम्मीद नहीं है।

इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी ने कहा कि नुकसान एटॉमिक साइट के अंडरग्राउंड हिस्से के एंट्रेंस बिल्डिंग्स को ज़्यादा हुआ है।

ईरान का बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट को रूस द्वारा बनाया गया है और यह ईरान का एकमात्र ऑपरेशनल न्यूक्लियर पावर प्लांट है। रोसाटॉम के सीईओ एलेक्सी लिक्हाचेव ने कहा है कि प्लांट पर निश्चित रूप से खतरा है, क्योंकि संघर्ष बढ़ने से विस्फोट प्लांट की सुरक्षा परिधि से सिर्फ कुछ किलोमीटर दूर सुनाई दे रहे हैं। हालांकि प्लांट को अभी तक निशाना नहीं बनाया गया है। लेकिन खतरा बढ़ रहा है। इस इलाके के एनर्जी लैंडस्केप में अपनी स्ट्रेटेजिक अहमियत की वजह से यह प्लांट इंटरनेशनल ध्यान का केंद्र रहा है।

एलेक्सी लिक्हाचेव ने कहा कि अगर इस प्लांट पर हमला होता है तो इसके संहारक परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर सुविधाओं को किसी भी हाल में निशाना नहीं बनाना चाहिए।रोसाटॉम ने कहा है कि वे स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर सुरक्षा उपाय लेंगे।

संकट सन्निकट

सिर्फ 45 दिन का तेल स्टाक

नयी दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी और मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत, अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88% हिस्सा आयात करता है, जिसमें से 50% से अधिक की आपूर्ति मध्य पूर्व के देशों से होती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि अगर इस युद्ध के कारण वैश्विक सप्लाई चेन बाधित होती है, तो भारत की अर्थव्यवस्था और आम जनता पर इसका क्या असर पड़ेगा। ताजा सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत के पास इस समय कच्चे तेल और रिफाइंड उत्पादों (जैसे पेट्रोल-डीजल) का 25 से 45 दिनों का स्टॉक मौजूद है। इसके अलावा, देश में एलपीजी का भी 25 से 30 दिनों का सुरक्षित भंडार है। डेटा एनालिटिक्स फर्म केप्लर के मुताबिक, अगर वाणिज्यिक इन्वेंट्री, अंडरग्राउंड स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व और समुद्र में भारत की ओर आ रहे जहाजों के तेल को मिला लें, तो भारत का स्टॉक करीब 100 मिलियन बैरल है, जो 40 से 45 दिनों की जरूरत पूरी कर सकता है।

केप्लर में रिफाइनिंग और मॉडलिंग के प्रमुख अनुसंधान विश्लेषक सुमित रिटोलिया ने कहा कि यदि मध्य पूर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति

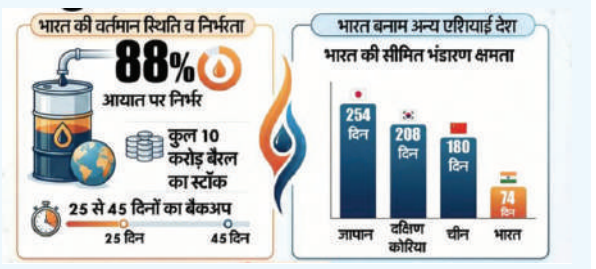

अस्थायी रूप से पूरी तरह से बंद हो जाती है, तो इसका तत्काल प्रभाव रसद और कीमतों पर पड़ेगा, और यदि होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन लंबे समय तक बाधित रहता है तो आपूर्ति जोखिम और भी बढ़ जाएंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से शुरुआत में तत्काल माल ढुलाई प्रभावित होगी। रिटोलिया ने कहा, हालांकि, शोधक कंपनियां आमतौर पर वाणिज्यिक भंडार बनाए रखती हैं, और जलमार्ग पर मौजूद माल आता रहेगा, जिससे सिस्टम को कुछ समय के लिए राहत मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि लंबे समय तक व्यवधान की स्थिति में, आयात लागत में वृद्धि, माल ढुलाई के जोखिम और लंबी दूरी पर आपूर्ति को पुनर्निर्देशित करने की आवश्यकता के कारण मध्यम अवधि का दबाव बढ़ेगा। ▶10पर

राहुल पीएम पर भाजपा का जवाब

2047 तक कुर्सी खाली नहीं

हैदराबाद, 03 मार्च
(शुभ लाभ ब्यूरो)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर उनके हालिया बयान को लेकर तीखा हमला बोला, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देश के अगले प्रधानमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट किया था।

यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, तेलंगाना और मीडिया प्रभारी के लिए भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एनवी सुबाश ने पूछा कि प्रधानमंत्री की कुर्सी कहां खाली है और किस आधार पर ऐसे दावे किए जा रहे

हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनता का मजबूत समर्थन मिलता रहता है और कहा कि अगले दो दशकों तक, 2047 तक पीएम का पद खाली नहीं है।

राजनीतिक दिवास्वप्न बताया
राहुल गांधी का पीएम दावा

सुबाश ने आरोप लगाया कि चुनावी वादों और गारंटियों की समीक्षा करने के बजाय, मुख्यमंत्री कांग्रेस हाई कमान को खुश करने के लिए अतिशयोक्तिपूर्ण राजनीतिक बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में सिर्फ 17 लोकसभा सीटों वाली पार्टी से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को प्रोजेक्ट करना ''भूमि की वास्तविकता'' के बजाय राजनीतिक दिवास्वप्न को दर्शाता है। भाजपा नेता ने यह भी दावा किया कि मुख्यमंत्री के बयान कांग्रेस के भीतर आंतरिक मतभेदों के बीच अपनी स्थिति सुरक्षित करने के उद्देश्य से दिए गए, जिसकी तुलना उन्होंने कर्नाटक में हालिया घटनाक्रमों से की। राहुल गांधी के नेतृत्व कौशल पर सवाल उठाते हुए, सुबाश ने कहा कि कांग्रेस नेता को उनके द्वारा कहे गए बार-बार राजनीतिक पुनर्लोन्च के बावजूद समय से पहले ही प्रोजेक्ट किया जा रहा है।

जीएचएमसी पुनर्गठन का विरोध

नागरिक मुद्दों पर, सुबाश ने ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) को पुनर्गठित करने की रिपोर्ट किए गए प्रस्ताव का विरोध किया, यह आरोप लगाते हुए कि इससे प्रशासनिक भ्रम और नागरिकों को असुविधा होगी। उन्होंने कहा कि यह कदम राजनीतिक रूप से प्रेरित है और शहरी प्रशासन में सुधार के उद्देश्य से नहीं किया जा रहा है। ▶10पर

इब्राहिमपटनम चुनाव का रास्ता खुला

चुनाव तीन सप्ताह में पूरा करें: हाईकोर्ट

हैदराबाद, 03 मार्च
(शुभ लाभ ब्यूरो) ।

तेलंगाना हाई कोर्ट ने अधिकारियों को इब्राहिमपटनम नगरपालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनाव तीन सप्ताह के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है।अदालत ने राज्य चुनाव आयोग और रंगारेड्डी जिला कलेक्टर को बिना किसी देरी के प्रक्रिया समाप्त करने का निर्देश दिया।अदालत ने कहा कि पार्षदों को किसी भी दबाव के बिना स्वतंत्र रूप से अपना समर्थन व्यक्त करना चाहिए। इसने स्पष्ट किया कि अध्यक्ष चुनाव पर निर्णय लेने का अंतिम अधिकार

रिटर्निंग ऑफिसर के पास है।

पीठ ने अधिकारियों को चल रही अनिश्चितता को दूर करने और निर्धारित समय के भीतर नए शासी निकाय की घोषणा करने का आदेश दिया।विवाद तब उत्पन्न हुआ जब 19वें वार्ड के बीआरएस पार्षद अकुला यादागिरी चुनाव के दिन गायब हो गए।उनके बेटे ने हाई कोर्ट में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर की, आरोप लगाया कि प्रतिद्वंद्वी पार्टी के नेताओं ने उनका अपहरण कर लिया है। ▶10पर

होली की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं

सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों और हॉकरों को शुभ-लाभ की ओर से होली पर्व की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रबंधक

अवकाश सूचना

होली के उपलक्ष्य में शुभ-लाभ कार्यालय **बुधवार दि. 04 मार्च 2026 को अवकाश** पर रहेगा। अतः अगला अंक **शुक्रवार दि. 06 मार्च 2026** को प्रकाशित होगा।

एचएएल : बड़े रक्षा अनुबंध

नयी दिल्ली 03 मार्च (एजेंसियां) ।

वैश्विक स्तर पर समुद्री सुरक्षा के बड़ी चुनौती बनकर उभरने के बीच रक्षा मंत्रालय ने समुद्री सुरक्षा को चाक चौबंद करने के लिए कुल 5,083 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं जिनमें भारतीय तटरक्षक के लिए छह उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर ए एल एच मार्क-दो (समुद्री भूमिका) तथा नौसेना के लिए सतह से आकाश में मार करने वाली वर्टिकल प्रक्षेपण 'शिटल' मिसाइलों की खरीद शामिल है। एएलएच हेलिकॉप्टर की खरीद सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रम हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से और शिटल मिसाइलों की खरीद रूस से की जायेगी।

इन अनुबंधों पर मंगलवार को रक्षा

सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। एएलएच की खरीद के लिए 2901 करोड़ रुपये का अनुबंध किया गया है जबकि मिसाइलों की खरीद के लिए 2,182 करोड़ रुपये का अनुबंध किया गया है।एएलएच के अनुबंध में भूमिका उपकरण, अभियांत्रिकी सहायता पैकेज तथा प्रदर्शन-आधारित लॉजिस्टिक सहयोग शामिल है और यह भारतीय (स्वदेशी, विकसित एवं निर्मित) श्रेणी के अंतर्गत संपन्न किया गया है। ये दो इंजन वाले हेलीकॉप्टर मौजूदा हवाई प्लेटफॉर्मों की तुलना में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं तथा तटीय हवाई अड्डों के साथ-साथ समुद्र में तैनात जहाजों से भी विभिन्न प्रकार के समुद्री सुरक्षा अभियानों ▶10पर

अफगानिस्तान और पाकिस्तान सीमा पर छिड़ी भीषण जंग, आम नागरिकों में भारी खौफ

काबुल, 03 मार्च (एजेंसियां)।

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच अब दक्षिण एशिया के दो पड़ोसी देशों, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात पैदा हो गए हैं। सीमा के दोनों ओर रहने वाले आम नागरिकों में दहशत का माहौल है, क्योंकि डूरंड लाइन पर दोनों सेनाएं आमने-सामने हैं। तालिबान के लड़ाकों ने डूरंड लाइन को पार कर पाकिस्तान की सैन्य चौकियों पर कब्जा करना शुरू कर दिया है। ताजा जानकारी के अनुसार, अफगान सेना ने स्पिन बोल्डक और शोराबक क्षेत्रों में स्थित दो पाकिस्तानी चौकियों को अपने नियंत्रण में ले लिया है।

तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान पर आम नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठकों से कोई उम्मीद नहीं है, क्योंकि अब तक ऐसी चर्चाओं का कोई ठोस परिणाम नहीं निकला है। यह सैन्य टकराव तब शुरू हुआ जब तालिबान ने 21 फरवरी को हुए पाकिस्तानी हवाई हमलों का बदला लेने के लिए 24 फरवरी को बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई की। हालांकि पाकिस्तान ने उन हमलों को आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई बताया था, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि उनमें आम नागरिक मारे गए थे, जिससे आक्रोश भड़क गया।

जवाब में पाकिस्तान ने ग़ज़ब लिल हक़ नामक सैन्य अभियान शुरू किया है। 25 फरवरी की सुबह से ही पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों और ड्रोनों ने काबुल, कंधार और पक्तिया प्रांतों में भारी बमबारी की। काबुल के पश्चिमी हिस्सों और दारुलअमन जैसे इलाकों में धमाकों की गूंज सुनी गई। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने इसे एक खुली जंग करार देते हुए आरोप लगाया कि तालिबान भारत के इशारे पर काम कर रहा है। हालांकि, अफगानिस्तान और भारत दोनों ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पाकिस्तान की अपनी आंतरिक विफलताओं से ध्यान भटकाने की कोशिश बताया है।

वर्तमान में खोस्त, नंगरहार, पक्तिका और कुनार प्रांतों में लड़ाई तेज हो गई है। तालिबान का दावा है कि उसने जाजी मैदान और अली शेर जैसे जिलों में कई पाकिस्तानी चौकियों को नष्ट कर दिया है। दूसरी ओर, पाकिस्तान का दावा है कि उसने तालिबान को भारी नुकसान पहुंचाया है।

न्यूज ब्रीफ

ईरान युद्ध के बीच ओमान की समुद्री सीमा में टैंकरों पर हमला, तीन भारतीयों की मौत

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के निधन और इजरायल व अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच पश्चिम एशिया में स्थिति विस्फोटक हो गई है। ओमान की समुद्री सीमा में वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हालिया हमलों ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री गलियारे में हड़कंप मचा दिया है। इन हमलों में कम से कम तीन भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने दुखद समाचार की पुष्टि करते हुए बताया कि एमकेडी व्योम नामक जहाज पर सवार तीन भारतीयों ने अपनी जान गंवा दी है। दूतावास अब स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर अन्य प्रभावित भारतीयों को सुरक्षित निकालने के प्रयासों में जुटा है। जानकारी के अनुसार, मार्शल आइलैंड्स के ध्वज वाला टैंकर एमकेडी व्योम मस्कट तट से लगभग 52 नाटिकल मील की दूरी पर था, जब यह हमले की चपेट में आया। टक्कर और मुख्य इंजन कक्ष में हुए विस्फोट के कारण जहाज पर भीषण आग लग गई। राहत की बात यह है कि ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र और रायल नेवी के समन्वय से चालक दल के 21 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। बचाए गए सदस्यों में 16 भारतीय, चार बांग्लादेशी और एक यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं, जिन्हें पनामा के झंडे वाले एक अन्य पोत एमवी सैंड की मदद से निकाला गया। क्षतिग्रस्त टैंकर पर लगभग 59,463 मीट्रिक टन माल लदा था और ओमान की नौसेना अब भी इस क्षेत्र में नौवहन संबंधी चेतावनी जारी कर स्थिति पर नजर रख रही है। हिंसा का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। होर्मुज जलडमरूमध्य में एक अन्य तेल टैंकर एमवी स्काईलाइट को भी निशाना बनाया गया, जिसमें चालक दल के चार सदस्य घायल हो गए। इस जहाज पर भी भारत और ईरान के नागरिक सवार थे। भारतीय मिशन ने जानकारी दी है कि हमले के बाद चालक दल के दो सदस्य लापता हैं, जिनमें से एक भारतीय नागरिक है।

मोबाइल इंटरनेट से दूरी के कारण हो रही 3 ट्रिलियन डालर की हानि

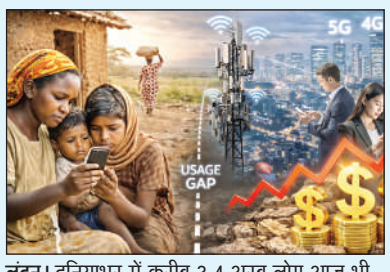

लंदन। दुनियाभर में करीब 3.4 अरब लोग आज भी मोबाइल इंटरनेट से दूरी बनाए हुए है। इस डिजिटल दूरी की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था को करीब 3 ट्रिलियन डालर तक का संभावित नुकसान हो रहा है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से ज्यादातर लोग ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं जहां नेटवर्क मौजूद है, लेकिन फिर भी वे इंटरनेट से नहीं जुड़ पा रहे। इसे यूसेज गैप कहा जाता है। आंकड़ों के अनुसार, इन 3.4 अरब लोगों में से लगभग 30 करोड़ लोग ऐसे इलाकों में रहते हैं जहां नेटवर्क कवरेज ही नहीं है। लेकिन लगभग 3.1 अरब लोग ऐसे हैं जो नेटवर्क होने के बावजूद इंटरनेट का उपयोग नहीं करते। इसकी सबसे बड़ी वजह है लागत। कई देशों में स्मार्टफोन और डेटा प्लान अब भी इतने महंगे हैं कि आम नागरिक उन्हें खरीदने में सक्षम नहीं होते। इसके अलावा डिजिटल जानकारी की कमी, लोकल भाषा में कंटेंट की अनुपलब्धता और कुछ लोगों का केवल वाई-फाई पर निर्भर रहना भी इस दूरी को बढ़ाता है।

18 की उम्र से शराब की लत, शरीर पड़ गया पूरा पीला, लिवर और किडनी डैमेज.....फिर हुआ क्या

लंदन। शराब की लत किस तरह जिंदगी को बर्बाद कर सकती है, इसका ताजा उदाहरण इंग्लैंड के एसेक्स

निवासी 27 वर्षीय शान होलैंड हैं। 18 साल की उम्र में शराब पीना शुरू करने वाले शान की आदत कुछ ही वर्षों में इतनी बढ़ गई कि वे रोजाना करीब 6 हजार रुपये की शराब पीने लगे। हालात यह हो गई कि उनका शरीर पीला पड़ गया और कई अंगों ने काम करना करीब बंद किया। रिपोर्ट के मुताबिक, शान ने शुरुआत में एंग्जायटी और पैनिक अटैक से राहत पाने के लिए बीयर पीनी शुरू की थी। लेकिन 21 साल की उम्र तक आते-आते वे सुबह काम पर जाने से पहले भी शराब पीने लगे। यदि वे नहीं पीते, तब उनके हाथ कांपने लगते थे। धीरे-धीरे उनकी खपत इतनी बढ़ गई कि वे नाश्ते में आधा पिंट वोडका और दिनभर में छह बोतल वाइन तक पी जाते थे। लगातार बढ़ती लत का असर उनके व्यवहार पर भी पड़ा। शराब पीने के बाद वे हिंसक होते थे। अगस्त 2023 से अक्टूबर 2024 के बीच वे शराब से जुड़े हिंसक मामलों में तीन बार जेल भी गए। इसके बावजूद वे लत छोड़ नहीं पा रहे थे।

ट्रंप का पहला सार्वजनिक बयान- ईरान पर हमले को ठहराया सही, बोले सबसे बड़ा प्रहार अभी बाकी

वाशिंगटन, 03 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर संयुक्त अमेरिकी-इजराइली हमलों के बाद पहली बार सार्वजनिक बयान देते हुए सैन्य कार्रवाई को सही ठहराया है। सोमवार को वाइट हाउस में दिए संबोधन में ट्रम्प ने कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा था।

उन्होंने कहा, यह हमारे पास आखिरी और सबसे अच्छा मौका था, जिससे हम इस खतरनाक शासन से पैदा हो रहे खतरे को खत्म कर सकते थे। ट्रम्प के मुताबिक यह जंग चार से पांच सप्ताह तक चल सकती है, हालांकि अमेरिका के पास इससे अधिक समय तक कार्रवाई करने की क्षमता भी है।

ईरान का खतरा खत्म करना जरूरी था

राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम उसके परमाणु हथियार कार्यक्रम को सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा था। उन्होंने दावा किया कि यदि ईरान के पास परमाणु हथियार और लंबी दूरी की मिसाइलें होतीं, तो वह मध्य-पूर्व ही नहीं बल्कि अमेरिका के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता था।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका चाहता था कि यह खतरा पूरी तरह समाप्त हो और इस निर्णय में कई देशों का समर्थन भी मिला।

अमेरिकी सेना बड़े स्तर पर कार्रवाई कर रही

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सेना ईरान में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान ऐसे मिसाइल विकसित कर रहा था, जो अमेरिका तक पहुंच सकती थीं।

उन्होंने यह भी कहा कि अतीत में हुए कई हमलों, जिनमें सड़क किनारे लगाए गए बम शामिल हैं, के पीछे ईरान का हाथ रहा है। ट्रम्प ने जंग में मारे गए चार अमेरिकी सैनिकों का भी जिक्र किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। यह बयान उन्होंने वियतनाम और अफगानिस्तान युद्ध में शहीद सैनिकों के सम्मान समारोह के दौरान दिया।

चेतावनी अनदेखी की गई

पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने दावा किया कि जून में तीन ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद स्पष्ट चेतावनी दी गई थी कि ईरान कहीं और परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू न करे। उनके अनुसार, इन ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया था, लेकिन ईरान ने अपनी कोशिशें जारी रखीं। न्होंने यह भी कहा कि ईरान का बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम तेजी से बढ़ रहा था और वह यूरोप व अमेरिकी ठिकानों तक पहुंचने में सक्षम हो सकता था।

सबसे बड़ा हमला अभी बाकी

इससे पहले सीएनएन को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि ईरान के खिलाफ अभियान का बिग वेव यानी सबसे बड़ा प्रहार अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अभी अपनी पूरी ताकत नहीं लगाई है और आने वाले दिनों में कार्रवाई और तेज हो सकती है।

व्हाइट हाउस में उन्होंने कहा, अभियान में जितना समय लगे, ठीक है। हम करेंगे। उन्होंने लंबे संघर्ष की अटकलों को खारिज करते हुए संकेत दिया कि अमेरिका अपने सैन्य लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रम्प के इस बयान ने संकेत दिया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान फिलहाल थमने वाला नहीं है और आने वाले दिनों में हालात और गंभीर हो सकते हैं।

दहशत में पाक बोला- एक और युद्ध की तैयारी कर रहा भारत, हम बातचीत को तैयार

इस्लामाबाद, 03 मार्च (एजेंसियां)।

दक्षिण एशिया में बढ़ते सामरिक तनाव के बीच पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भारत पर एक और युद्ध की तैयारी करने का गंभीर आरोप लगाया है। संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए जरदारी ने दावा किया कि भारतीय नेतृत्व के बयानों से युद्ध के संकेत मिल रहे हैं, जो क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से हमेशा शांति के पक्षधर रहे हैं और नहीं चाहते कि दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी किसी सैन्य संघर्ष में उलझें। पाकिस्तान की ओर से यह बयान ऐसे समय में आया है जब वह पहले से ही अपनी पश्चिमी सीमा पर अफगानिस्तान के साथ भीषण तनाव और सैन्य झड़पों का सामना कर रहा है।

संसद में अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रपति जरदारी ने बातचीत की मेज पर लौटने की वकालत की। उन्होंने भारतीय नेतृत्व को संदेश देते हुए कहा कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है और क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने का एकमात्र रास्ता संवाद ही है। हालांकि, शांति की इस अपील के साथ उन्होंने पारंपरिक रुख अपनाते हुए जम्मू-कश्मीर का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया। जरदारी ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों को राजनीतिक और नैतिक समर्थन देना जारी रखेगा। उनके अनुसार, जब तक कश्मीर मुद्दे का समाधान नहीं हो जाता, तब तक दक्षिण एशिया का कोई भी हिस्सा पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं कर सकता।

संबोधन के दौरान जरदारी ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने के संभावित कदम पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे जल-आतंकवाद करार देते हुए आरोप लगाया कि भारत पानी के प्राकृतिक बहाव को एक राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है ताकि पाकिस्तान पर दबाव बनाया जा सके। राष्ट्रपति के इस भाषण के दौरान संसद में भारी हंगामा भी देखने को मिला। विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सांसदों ने सदन में जमकर नारेबाजी की और गो जरदारी गो जैसे नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया, जिससे कार्यवाही में बार-बार खलल पड़ा। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच संबंधों में यह खटास बीते वर्ष के घटनाक्रमों के बाद और बढ़ी है। पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर चलाकर सीमा पार आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। पुलवामा में निर्दोष नागरिकों की हत्या के बाद उपजे जनाक्रोश और सैन्य कार्रवाई ने दोनों देशों को युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया था। हालांकि, उस समय सैन्य स्तर की बातचीत के बाद संघर्ष विराम पर सहमति बनी थी, लेकिन वर्तमान बयानबाजी दर्शाती है कि सीमा पर तनाव अभी कम नहीं हुआ है। फिलहाल भारत की ओर से पाकिस्तान के इन हालिया दावों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मंगल ग्रह की प्राचीन पहेलियां फिर चर्चा में

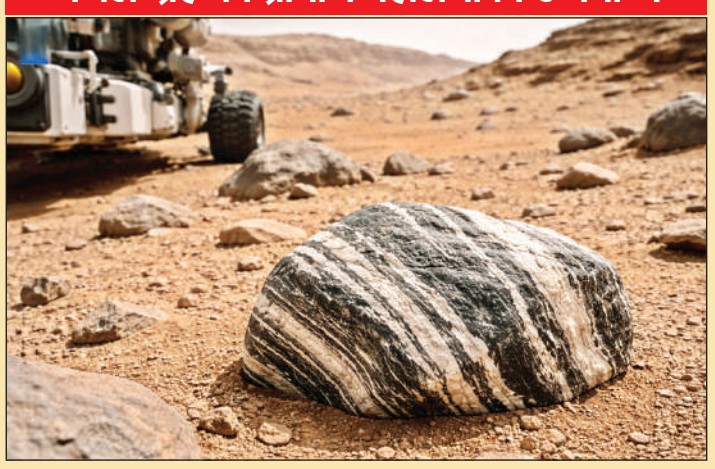

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के परसेवरेंस रोवर द्वारा भेजी गई ताजा तस्वीरों ने एक बार फिर मंगल ग्रह की प्राचीन पहेलियों को चर्चा में ला दिया है। मंगल ग्रह की धूल भरी सतह के बीच रोवर की कैमरे में एक छोटा-सा काले और सफेद धारियों वाला पत्थर कैद हुआ है जो नासा के वैज्ञानिकों को हैरान कर रहा है। जेबरा राक के नाम से इंटरनेट पर वायरल हो चुका यह पत्थर आकार में लगभग 20 सेंटीमीटर का है, लेकिन इसकी अनोखी बनावट इसे बेहद खास बनाती है। नासा ने इसे आधिकारिक तौर पर फ्रेया कैसल नाम दिया है, और माना जा रहा है कि यह मंगल के भूगर्भीय इतिहास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दे सकता है। जहां मंगल की चट्टानें आमतौर पर लाल और भूरे रंग की दिखाई देती हैं, वहीं यह ब्लैक-एंड-व्हाइट पत्थर दूर से ही अलग नजर आता है। इसकी धारियां इतनी स्पष्ट हैं कि इसे देखकर पृथ्वी पर पाए जाने वाले कुछ विशिष्ट कायांतरित पत्थरों की याद आती है। इसकी खोज जेजेरो क्रेटर इलाके में हुई है, जो अरबों वर्ष पहले एक विशाल झील हुआ करता था। परसेवरेंस रोवर इन दिनों इसी क्रेटर के किनारों और ढलानों पर चढ़ाई करते हुए अध्ययन कर रहा है, और उसी दौरान उसे यह अनोखा पत्थर मिला।

रियाद में अमेरिकी दूतावास पर ईरान का बड़ा ड्रोन हमला कुवैत व जार्डन स्थित दूतावास को भी बना चुका है निशाना

रियाद, 03 मार्च (एजेंसियां)।

सऊदी अरब में रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर मंगलवार को ईरान ने ड्रोन से अबतक का सबसे बड़ा हमला किया। हमले के दौरान भीषण धमाके के साथ दूतावास परिसर में आग लग गई। अमेरिकी दूतावास को दो ड्रोन से निशाना बनाया गया।

मीडिया समूह सऊदी गजट ने देश के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया है कि मंगलवार तड़के रियाद और अल-खारज शहरों के पास 8 ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार, रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास को दो ड्रोनों द्वारा निशाना बनाया गया था। इस घटना में इमारत के एक हिस्से में आग लगने से मामूली क्षति पहुंची है। जबकि सऊदी अरब ने प्रिंस सुल्तान एयर बेस को निशाना बना रहे 5 ड्रोनों को रोका।

इससे पहले सोमवार को भी कुवैत और जार्डन स्थित अमेरिकी दूतावास पर ईरान ने हमला किया। हमले के बाद कुवैत स्थित अमेरिकी दूतावास परिसर में आग और धुआं देखा गया।

एक दिन पहले ही सोमवार को दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी में से एक सऊदी अरामको

की तेल रिफाइनरी रास तानूरा पर ड्रोन हमला हुआ। ईरान ने शाहेद-136 ड्रोन से इस रिफाइनरी को निशाना बनाया। यह रिफाइनरी सऊदी अरब के खाड़ी तट पर अहम एक्सपोर्ट टर्मिनल है। हालांकि इस हमले में मामूली क्षति हुई लेकिन सावधानी बरतते हुए सऊदी अरामको ने रिफाइनरी का आपरेशन फिलहाल बंद कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका-इजरायली हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद तेहरान ने खाड़ी देशों पर मिसाइल हमला तेज कर दिया है।

रूसी एस-300 मिसाइल प्रणाली, चीन की एचक्यू9बी नहीं रोक सकी यूएस-इजराइली हमले

यह तकनीकी स्टेल्थ जटिल इलेक्ट्रानिक युद्धक रणनीतियों के सामने कमजोर साबित हुई

वाशिंगटन, 03 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-इजराइल के हवाई हमलों के बाद ईरान की प्रमुख सैन्य अवसंरचना के ध्वस्त होने से तेहरान की वायु रक्षा क्षमता पर सवाल खड़े हो गए हैं। ईरान की वायु रक्षा व्यवस्था रूसी एस-300 मिसाइल प्रणाली, चीनी मूल की एचक्यू9बी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली और स्वदेशी बाबर 373 जैसी प्रणालियों के मिश्रण पर आधारित है।

इसके बावजूद अमेरिका और इजराइल के विमानों के सामने यह ढांचा प्रभावी प्रतिरोध खड़ा नहीं कर सका। बता दें रूसी एस-300 एक शीत युद्ध कालीन वायु रक्षा प्रणाली है, जिसका उपयोग आज भी कई देश कर रहे हैं। यह लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है, जिसे दुश्मन के लड़ाकू विमानों और बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए विकसित किया गया था। हालांकि तकनीकी रूप से उन्नत मानी जाने वाली यह प्रणाली आधुनिक स्टेल्थ तकनीक और जटिल इलेक्ट्रानिक युद्धक रणनीतियों के सामने कमजोर साबित हुई।

इसके अलावा चीन द्वारा विकसित एचक्यू9बी प्रणाली रूसी एस300 पीएमयू और अमेरिकी पैट्रियट पीएसी2 से प्रेरित मानी जाती है। इसका परीक्षण पहली बार 2006 में किया गया था और पिछले एक दशक से यह चीन के संवेदनशील क्षेत्रों जैसे बीजिंग, तिब्बत, शिनजियांग और दक्षिण चीन सागर में तैनात है। इसकी मारक क्षमता करीब 260 किलोमीटर बताई जाती है। ईरान ने अपनी मिसाइल रक्षा क्षमता को मजबूत करने के लिए हाल ही में इसे शामिल किया था। इसके बावजूद यह प्रणाली अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों को रोकने में विफल रही।

बता दें अमेरिका और इजराइल ने अत्याधुनिक स्टेल्थ लड़ाकू विमानों, जिनमें एफ35 लाइटनिंग-2 शामिल हैं और स्वार्म ड्रोन रणनीति का इस्तेमाल किया। इन हमलों में सबसे पहले ईरान के वायु रक्षा रडार और कमांड नेटवर्क को निशाना बनाया, जो किसी भी वायु रक्षा प्रणाली का तंत्रिका तंत्र माना जाता है। रडार और सेंसर नेटवर्क को निष्क्रिय कर मिसाइल लांचर और कमांड सेंटर के बीच का समन्वय तोड़ दिया। इससे पूरी रक्षा व्यवस्था अंधी हो गई।

स्टेल्थ तकनीक और नेटवर्क केंद्रित युद्ध प्रणाली पारंपरिक मिसाइल रक्षा ढांचे के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। इसके अलावा यह संकेत देता है कि आधुनिक युद्ध में केवल लंबी दूरी की मारक क्षमता पर्याप्त नहीं है, बल्कि सेंसर, डेटा लिंक, इलेक्ट्रानिक सुरक्षा और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र की मजबूती भी उतनी ही जरुरी है। साथ ही इस विफलता से चीन और रूस की रक्षा निर्यात छवि पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि उनके सिस्टम अत्याधुनिक पश्चिमी तकनीक के सामने कमजोर नजर आए।

भारत के लिए अवसरों के द्वार खुले हैं, गुणवत्ता को अपना महामंत्र बनाएं विनिर्माता : मोदी

नयी दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय उद्योग जगत को 'गुणवत्ता' अपना महामंत्र बनाने का आह्वान करते हुए मंगलवार को कहा कि दुनिया को आज के दौर में विनिर्माण के कामों के लिए मजबूत भागीदारों की तलाश है और यह भारत के लिए बड़ा अवसर है।

श्री मोदी ने कहा कि विभिन्न देशों के साथ हाल में किये गये मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से भी भारत के उद्यमियों और निर्यातकों के लिए अवसरों के बहुत बड़ा द्वारा खुला है। उन्होंने कहा कि इसका फायदा गुण-वत्तापूर्ण उत्पादों को प्रस्तुत करके ही उठाया जा सकता है। श्री मोदी बजट 2026-27 पर आयोजित दूसरे वेबिनार का उद्घाटन कर रहे थे। दिन भर चलने वाले इस वेबिनार का विषय है- आर्थिक वृद्धि को निरंतर संभालना और सशक्त करना विषय के साथ चार अलग-अलग सत्र होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के उद्योगों को इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए बड़े आत्मविश्वास के साथ कदम उठाने होंगे। नयी प्रौद्योगिकी अपनानी होगी। अनुसंधान पर कंजूसी करने की बजाय निवेश बढ़ाना होगा। गुणवत्ता (क्वालटी) सुधारनी होगी। उन्होंने कहा, भारत ने बहुत सारे देशों के साथ एफटीए किये हैं। हमारे लिए अवसरों का बहुत बड़ा द्वार खुला है। ऐसे में हमारी

ज़िम्मेदारी है कि हम क्वालिटी पर कभी भी समझौता न करें। उन्होंने कहा, आपका एक ही महामंत्र होना चाहिए, क्वालिटी, क्वालिटी और अधिक क्वालिटी। उन्होंने कहा कि अवसरों का फायदा उद्योग और व्यापार जगत को ही उठाना है।

प्रधानमंत्री ने भारतीय विनिर्माताओं से -विश्वस्तर से भी बेहतर गुणवत्ता प्रस्तत करने का आह्वान करते हुए कहा , क्वालिटी समझौता नहीं, इस पर सबसे अधिक समय, साधन और बुद्धि खर्च करनी होगी। उन्होंने विनिर्माताओं से विश्व बाजार की जरूरतों का अध्ययन और विश्लेषण करने और उसके अनुसार अपनी विनिर्माण क्षमता को तैयार करने का सुझाव दिया।

श्री मोदी ने कहा, आज दुनिया विश्वसनीय और विनिर्माण के लिए मजबूत भागीदारों की तलाश में है। भारत के पास यह अवसर है कि वह इस भूमिका को मजबूती से निभाए।

आज के वेबिनार में चार अलग-अलग सत्र होंगे। इन सत्रों में प्रथम सत्र विनिर्माण, उद्योगों के स्तर को उन्नत करना और रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों पर, दूसरा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों के लिए ऋण और बाजार की सुविधाओं पर, तीसरा नगरों के आर्थिक इलाकों की योजना पर और चौथा सत्र अवसंरचना विकास, लॉजिस्टिक्स और किराया जैसे विषयों पर रखा गया है।

उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री ने बजट में सूक्ष्म , लघु और मझोले उद्यमों, अवसंरचना, बायोफार्म, मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स और कार्बन कैप्चर एवं स्टोरेज के विकास के लिए की गयी पहलों का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, दुनिया की अर्थव्यवस्था में एक बड़ा परिवर्तन चल रहा है। बाजार अब केवल लागत नहीं देखते, वे स्वस्थ उपायों को भी देखते हैं। श्री मोदी ने विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए केंद्र , राज्य , उद्योग और संस्थानों के बीच पूर्ण तालमेल पर बल देते हुए कहा कि यह लक्ष्य 'साझेदारी ' से ही संभव होगा।

पहलगाम आतंकी हमले से पहले 'गो प्रो' 12 कैमरे से हुई थी रेकी

जांच के लिए एनआईए ने चीन से मांगी मदद

नयी दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 22 अप्रैल, 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ा एक गोप्रो हीरो 12 ब्लैक कैमरा बरामद किया है, जिसमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इस कैमरे को पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकी मॉड्यूल की पूर्व-जानकारी, गतिविधियों के पैटर्न और ऑपरे-शनल तैयारियों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह पता चला है कि घातक आतंकी हमले से एक साल से भी अधिक समय पहले गोप्रो कैमरा चीन स्थित एई ग्रुप इंटरनेशनल लिमिटेड को सप्लाई किया गया था। यह डिवाइस 30 जनवरी, 2024 को चीन के डोंगगुआन में सक्रिय किया गया था। निर्माता ने बताया कि उसके पास आगे के लेन-देन का विवरण या अंतिम उपयोगकर्ता का रिकॉर्ड नहीं है।

यह कैमरा उन विभिन्न भौतिक वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में शामिल है जिन्हें साजिश से जुड़े जांचकर्ताओं ने बरामद कर जांचा है। गो प्रो हीरो 12 ब्लैक कैमरे के खरीदार, अंतिम उपयोगकर्ता और संबंधित तकनीकी रिकॉर्ड का पता लगाने के लिए, एनआईए चीन गणराज्य के सक्षम न्यायिक प्राधिकरण को एक लेटर रोगेटरी जारी करने जा रही है। लेटर रोगेटरी एक देश की अदालत द्वारा दूसरे देश की न्यायपालिका को भेजा गया एक औपचारिक और राजनयिक अनुरोध होता है। गृह मंत्रालय ने जांच में कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए चीन को कानूनी नोटिस जारी करने की सहमति दे दी है।यह घटनाक्रम जम्मू की एक विशेष अदालत द्वारा 2 मार्च को एनआईए को गोप्रो कैमरे के खरीदार और अंतिम उपयोगकर्ता का पता लगाने के लिए चीन से न्यायिक सहायता मांगने की अनुमति देने के बाद सामने आया है। एनआईए ने अदालत को सूचित किया कि उसने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत निर्माता गोप्रो बीवी को आपूर्ति श्रृंखला और उपकरण के सक्रियण से संबंधित विवरण मांगने के लिए एक वैध नोटिस जारी किया है। जब्त किए गए गोप्रो हीरो 12 ब्लैक कैमरे से संबंधित जानकारी अभिरक्षा श्रृंखला, उपयोगकर्ता, अभियोग और साक्ष्य संबंधी संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी आपूर्ति चीन की एई ग्रुप इंटरनेशनल लिमिटेड को की गई थी। अदालत ने 2 मार्च को एनआईए के उस आवेदन को मंजूरी दे दी, जिसमें पीपुल्स रिप-ब्लिक ऑफ चाइना के सक्षम न्यायिक प्राधिकरण को कानूनी नोटिस जारी करने का अनुरोध किया गया था, ताकि खरीदार, अंतिम उपयोगकर्ता और संबंधित तकनीकी रिकॉर्ड का पता लगाकर बड़ी साजिश का खुलासा किया जा सके।

भारतीय नागरिकों को गैर-जरूरी यात्रा न करने की सलाह

नयी दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। दुबई में भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। भारतीय दूतावास ने वहां रहने वाले भारतीय लोगों को गैर जरूरी यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। दुबई में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अभी के इलाके के हालात को देखते हुए संयुक्त अरब अमीरात में सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे गैर-जरूरी यात्रा से बचें। पूरा ध्यान रखें, सतर्क रहें और यूएई अधिकारियों और एम्बेसी द्वारा जारी किए जाने वाले सुरक्षा गाइडलाइंस और एडवाइजरी का पालन करें। अबू धाबी में भारतीय एम्बेसी और दुबई में कॉन्सुलेट जनरल नॉर्मल तरीके से काम कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर अपडेट जारी करेंगे। किसी भी इमरजेंसी सवाल के लिए, यूएई में भारतीय नागरिक टोल फ्री नंबर: 800-46342 और व्हाट्सएप +971543090571 पर संपर्क कर सकते हैं।

रियाद में अमेरिकी दूतावास पर दो ईरानी ड्रोन हमलों के बाद आग लग गई और सामान का नुकसान हुआ। अमेरिकी दूतावास ने इसके बाद एडवाइजरी जारी की। हमले के बाद अमेरिकी दूतावास ने एक्स के जरिए रियाद, जेद्दा और धाहरान के लिए शेल्टर-इन-प्लेस एडवाइजरी जारी की। इसने इस क्षेत्र में सैन्य ठिकानों की गैर-जरूरी यात्रा पर रोक लगाने की भी घोषणा की और सऊदी अरब में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों से तुरंत पनाह लेने की अपील की।

बयान में कहा गया, सऊदी अरब में अमेरिकी मिशन इलाके के हालात पर नजर रख रहा है। हम सभी यात्रियों से कहना चाहते हैं कि वे हमारे सबसे नए सुरक्षा अलर्ट देखें। किसी भी रुकावट के मामले में अपनी यात्रा की योजना को देखें और खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए सही फैसले लें।

इसमें आगे कहा गया, हम सभी अमेरिकी नागरिकों को एक पर्सनल सेफ्टी प्लान बनाए रखने की सलाह देते हैं। विदेश में ट्रैवल करते या रहते समय अचानक कोई मुश्किल आ सकती है, और एक अच्छा प्लान आपको संभावित हालात के बारे में सोचने और पहले से सबसे अच्छा तरीका तय करने में मदद करता है।

विदेश नीति पर घिरी केंद्र सरकार, सोनिया गांधी ने मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

नयी दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इजरायल और अमेरिका के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने की घटना की निंदा की है और इस मुद्दे पर मोदी सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा संसद में चर्चा कराने की मांग की है।

श्रीमती गांधी ने एक अखबार में लिखे लेख में कहा है कि सरकार का यह मौन तटस्थता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है, जिससे भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति ऐतिहासिक रूप से संप्रभु समानता, अहस्तक्षेप और शांतिपूर्ण समाधान जैसे सिद्धांतों पर आधारित रही है। चुप्पी इन सिद्धांतों के विपरीत प्रतीत होती है।

श्रीमती गांधी ने कहा कि एक मार्च को ईरान ने पुष्टि की थी कि उसके सर्वोच्च नेता की हत्या एक दिन पहले अमेरिका और इज़रायल द्वारा किए गए लक्षित हमलों में हुई। उन्होंने इसे चल रही कूटनीतिक वार्ताओं के बीच किसी सत्तारूढ़ राष्ट्राध्यक्ष की हत्या बताते हुए अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर विघटन करार

दिया। उन्होंने इस मुद्दे पर संसद में व्यापक चर्चा की मांग की है।

श्रीमती गांधी ने आरोप लगाया कि भारत सरकार ने न तो इस हत्या की स्पष्ट निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई ठोस प्रतिक्रिया दी। उनके मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुरुआती प्रतिक्रिया में अमेरिका इज़रायल के हमलों का उल्लेख किए बिना केवल ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर की गयी जवाबी कार्रवाई की आलोचना की। बाद में उन्होंने सामान्य रूप से चिंता व्यक्त करते हुए संवाद और कूटनीति की बात कही, जबकि हमलों से पहले यही प्रक्रिया जारी थी।

श्रीमती गांधी ने कहा कि बिना औपचारिक युद्ध घोषणा के और कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) की भावना के विपरीत है, जो किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग पर रोक लगाता है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे कृत्यों पर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से सिद्धांत आधारित आपत्ति दर्ज नहीं की जाती, तो अंतरराष्ट्रीय मानकों का क्षरण सामान्य होता जाएगा।

श्रीमती गांधी ने कहा कि घटना से 48 घंटे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इज़रायल दौरे से लौटे थे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार के प्रति समर्थन दोहराया था। उनके अनुसार, वैश्विक दक्षिण के कई देशों और ब्रिक्स साझेदारों द्वारा दूरी बनाए रखने के बीच भारत का यह रुख चिंताजनक है और इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गलत संकेत जाते हैं।

खामेनेई की मौत पर मोदी को स्पष्ट बोलना चाहिए : राहुल

नयी दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि ईरान में लगातार गंभीर हो रहे हालात और उसके सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई की मौत लक्ष्य कर की गई हत्या है और हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस पर अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करनी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि युद्ध के कारण जो हालात ईरान तथा अन्य खाड़ी देशों में बन रहे हैं उसे देखते हुए भारत को स्पष्ट नीति का पालन करना चाहिए।

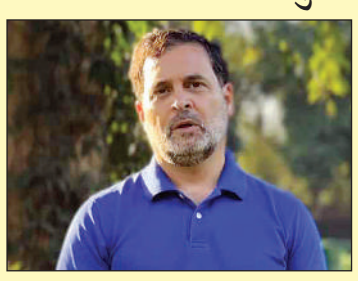

उनका कहना था कि ईरान और अमेरिका तथा इजरायल के बीच लगातार बढ़ रहे संघर्ष के कारण खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों के सामने भी अनिश्चितता का संकट पैदा हो गया है।

बेफिक्र होकर उपचार कराएं, सरकार देगी भरपूर आर्थिक सहायता : योगी

गोरखपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोग बेफिक्र होकर अच्छे अस्पताल में अपना उपचार कराएं। सरकार उन्हें भरपूर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन जरूरतमंदों को इलाज के लिए आर्थिक मदद चाहिए, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराकर शासन को भेजी जाए, ताकि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से समय पर सहायता राशि जारी की जा सके। मुख्यमंत्री ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठे लोगों के पास स्वयं जाकर उन्होंने एक-एक कर प्रार्थना पत्र लिए और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। योगी ने लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान या घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी और संतोषजनक समाधान कराया

जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जन समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए, ताकि फरियादियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनता दर्शन के दौरान जमीन कब्जाने और दबंगई से जुड़े मामलों पर भी मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाया।

उन्होंने कहा कि यदि कहीं अवैध कब्जा या दबंगई की शिकायत मिले तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। कानून-व्यवस्था से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम में एक व्यक्ति ने किडनी की गंभीर बीमारी के इलाज में धनाभाव की समस्या रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने पहले उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में जानकारी ली। कार्ड न होने पर उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है, सरकार इलाज के लिए पर्याप्त आर्थिक मदद उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि इसी तरह अन्य कई लोग भी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने सभी को भरोसा दिलाया कि सरकार किसी भी जरूरतमंद के उपचार में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी और विवेकाधीन कोष से सहायता प्रदान की जाएगी। जनता दर्शन में कुछ परिजन अपने बच्चों के साथ भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेहिल आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट वितरित कीं और उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कुल मिलाकर, जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जन समस्याओं के समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए अधिकारियों को संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन का संदेश दिया।

दुबई से 149 यात्रियों को लेकर दिल्ली पहुंची एयर इंडिया की उड़ान

नयी दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। दुबई में फंसे 149 यात्रियों को लेकर एयर इंडिया का एक विमान मंगलवार सुबह दिल्ली पहुंचा।

एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि उड़ान संख्या एआई 916डी आज सुबह 10:58 पर दिल्ली के इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। इसमें कुल 157 लोग सवार थे जिसमें 149 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य शामिल हैं। पश्चिम एशिया में फंसे यात्रियों को लेकर दिल्ली आने वाली आज यह पहली उड़ान थी।

इससे पहले दुबई में फंसे 143 चालक दल के सदस्यों को लेकर एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 918डी दिल्ली पहुंची थी। चालक दल के ये सदस्य एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के हैं जो अचानक उड़ानें बंद होने से दुबई में फंस गये थे।

दिल्ली को सुंदर बनाना हम सबकी सामूहिक ज़िम्मेदारी : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली देश की राजधानी है, इसे सुंदर बनाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है ताकि हमारे शहर की खूबसूरत छवि दुनिया भर में फैले।

श्रीमती गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा यहां कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में आयोजित चार दिवसीय पुष्प महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्रीमती गुप्ता ने कहा कि एक समय था जब दिल्ली वाले ट्यूलिप के लिए कश्मीर जाते थे लेकिन अब एनडीएमसी हर साल दिल्ली में ट्यूलिप के फूल की बहार ला रही है, जिसका दिल्ली वाले खूब मज़ा ले रहे हैं और ट्यूलिप के साथ सेल्फी ले रहे हैं। यह ट्यूलिप फेस्टिवल दिल्ली वालों के लिए अब सेल्फी फेस्टिवल बन गया है।

मुझे फांसी घर पर प्रश्न पूछने के लिए बुलाया है : अरविंद केजरीवाल

नयी दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली विधानसभा ने उन्हें फांसी घर पर प्रश्न पूछने के लिए बुलाया है। उन्होंने कहा कि मैंने विशेषाधिकार समिति को पत्र लिखकर सूचित कर दिया है कि उनके समन के अनुसार मैं 6 मार्च को उपस्थित रहूंगा। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजधानी प्रदूषण से जूझ रही है, और अस्पतालों में दवाइयां नहीं हैं। केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि दिल्ली प्रदूषण से जूझ रही है। सड़कें टूटी पड़ी हैं। हर तरफ कूड़े के ढेर हैं। अस्पतालों में दवाइयां नहीं हैं। दिल्ली विधानसभा ने मुझे फांसी घर पर प्रश्न पूछने

के लिए बुलाया है। मैंने विशेषाधिकार समिति को पत्र लिखकर सूचित कर दिया है कि उनके समन के अनुसार मैं 6 मार्च को उपस्थित रहूंगा। पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए समिति से मेरी विनती है कि कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाए।उन्होंने पत्र में आगे कहा कि मैं दिल्ली विधानसभा की प्रक्रिया और कामकाज के नियम 172 और 220 के तहत 18 फरवरी के समन को स्वीकार करता हूं। इस नोटिस के अनुसार, मैं 6 मार्च को दोपहर 3:00 बजे बताई गई जगह पर कमेटी ऑफ प्रिविलेज के सामने खुद पेश होऊंगा। मेरे पेश होने से कानूनी और संवैधानिक अधिकारों, उपायों, आपत्तियों और दलीलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और ये सभी साफ तौर पर सुरक्षित हैं। ट्रांसपेरेंसी और पब्लिक अकाउंटेबिलिटी के हित में, मैं रिक्वेस्ट करता हूं कि इस मामले में कमेटी की प्रोसिडिंग्स को लाइव-स्ट्रीम किया जाए। कृपया इस कम्युनिकेशन के मिलने की जानकारी दें।बता दें कि हाल ही में शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को बरी किया गया था। इसके बाद आम आदमी पार्टी की ओर से जंतर-मंतर पर एक जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें केजरीवाल ने सरकार पर निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा कि वे कट्टर ईमानदार हैं।

नयी दिल्ली के झुग्गीवालों को कंझावला भगा रही सरकार : आप

नयी दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह पर अपने विधानसभा क्षेत्र लोगों को धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के झुग्गीवालों को 60 किमी दूर कंझावला भगा रही है, जहां स्कूल, अस्पताल, यातायात समेत कोई बुनियादी सुविधा नहीं है।

आप दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को दिल्ली सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के झुग्गीवालों को 60 किमी दूर कंझावला भगा रही है, जहां स्कूल, अस्पताल, यातायात समेत कोई बुनियादी सुविधा नहीं है। नियम है कि झुग्गी वालों को पांच किलोमीटर के दायरे में मकान मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री प्रवेश साहिब सिंह ने मां दुर्गा की कसम खायी थी कि जहां झुग्गी, वहीं मकान देंगे, लेकिन अब इन गरीबों के घर पर बुलडोज़र चलेगा। अब लोग अपना विधायक रहे और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को याद कर रहे हैं।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

होली

होली उमंग, उत्साह से लबरेज कर देने वाला रंगों का पर्व है। देश भर में होली की तैयारियां जोरों पर हैं। हर साल फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा के प्रदोष काल में होलिका दहन किया जाता है। गांवों में ढोल और झाल के साथ फाग गाए जाएंगें और परंपरागत तरीके से होली मनाई जाएगी। मथुरा वृंदावन में तो अभी से उत्सव जैसा माहौल है।

रंगों की फुहारें और चरम पर उल्लास का पहुंच जाना ही तो होली है। सब एक जैसे दिखें, कोई अंतर या भेदभाव नहीं, यही तो होली है। हिंदुओं का यह महोत्सव हर साल फागुन के आने के साथ अपने आने की भी सूचना देता है। बच्चे पिचकारी से जो धमाल मचाते हैं, उसे देखकर यही सुखद अनुभूति होती है कि सर्दी के दिन गए। वसंत अपनी छटा बिखेरते हुए जा रहा है। रंग-गुलाल का यह जलसा एक-दूसरे को सराबोर करते लोगों से प्रेम, दोस्ती और एकजुटता की मांग करता है। हर किसी से हर किसी को 'अबीर-टीका' की उम्मीद रहती है, जो किसी के लिए भी अहितकर नहीं है। लेकिन हाल के दिनों में, यह कुप्रवृत्ति तेजी से सामने आई है कि कुछ लोग इस त्योहार की आत्मा के विरुद्ध चले जाते हैं। वे होली खेलने में हानिकारक रंगों का इस्तेमाल करते हैं। रासायनिक पाउडरों, पेंटों या द्रव्यों का जमकर दुरुपयोग किया जाता है। कई जगहों पर इन सबसे लड़ाई-झगड़े की नौबत भी आ जाती है और माहौल एकदम खराब हो जाता है। 'बुरा न मानो होली है' के नाम पर आनंद और मौज-मस्ती का वातावरण दूषित हो जाता है और लोगों में शत्रुता की भावना जागृत हो उठती है, जबकि इस त्योहार में तो दुश्मन भी गले मिल जाते हैं। बावजूद इसके कि फाग एक बड़ा सामाजिक उत्सव है, कई लोग अपने घरों से बाहर निकलना तक पसंद नहीं करते, क्योंकि आमोद-प्रमोद के नाम पर बुरा बर्ताव होता है। हममें से कई लोग होली के दिन नशा का सेवन करते हैं, जुआ खेलते हैं और भद्दी-भद्दी गालियां देते हैं। कुछ लोग तो होली खेलने के बहाने अपनी पुरानी खुन्नस निकालते हैं। ऐसी अपसंस्कृतियों को रोकना जरूरी है, तभी होली के उत्सव की महत्ता बनी रहेगी। यह तभी मुमकिन है, जब पुलिस-प्रशासन ऐसे असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसे, जो होली के नाम पर बड़े-बुजुर्गों और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। उत्सव की संस्कृति को बचाए रखना सबकी जिम्मेदारी है।

रंगों का त्योहार

होली की कहानियां

होली का त्यौहार कई पौराणिक गाथाओं से जुडा हुआ है। इनमें कामदेव प्रह्लाद और पूतना की कहानियां प्रमुख है। प्रत्येक कहानी के अंत में सत्य की विजय होती है और राक्षसी प्रवृत्तियों का अंत होता है। पहली कहानी शिव और पार्वती की है। हिमालय पुत्री पार्वती चाहती थीं कि उनका विवाह भगवान शिव से हो जाये पर शिवजी अपनी तपस्या में लीन थे। कामदेव पार्वती की सहायता को आये। उन्होंने प्रेम बाण चलाया और भगवान शिव की तपस्या भंग हो गयी। शिवजी को बडा क्रोध आया और उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल दी। उनके क्रोध की ज्वाला में कामदेव का शरीर भस्म हो गया। फिर शिवजी ने पार्वती को देखा। पार्वती की आराधना सफल हुई और शिवजी ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। होली की आग में वासनात्मक आकर्षण को प्रतीकत्मक रूप से जला कर सच्चे प्रेम की विजय का उत्सव मनाया जाता है। होली का त्यौहार प्रह्लाद और होलिका की कथा से भी जुडा हुआ है। प्रह्लाद के पिता हिरण्यकश्यपु नास्तिक थे। वह चाहते थे कि उनका पुत्र भगवान नारायण की आराधना छोड दे। परन्तु प्रह्लाद इस बात के लिये तैयार नहीं था। हिरण्यकश्यपु ने अपनी बहन होलिका को प्रह्लाद के साथ आग में बैठने को कहा। होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह आग में नहीं जलेगी। परन्तु होलिका का यह वरदान उस समय समाप्त हो गया जब उसने भगवान भक्त प्रह्लाद का वध करने का प्रयत्न किया। होलिका अग्नि में जल गई परन्तु नारायण की कृपा से प्रह्लाद का बाल भी बांका नहीं हुआ। होली का त्यौहार कई पौराणिक गाथाओं से जुडा हुआ है। इनमें कामदेव प्रह्लाद और पूतना की कहानियां प्रमुख है। प्रत्येक कहानी के अंत में सत्य की विजय होती है और राक्षसी प्रवृत्तियों का अंत होता है। पहली कहानी शिव और पार्वती की है। हिमालय पुत्री पार्वती चाहती थीं कि उनका विवाह भगवान शिव से हो जाये पर शिवजी अपनी तपस्या में लीन थे। कामदेव पार्वती की सहायता को आये। उन्होंने प्रेम बाण चलाया और भगवान शिव की तपस्या भंग हो गयी। शिवजी को बडा क्रोध आया और उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल दी। उनके क्रोध की ज्वाला में कामदेव का शरीर भस्म हो गया। फिर शिवजी ने पार्वती को देखा। पार्वती की आराधना सफल हुई और शिवजी ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। होली की आग में वासनात्मक आकर्षण को प्रतीकत्मक रूप से जला कर सच्चे प्रेम की विजय का उत्सव मनाया जाता है। होली का त्यौहार प्रह्लाद और होलिका की कथा से भी जुडा हुआ है। प्रह्लाद के पिता हिरण्यकश्यपु नास्तिक थे। वह चाहते थे कि उनका पुत्र भगवान नारायण की आराधना छोड दे। परन्तु प्रह्लाद इस बात के लिये तैयार नहीं था। हिरण्यकश्यपु ने अपनी बहन होलिका को प्रह्लाद के साथ आग में बैठने को कहा। होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह आग में नहीं जलेगी। परन्तु होलिका का यह वरदान उस समय समाप्त हो गया जब उसने भगवान भक्त प्रह्लाद का वध करने का प्रयत्न किया। होलिका अग्नि में जल गई परन्तु नारायण की कृपा से प्रह्लाद का बाल भी बांका नहीं हुआ। कुछ लोग इस उत्सव का सम्बन्ध भगवान कृष्ण से मानते हैं। राक्षसी पूतना एक सुन्दर स्त्री का रूप धारण कर बालक कृष्ण के पास गयी। वह उनको अपना जहरीला दूध पिला कर मारना चाहती थी। दूध के साथ साथ बालक कृष्ण ने उसके प्राण भी ले लिये। कहते हैं मृत्यु के पश्चात पूतना का शरीर लुप्त हो गया इसलिये ग्वालों ने उसका पुतला बना कर जला डाला। मथुरा तब से होली का प्रमुख केन्द्र है। होली का त्योहार राधा और कृष्ण की पावन प्रेम कहानी से भी जुडा हुआ है। वसंत के सुंदर मौसम में एक दूसरे पर रंग डालना उनकी लीला का एक अंग माना गया है। वृन्दावन की होली राधा और कृष्ण के इसी रंग में डूबी हुई होती है।

होली में हरा-नीला रंग ज्यादा खतरनाक, आंखों की रोशनी तक जा सकती है

होली खेलते समय जरूर ध्यान रखें कि कहीं रंग आंखों की रोशनी न छीन ले। पिछले साल आए मरीजों पर हुए अध्ययन में पाया गया कि हरे और नीले रंग में सबसे अधिक रसायन हैं। इनसे आंखों की रोशनी तक जा सकती है। आरपी सेंटर के शोधकर्ता डॉ. आलोक कुमार रवि ने बताया कि इमरजेंसी में आए 82 मरीजों की जांच की गई। इनमें हरे और नीले रंग का असर ज्यादा गंभीर देखा गया। हरा रंग गीले और सूखे दोनों रूप में हानिकारक है। रवि के मुताबिक, लगभग 10 फीसदी मरीजों में कंजेक्टिवल एडिमा हो चुका था। पानी से धोने के बाद भी आंखों से रंग की टॉक्सिक परत नहीं निकली, जो बाद में रेटिना के पीछे पहुंचकर आंखों की दृश्यता को भी प्रभावित कर सकता है।

त्वचा के लिए भी हानिकारक

सरगंगा राम अस्पताल के त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित बत्र कहते हैं कि ये रंग त्वचा के लिए भी हानिकारक होते हैं। रंगों को निकालने के लिए त्वचा को रगड़ना नहीं चाहिए। साथ ही पहले नारियल तेल चेहरे सहित पूरे शरीर पर लगाएं।

हरे रंग में मैलाकायड डाई

लैबारेटरी जांच में पाया गया कि हरे रंग में आंखों को क्षति पहुंचाने वाले रासायन मैलाकायड डाई की मात्र जरूरत से अधिक पाई गई। इसका इस्तेमाल कपड़ों को डाई करने के लिए किया जाता है। यह रंग तेजी से कार्निया के पिछले हिस्से तक पहुंच कर आंखों में जलन और लालिमा को बढ़ाता है, जो पानी से नहीं निकलता। हरा रंग ही नहीं उसमें मिलाया गया सिल्वर ग्लीटर भी बेहद नुकसानदायक है।

बिना पानी खुद उड़ जाएंगे रंग

अगर आप होली में महज इसलिए रंग खेलने से परहेज करते हैं कि कहीं रंग आपके चेहरे की रंगत न चुरा ले तो चिंता मत कीजिए। बाजार में इस बार ऐसे प्राकृतिक रंग उपलब्ध हैं जो एक घंटे तक आपके चेहरे को रंगीन रखेंगे और उसके बाद पानी से धोने की जरूरत नहीं है, रंग खुद उड़ जाएंगे। इस तरह रंग छुड़ाने में पानी की बबार्दी भी नहीं होगी। सुनकर थोड़ा अजीब जरूर लगेगा पर यह सही है। खास बात यह है कि ये प्राकृतिक रंग गुलाल की तरह ही हैं। बृज में फूलों की होली प्राकृतिक तरीके से रंगोत्सव मनाने का सबसे अच्छा उदाहरण है। देश में करोड़ों प्रकृति प्रेमी हैं जो प्राकृतिक रंगों से होली खेलकर जल और पर्यावरण संरक्षण के पक्षधर हैं। प्राकृतिक होली के प्रति बढ़ रही जागरूकता के लिहाज से बाजार ने भी अपने को तैयार किया है। बाजार में जहां रासायनिक तत्वों से बने रंगों की भरमार है, वहीं प्राकृतिक रंग भी कुछ कम नहीं हैं। ऐसे प्राकृतिक रंग जो न तो त्वचा पर उल्टा असर छोड़ेंगे और न ही धोने के लिए पानी मांगेंगे। बस एक कपड़ा लीजिए और झाड़ दीजिए इन्हें प्यार से। बाजार में ऐसे रंग कई नामों से उपलब्ध हैं। इनमें एक नाम छुई-मुई है। इस रंग की खासियत है कि यह रंगीन गीलापन तो देता है, लेकिन इसे धोने की जरूरत नहीं होती। यानी अगर आपने होली खेली तो आपको लगेगा कि रंग लग गया, लेकिन एक से दो घंटे बाद यह खुद-ब-खुद उड़ जाता है।

आपसी प्रेम एवं एकता का प्रतीक है होली

भारत संस्कृति में त्योहारों एवं उत्सवों का आदि काल से ही काफी महत्व रहा है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहाँ पर मनाये जाने वाले सभी त्यौहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। भारत में त्योहारों एवं उत्सवों का सम्बन्ध किसी जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र से न होकर समभाव से है। यहाँ मनाये जाने वाले सभी त्योहारों के पीछे की भावना मानवीय गरिमा को समृद्धि प्रदान करना होता है। यही कारण है कि भारत में मनाये जाने वाले त्योहारों एवं उत्सवों में सभी धर्मों के लोग आदर के साथ मिलजुल कर मनाते हैं। होली भारतीय समाज का एक प्रमुख त्यौहार है, जिसकी लोग बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षा करते हैं।

भारतीय संस्कृति का परिचायक है 'होली'

होली को लेकर देश के विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न मान्यतायें हैं और शायद यही विविधता में एकता, भारतीय संस्कृति का परिचायक भी है। उत्तर पूर्व भारत में होलिकादहन को भगवान कृष्ण द्वारा राक्षसी पूतना के वध दिवस के रुप में जोड़कर, पूतना दहने के रूप में मनाया जाता है तो दक्षिण भारत में मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव ने कामदेव को तीसरा नेत्र खोल भस्म कर दिया था ओर उनकी राख को अपने शरीर पर मल कर नृत्य किया था। तत्पश्चात् कामदेव की पत्नी रति के दुख से द्रवित होकर भगवान शिव ने कामदेव को पुनर्जीवित कर दिया, जिससे प्रसन्न होकर देवताओं ने रंगों की वर्षा की। इसी कारण होली की पूर्व संध्या पर दक्षिण भारत में अग्नि प्रज्ज्वलित कर उसमें गन्ना, आम की बौर और चन्दन डाला जाता है। यहाँ गन्ना कामदेव के धनुष, आम की बौर कामदेव के बाण, प्रज्ज्वलित अग्नि शिव द्वारा कामदेव का दहन एवं चन्दन की आहुति कामदेव को आग से हुई जलन हेतु शांत करने का प्रतीक है।

हिरण्यकश्यप प्राचीन भारत का एक राजा था जो कि राक्षस की तरह था। वह अपने छोटे भाई की मौत का बदला लेना चाहता था जिसे भगवान विष्णु ने मारा था। इसलिए ताकत पाने के लिए उसने सालों तक प्रार्थना की। आखिरकार उसे वरदान मिला। लेकिन इससे हिरण्यकश्यप खुद को भगवान समझने लगा और लोगों से खुद की भगवान की तरह पूजा करने को कहने लगा। इस दुष्ट राजा का एक बेटा था जिसका नाम प्रहलाद था और वह भगवान विष्णु का परम भक्त था। प्रहलाद ने अपने पिता का कहना कभी नहीं माना और वह भगवान विष्णु की पूजा करता रहा। बेटे द्वारा अपनी पूजा ना करने से नाराज उस राजा ने अपने बेटे को मारने का निर्णय किया। उसने अपनी बहन होलिका से कहा कि वो प्रहलाद को गोद में लेकर आग में बैठ जाए क्योंकि होलिका आग में जल नहीं सकती थी। उनकी योजना प्रहलाद को जलाने की थी, लेकिन उनकी योजना सफल नहीं हो सकी क्योंकि प्रहलाद सारा समय भगवान विष्णु का नाम लेता रहा और बच गया पर होलिका जलकर राख हो गई। होलिका की ये हार बुराई के नष्ट होने का प्रतीक है। इसके बाद भगवान विष्णु ने हिरण्यकश्यप का वध कर दिया, लेकिन होली से होलिका की मौत की कहानी जुड़ी है। इसके चलते भारत के कुछ राज्यों में होली से एक दिन पहले बुराई के अंत के प्रतीक के तौर पर होली जलाई जाती है।

लेकिन रंग होली का भाग कैसे बने?

यह कहानी भगवान विष्णु के अवतार भगवान कृष्ण के समय तक जाती है। माना जाता है कि भगवान कृष्ण रंगों से होली मनाते थे, इसलिए होली का यह तरीका लोकप्रिय हुआ। वे वृंदावन और गोकुल में अपने साथियों के साथ होली मनाते थे। वे पूरे गांव में मज़ाक भरी शैतानियां करते थे। आज भी वृंदावन जैसी मस्ती भरी होली कहीं नहीं मनाई जाती। होली वसंत का त्यौहार है और इसके आने पर सर्दियां खत्म होती हैं। कुछ हिस्सों में इस त्यौहार का संबंध वसंत की फसल पकने से भी है। किसान अच्छी फसल पैदा होने की खुशी में होली मनाते हैं। होली को 'वसंत महोत्सव' या 'काम महोत्सव' भी कहते हैं।

होली एक प्राचीन त्यौहार है

होली प्राचीन हिंदू त्यौहारों में से एक है और यह ईसा मसीह के जन्म के कई सदियों पहले से मनाया जा रहा है। होली का वर्णन जैमिनि के पूर्वमिमांसा सूत्र और कथक ग्रहय सूत्र में भी है। प्राचीन भारत के मंदिरों की दीवारों पर भी होली की मूर्तियां बनी हैं। ऐसा ही 16वीं सदी का एक मंदिर विजयनगर की राजधानी हंपी में है। इस मंदिर में होली के कई दृश्य हैं जिसमें राजकुमार, राजकुमारी अपने दासों सहित एक दूसरे पर रंग लगा रहे हैं। कई मध्ययुगीन चित्र, जैसे 16वीं सदी के अहमदनगर चित्र, मेवाड़ पेंटिंग, बूंदी के लघु चित्र, सब में अलग अलग तरह होली मनाते देखा जा सकता है।

होली के रंग

पहले होली के रंग टेसू या पलाश के फूलों से बनते थे और उन्हें गुलाल कहा जाता था। वो रंग त्वचा के लिए बहुत अच्छे होते थे क्योंकि उनमें कोई रसायन नहीं होता था। लेकिन समय के साथ रंगों की परिभाषा बदलती गई। आज के समय में लोग रंग के नाम पर कठोर रसायन का उपयोग करते हैं। इन खराब रंगों के चलते ही कई लोगों ने होली खेलना छोड़ दिया है। हमें इस पुराने त्यौहार को इसके सच्चे स्वरुप में ही मनाना चाहिए।
होली समारोह

होली क्यों मनाते हैं?

'रंगों के त्यौहार' के तौर पर मशहूर होली फाल्गुन महीने में पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। तेज संगीत और ढोल के बीच एक दूसरे पर रंग और पानी फेंका जाता है। भारत के अन्य त्यौहारों की तरह होली भी बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। प्राचीन पौराणिक कथा के अनुसार होली से हिरण्यकश्यप की कहानी जुड़ी है।

होली एक दिन का त्यौहार नहीं है। कई राज्यों में यह तीन दिन तक मनाया जाता है। दिन 1 ङ्क पूर्णिमा के दिन एक थाली में रंगों को सजाया जाता है और परिवार का सबसे बड़ा सदस्य बाकी सदस्यों पर रंग छिड़कता है। दिन 2 ङ्क इसे पूनो भी कहते हैं। इस दिन होलिका के चित्र जलाते हैं और होलिका और प्रहलाद की याद में होली जलाई जाती है। अग्नि देवता के आशीर्वाद के लिए मांएं अपने बच्चों के साथ जलती हुई होली के पांच चक्कर लगाती हैं। दिन 3 ङ्क इस दिन को 'पर्व' कहते हैं और यह होली उत्सव का अंतिम दिन होता है। इस दिन एक दूसरे पर रंग और पानी डाला जाता है। भगवान कृष्ण और राधा की मूर्तियों पर भी रंग डालकर उनकी पूजा की जाती है।

खिले रहें सेहत के रंग

होली के हुड़दंग के बीच सेहत की बातें बेमानी लगती हैं, पर रंगों के इस्तेमाल के संबंध में कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना त्योहार का मजा कई गुना बढ़ा देगा। होली खेलने के दौरान और बाद में किन बातों का रखें ध्यान

क्या होता है नुकसान

परंपरागत रूप से इस त्योहार में फूलों और औषधियों को सुखा कर रंग बनाया जाता था, पर इन दिनों रंगों में कई तरह के हानिकारक रसायन, धातु, एसिड, कांच व पेंट आदि मिलाए जा रहे हैं, जो त्वचा व बालों को नुकसान पहुंचाते हैं। साथ ही खुजली, त्वचा पर निशान पड़ने के अलावा गंभीर चोट का कारण भी बन जाते हैं। यदि कोई खुला घाव है या चोट लगी हुई है तो उस पर बैंड एड व बैंडेज लगा कर खतरनाक रसायनों को उनमें प्रवेश करने से रोकना जरूरी होता है। कई बार इसके नुकसान कैंसर व आंखों की रोशनी कम होने के रूप में भी देखने को मिलते हैं। रंगों में इस्तेमाल किए जाने वाले टॉक्सिन का असर त्वचा पर एलर्जी व एग्जीमा के रूप में नजर आता है।

बालों के लिए

रंग से खेलने के लिए घर से बाहर निकलने से पहले बालों में भरपूर मात्रा में ऑलिव ऑयल (जैतून का तेल) लगा लें। तेल की परत न सिर्फ रंगों से आपके बालों की रक्षा करेगी, बल्कि शैंपू करने से रंग आसानी से उतर भी जाएंगे।

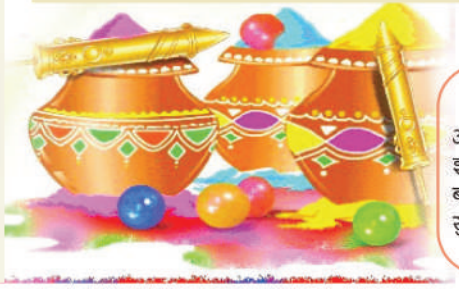

होली खेलने के बाद

अगर होली खेलने के बाद आपके बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं और काफी मात्रा में गिरने लगते हैं तो इन टिप्स को आजमाएं। हर रात सोने से पहले जैतून और बादाम के तेल से बालों की मालिश करें। इससे बालों को पोषण मिलेगा। चार चम्मच दही में मेथी के कुछ दानों को डाल कर रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह इस हेयर पैक को बालों में आधे घंटे तक लगा कर रखने के बाद शैंपू कर लें। अंडे के पीले हिस्से का इस्तेमाल भी आप नियमित रूप से हेयरपैक के रूप में कर सकते हैं।

रंग और उल्लास का पर्व होली पूरे देश में लगभग एक ही तरीके से मनाया जाता है। लेकिन फिर भी कुछ जगह ऐसी भी हैं जहां इसका स्वरूप बदल जाता है। कहीं फूलों की होली होती है तो कहीं होली पर लट्ठ की मार भी सहनी पड़ती है। कहीं-कहीं होली का मतलब सिर्फ नाच-गाना और मस्ती ही होता है। तो आईए जानते हैं होली के विभिन्न रूप...

रंगबिरंगी है होली

बंगाल का वसंतोत्सव

गुरू रवींद्रनाथ टैगोर ने होली के ही दिन शांति निकेतन मे वसंतोत्सव का आयोजन किया था, तब से आज तक इसे यहां बडी धूमधाम से मनाया जाता है। बंगाल में होली डोल पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। इस दौरान रंगों के साथ पूरे बंगाल की समृद्ध संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। इस दिन लोग बसंती रंग के कपड़े पहनते हैं और फूलों से श्रृंगार करते हैं। सुबह से ही नृत्य और संगीत का कार्यक्रम चलता है। घरों में मीठे पकवान और बनते हैं। इस मौके पर राधा-कृष्ण की प्रतिमा झूले में स्थापित की जाती है और महिलाएं बारी-बारी से इसे झुलाती हैं। शेष महिलाएं इसके चारों ओर नृत्य करती हैं। पूरे उत्सव के दौरान पुरुष महिलाओं पर रंग फेंकते रहते हैं और बदले में महिलाएं भी उन्हें रंग-गुलाल लगाती हैं।

बिहार की फागु पूर्णिमा

फागु मतलब लाल रंग और पूर्णिमा यानी पूरा चांद। बिहार में इसे फगुवा नाम से भी जानते हैं। बिहार और इससे लगे उत्तरप्रदेश के कुछ हिस्सों में इसे हिंदी नववर्ष के उत्सव के रूप में मनाते हैं। लोग एक-दूसरे को बधाई देते हैं। होली का त्योहार तीन दिनों तक मनाया जाता है। पहले दिन रात में होलिका दहन होता है, जिसे यहां संवत्सर दहन के नाम से भी जाना जाता है और लोग इस आग के चारों ओर घूमकर नृत्य करते हैं। अगले दिन इससे निकले राख से होली खेली जाती है, जो धुलेठी कहलाती है और तीसरा दिन रंगों का होता है। स्त्री और पुरुषों की टोलियां घर-घर जाकर डोल की थाप पर नृत्य करते हैं, एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाते हैं और पकवान खाते हैं।

महाराष्ट्र की रंग पंचमी और गोवा का शिमगो

महाराष्ट्र और कोंकण के लगभग सभी हिस्सों में इस त्योहार को रंगों के त्योहार के रूप में मनाया जाता है। मछुआरों की बस्ती में इस त्योहार का मतलब नाच-गाना और मस्ती होता है। यह मौसम शादी तय करने के लिए ठीक माना जाता है क्योंकि सारे मछुआरे इस त्योहार पर एक-दूसरे के घरों को मिलने जाते हैं और काफी समय मस्ती में बीतता है। महाराष्ट्र में इस मौके पर जगह-जगह पर दही हांडी फोड़ने का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

पंजाब का होला मोहल्ला

पंजाब में भी इस त्योहार की बहुत धूम रहती है। सिखों के पवित्र धर्मस्थान आनन्दपुर साहिब में होली के अगले दिन से लगने वाले मेले को होला मोहल्ला कहते है। सिखों के लिए यह धर्म-स्थान बहुत ही महत्वपूर्ण है। कहते हैं गुरू गोबिंद सिंह (सिखों के दसवें गुरु) ने स्वयं इस मेले की शुरुआत की थी। तीन दिन तक चलने वाले इस मेले में सिख शौर्यता के हथियारों का प्रदर्शन किया जाता है और वीरता के करतब दिखाए जाते हैं। इस दिन यहां पर आनंदपुर साहिब की सजावट की जाती है और विशाल लंगर का आयोजन किया जाता है।

तमिलनाडु की कामन पोडिगई

तमिलनाडु में होली का दिन कामदेव को समर्पित होता है। रति के विलाप को लोक संगीत के रूप में गाया जाता है और चंदन की लकड़ी से अग्निदान किया जाता है ताकि कामदेव को भस्म होने में पीड़ा ना हो। साथ ही बाद में कामदेव के जीवित होने की खुशी में रंगों का त्योहार मनाया जाता है।

भीलों की होली

राजस्थान और मध्यप्रदेश में रहने वाले भील आदिवासियों के लिए होली विशेष होती है। वयस्क होते लड़कों को इस दिन अपना मनपसंद जीवनसाथी चुनने की छूट होती है। भीलों का होली मनाने का तरीका विशिष्ट है। इस दिन वो आम की मंजरियों, टेसू के फूल और गेहूं की बालियों की पूजा करते हैं और नए जीवन की शुरुआत के लिए प्रार्थना करते हैं।

गुजरात के होली राजा

होली के मौके पर गुजरात में मस्त युवकों की टोलियां सड़कों पर नाचते-गाते चलती हैं। गलियों में ऊंचाई पर दही की मटकियां लगाई जाती हैं और युवकों को यहां तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया जाता है। इन मटकियों में दही के साथ ही पुरस्कार भी लटकते हैं। यह भगवान कृष्ण के गोपियों की मटकी फोड़ने से प्रेरित है। राधारानी मटकी नहीं फूटे इसलिए इन टोलियों पर रंगों की बौझार करती रहती हैं। जो कोई इस मटकी को फोड़ देता है, वह होली राजा बन जाता है। होली के पहले दिन जलने वाली होलिका की राख गौरी देवी को समर्पित करते हैं।

मणिपुर में योसांग होली

मणिपुर में होली पूरे 6 दिनों तक चलती है, जिसे योसांग कहते हैं। यहां होली की शुरुआत में होलिका न बनाकर एक घासफूस की एक झोपड़ी बनाई जाती है और इसमें आग लगाते हैं। अगले दिन लड़कों की टोलियां लड़कियों के साथ होली खेलती है, इसके बदले में उन्हें लड़की को उपहार देना होता है। होली के दौरान लोग कृष्ण मंदिर में पीले और सफेद रंग के पारंपरिक परिधान पहनकर जाते हैं और संगीत और नृत्य करते हैं। इस दौरान थाबल चोंगा वाद्य बजाया जाता है और लड़के-लड़कियां नाचते हैं। वे एक-दूसरे को गुलाल लगाते हैं। इस त्योहार का उद्देश्य लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे से मिलने के लिए मौका देना भी होता है।

लट्ठमार होली

होली शुरू होते ही सबसे पहले ब्रज रंगों में डूबता है। यहां भी सबसे ज्यादा मशहूर है बरसाना की लट्ठमार होली। बरसाना राधा का जन्मस्थान है। इस दिन लट्ठ महिलाओं के हाथ में रहता है और नन्दगांव के पुरुषों जो राधा के मंदिर 'लाड़लीजी' पर झंडा फहराने की कोशिश करते हैं, उन्हें महिलाओं के लट्ठ से बचना होता है। कहते हैं इस दिन सभी महिलाओं में राधा की आत्मा बसती है और पुरुष भी हंस-हंस कर लाठियां खाते हैं।

हरियाणा की धुलेंडी

भारतीय संस्कृति में रिश्तों और प्रकृति के बीच सामंजस्य का अनोखा मिश्रण हरियाणा की होली में देखने को मिलता है। यहां होली धुलेंडी के रूप में मनाते हैं और सूखी होली गुलाल और अबीर से खेलते हैं। भाभियों को इस दिन पूरी छूट रहती है कि वे अपने देवरों को साल भर सताने का दंड दें। भाभियां देवरों को तरह-तरह से सताती हैं और देवर बेचारे चुपचाप झेलते हैं, क्योंकि इस दिन तो भाभियों का दिन होता है। शाम को देवर अपनी प्यारी भाभी के लिए उपहार लाता है और भाभी उसे आशीर्वाद देती है। लेकिन उपहार और आशीर्वाद के बाद फिर शुरू हो जाता है देवर और भाभी के पवित्र रिश्ते की नोकझोंक और एक-दूसरे को सताए जाने का सिलसिला।

होली की मस्ती में बच्चों का रखें ख्याल

होली की मस्ती में बच्चों का ख्याल रखें क्योंकि बच्चों के लिए होली का खास महत्व होता है और बच्चे इस त्योहार में जमकर मस्ती करते हैं। होली बच्चों का मनपसंद त्योहार भी होता है। बच्चे कई दिन पहले से ही हाथों में पिचकारी लेकर होली के रंग में रंग जाते हैं। लेकिन इस मस्ती और जोश में बच्चे अपने स्वास्थ्य के प्रति बिलकुल लापरवाह हो जाते हैं। केमिकलयुक्त रंग और गुलाल जो कि देखने में खूबसूरत होते हैं हमारी आंखों और त्वचा के लिए नुकसानदायक होते हैं। अगर बच्चों के खान-पान पर भी ध्यान नहीं दिया गया तो बच्चों का हाजमा बिगड सकता है। मस्ती के इस त्योहार में अगर बच्चों का ख्याल आप नहीं रख पाये तो होली का मजा किरकिरा हो सकता है। इसलिए बच्चों को होली के दिन बाहर रंग खेलने जाने से पहले पूरी तरह सावधानी बरतना जरूरी है। हम आपको बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर कुछ टिप्स बता रहे हैं। होली में ऐसे करें बच्चों की देखभाल - होली में आपका बच्चा अपनी पिचकारी के साथ घर से निकले तो यह जांच लीजिए कि वह केमिकलयुक्त रंगों का प्रयोग तो नहीं कर रहा है। इन खतरनाक रंगो के इस्तेनमाल से त्वचा में जलन, गंजापन, एलर्जी होने की गुंजाइश रहती है। बेहतर होगा कि बच्चों को हर्बल रंग खरीद कर दीजिए। होली की मस्तीद में बच्चे यह भूल जाते हैं कि उनको अपने पडोसियों के साथ कैसा व्यहवहार करना चाहिए। बच्चों को समझाइए अगर कोई रंग नहीं खेलना चाहता या बीमार है तो उससे जबरदस्ती न करें। कई बच्चे जब आपस में मिलकर एक साथ होली खेल रहें हों तो कोशिश यह कीजिए आप वहां पर मौजूद रहें। बच्चों पर हमेशा ध्यान रखें की कहीं उनके आंखों या फिर मुंह में रंग न चला गया हो। बच्चे के पूरे शरीर में सरसों के तेल का लेप या माश्चराइजर क्रीम लगा दीजिए, इससे रंग जल्दी छूटता है। होली खेलने से पहले बच्चे को ऐसा कपडा पहनाइए जिससे उसका पूरा शरीर और बाल ढकें हों। बच्चों को नए कपडे की बजाय पुराने कपडे ही पहनाएं क्यों कि नए कपडे ज्यादा रंग सोखते हैं। बच्चों के साथ घर में होली खेलने की बजाय किसी पार्क या खुले स्थान का ही प्रयोग कीजिए। कुछ बदमाश बच्चे होली में रंगो के बजाए गंदगी का प्रयोग करते हैं। अगर आप के बच्चे भी अंडा, मिट्टी, नाले या गंदे पानी का प्रयोग करना चाहें तो उनको तुरंत रोकिए। वह बच्चे जिनको चोट लगी हो या फिर मुंहासे आदि हों तो उन्हें डॉक्टर से सलाह लेकर ही होली खेलने दें। कुछ रंग इतने हानिकारक होते हैं कि वह त्वचा के माध्यम से अंदर प्रवेश कर शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

इको फ्रैंडली होली प्लीज

होली का नाम सुनते ही रंगों और मस्ती का माहौल याद आ जाता है। होली में रंग खेले बगैर रहें तो होली एकदम अधूरी सी लगती है। होली में कई प्रकार के रंगों का प्रयोग होता है, जिनका असर कई दिनों तक कम नहीं होता है। बेशक रंग खेलने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन ये रंग स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं। बाजार के रंगों में इतना ज्यादा केमिकल का प्रयोग होता है कि वह हेल्थ के लिए बहुत खतरनाक होता है। कई रंग तो एलर्जी पैदा करते हैं। होली का मजा और आता है जब आप सूखे रंगों से होली खेलें, इससे कई लीटर पानी बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। इसके अलावा इस बार होली में आप अपने घर में प्राकृतिक वस्तुओं का इस्तेमाल करके इको फ्रेंडली रंग तैयार करके होली खेल सकते हैं। इससे स्वास्थ्य को भी कोई खतरा नहीं रहेगा और आपकी होली सुरक्षित होगी। कैसे बनाएं प्राकृतिक रंग प्राकृतिक जडी-बूटियों और फूल पत्तियों को मिलाकर रंग तैयार कर इको फ्रेंडली होली का मजा लीजिए। आईए हम आपको बताते हैं कि कैसे आप अपने घर में ही रंग तैयार कर सकते हैं : पीला रंग एक टीस्पून हल्दी में चार टीस्पून बेसन मिलाकर पीला रंग तैयार कर सकते हो। गेंदे या टेसू के फूल की पंखुड़ियों को पानी में उबालकर प्राकृतिक पीला रंग बनाया जा सकता है। अनार के छिलकों को रातभर पानी में भिगोकर भी पीला रंग तैयार किया जा सकता है। गेंदे के फूल की पत्तियों को मिलाकर पीला रंग बनाया जा सकता है। गुलाबी रंग चुकंदर के टुकड़े काटकर पानी में भिगोकर गहरा गुलाबी रंग बनाया जा सकता है। प्याज के छिलकों को पानी में उबालकर भी गुलाबी रंग बनाया जा सकता है। लाल रंग लाल चंदन के पाउडर को लाल रंग के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें पानी मिलाकर लाल गीला रंग बनाया जा सकता है। टमाटर और गाजर के रस को पानी में मिलाकर भी होली खेली जा सकती है। लाल अनार के छिलकों को मजीठे के पेड की लकडी के साथ उबालकर लाल रंग बनाया जा सकता है। हरा रंग मेंहदी में बराबर मात्रा में आटा मिलाकर हरा रंग बनाइए।

डायबिटिक्स कैसे मनायें होली

होली में आप मौज मस्ती के दौरान अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं। होली में बने वाले व्यजंन व मिठाईयां आप जी भर कर खाते हैं बिना यह जाने कि इससे आपकी सेहत को कितना नुकसान हो सकता है। अगर आप मधुमेह रोगी हैं तो आपको ज्यादा सावधानी बरतने की जरुरत है। मिठाईयों के सेवन से आपका डॉयबिटीज लेवल बढ़ सकता है। इसलिए शुगर फ्री मिठाइयों का सेवन करें। आइए जानें डॉयबिटीज के रोगी कैसे मनाए होली। मिठाईयां होली में मधुमेह रोगियों को घर पर मिठाईयां बनानी चाहिए और उसमें कृत्रिम मिठास आटीफीशियल स्वीमटनर्स का प्रयोग करना चाहिए। या फिर वो अगर बाहर से मिठाई खरीद रहें तो सुगर फ्री मिठाईयां ही खरीदें। ड्राई फ्रूट्स मधुमेह रोगियों को होली पर ड्राई फ्रूट्स का सेवन करना चाहिए। इससे उनको किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। केसर का शरबत होली में बनने वाले केसर के शरबत से मधुमेह रोगियों को बचना चाहिए इससे नशा होने की संभावना होती है। जो कि नुकसानदेह है रोगियों के लिए। पूरन पोली होली के दिन दाल से बनने वाले पूरन पोली का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसमें काफी मात्रा में फैट होता है जिससे आपको वजन बढ़ने की समस्या हो सकती है। ठंडई होली में बनने वाली ठंडई से आपको दूर रहना चाहिए। इसके सेवन से नशा होता है क्योंकि इसमें खसखस, सौंफ, गुलाब की पखुड़ियां, भांग मिली होती है। गुजिया मधुमेह रोगियों को होली में बनने वाली गुजिया का सेवन नहीं करना चाहिए। इसमें काफी मात्रा में मीठा होता है जो उनके लिए अच्छा नहीं है। वो अपने लिए कम मीठी गुजिया बना सकते हैं भांग होली में भांग का सेवन नहीं करना चाहिए। यह आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं है क्योंकि इसमें भांग, दूध व घी मिल होता है। और इससे आपको नशा भी होता है।

रेसिपी

पाईनएप्पल शीरा

सामग्री

1/2 कप ताजे अनानास की प्युरी
1/4 कप घी
1/2 कप सूजी
1/2 कप शक्कर
सजाने के लिए
2 टेबल-स्पून बादाम की कतरन

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में घी गरम करें, सूजी डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट या सूजी से खुशबु आने तक पका लें। ताज़े अनानस की प्युरी और 1 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए, लगातार हिलाते हुए पका लें। शक्कर डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए, लगातार हिलाते हुए पका लें। बादाम की कतरन से सजाकर गुनगुने तापमान पर परोसें।

फ्रेन्च बीन्स् पोरियल

सामग्री

1 टेबल-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून जीरा, 1 टी-स्पून उड़द दाल, 1 टी-स्पून चना दाल, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1/4 टी-स्पून हींग, 5 to 6 कड़ी पत्ता, 2 1/2 कप कटी हुई फण्सी, नमकस्वादअनुसार, 1/4 कप ताजा कसा हुआ नारियल

विधि

एक कढ़ाई में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, जीरा, उड़द दाल, चना दाल, लाल मिर्च, हींग और कड़ी पत्ते डालकर अच्छी तरह मिलाऐं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए कुछ सेकन्ड तक भुन लें। फण्सी, 1/2 कप पानी और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 8 से 10 मिनट या उनके पुरी तरह पक जाने तक पका लें। नारियल डालकर हल्के हाथों मिला लें और 2 मिनट तक पका लें। गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

तत्पर स्वास्थ्य सेवाएं

बदलने की परिपाटी से गुजरेंगे, तो सारे इंतजाम बदलने की फेहरिस्त लंबी होगी। कुछ इसी कतार में खड़े होने की मंशा वर्तमान सरकार दिखा रही है, तो वातावरण में नई स्वीकारोक्तियां पैदा करनी होंगी। मेडिकल साइंस के इंतखाब में यह प्रदेश ऐसे बिंदु चुन रहा है, जहां भविष्य नए सिरे से लिखा जाएगा। यानी उपकरणों के आधार पर प्रदेश के मेडिकल कालेज व प्रमुख अस्पताल तीन हजार करोड़ से सुसज्जित हो रहे हैं। रोबोटिक सर्जरी के इंतजाम के साथ-साथ अन्य मशीनें भी चुनी जा रही हैं, ताकि स्वास्थ्य के संकल्प परिणामों के साथ साबित हों। तस्वीर का यह पहलू काफी उज्ज्वल लगता है, लेकिन चिकित्सा सेवाओं का प्रबंधन इससे कहीं अलग एक ऐसी संस्कृति है, जो चौबीस घंटे तत्पर होनी चाहिए। हमें तत्पर मेडिकल कालेज ऑर टर्शियरी संस्थानों तक विकास की उज्ज्वल तस्वीर चाहिए। विडंबना यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के खाकों ने मेडिकल कालेजों की होड़ में स्वास्थ्य सेवाओं के कैडर को आम चिकित्सा से दूर कर दिया, लिहाजा आरंभिक सेवाओं के तात्पर्य को रैफरल सिस्टम बना दिया गया है। हमारा मानना यह है कि चिकित्सा सेवाओं का सबसे बड़ा स्पर्श ग्रामीण परिवेश की डिस्पेंसरी से मिल सकता है। भले ही सीएचसी, पीएचसी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की श्रृंखला आज भी मजबूत इरादे जाहिर करती है, लेकिन मेडिकल कालेजों की चर्चाओं ने इनकी क्षमता को दोयम दर्जे पर ला खड़ा किया। प्रदेश की चिकित्सकीय दृष्टि इनके ऊपर एनायत होनी चाहिए। कम से कम जिला व जोनल स्तरीय अस्पतालों के महत्त्व को बढ़ाना होगा। मसलन हमीरपुर के क्षेत्रीय अस्पताल का वजूद मेडिकल कालेज से अलग व स्वतंत्र होना चाहिए। इसी तरह मंडी व धर्मशाला के जोनल अस्पतालों से नेरचौक एमसी व टीएमसी के निर्माण ने कमजोर कर दिया है, जबकि ये संस्थान आज भी एक बड़े क्षेत्र की आबादी के भरोसे पर खरे उतरते हैं। बेशक पीजीआई और एम्स की तलाश में, वर्तमान सरकार अपने हर मेडिकल कालेज को सुविधाओं से संपन्न कर रही है, लेकिन मशीनरी हो या सिरेंज इसके सही इस्तेमाल के लिए योग्य और प्रतिबद्ध स्टाफ की जरूरत है। निजी और सरकारी अस्पतालों के बीच मिशन, तत्परता, सिस्टम, अनुशासन, प्रतिबद्धता व जवाबदेही का अंतर बढ़ा है, तो इसे घटाने के लिए पीजीआई की कार्य संस्कृति भी अपनानी होगी। प्रदेश की जनता अपनी आर्थिक क्षमता के अनुपात में अब हर क्षेत्र में बेहतर चाहती है और इसका प्रदर्शन भी कर रही है। ऐसे में भविष्य के अस्पतालों का चयन व प्रदर्शन, नए परिचय में सक्षम होना चाहिए। जैसे सीबीएसई पाठ्यक्रम का रास्ता चुनकर हिमाचल के कई स्कूल विशेष दर्जा हासिल कर रहे हैं, उसी तरह कुछ अस्पतालों का चयन करके इन्हें भी अलग मानदंड से परोसा जा सकता है। कुछ क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में एक अलग विंग निजी क्षेत्र के सहयोग से चलाया जा सकता है, जहां से सिटी हास्पिटल की तरह सेवाएं उपलब्ध करवा सकते हैं। यह इसलिए कि निजी अस्पताल आजकल कई सुपरस्पेशियलिस्ट सेवाओं को कंस्लटेंट के अधीन चलाते हैं और अगर सरकारी अस्पताल भी इस पद्धति को अपनाएं तो हर बीमारी का बेहतरीन इलाज कई स्थानों पर उपलब्ध होगा। इतना ही नहीं जिला अस्पतालों की उपयोगिता बढ़ाते हुए इन्हें रोग विशेष के राज्य स्तरीय अस्पतालों का दर्जा दिया जा सकता है। हिमाचल की जीवनशैली में आ रहे परिवर्तनों के कारण कई सामान्य रोग भी अब खास सहूलियतें, विशेषज्ञता और डाक्टरी सलाह की दरकार रखते हैं। हिमाचल में हड्डियों, मधुमेह, हृदय रोग और गैस्ट्रो से संबंधित रोग बढ़ रहे हैं। फिजीयोथैरेपी, डेंटल केयर तथा खान-पान से संबंधित सलाह के लिए दक्ष विशेषज्ञ चाहिएं। केवल अस्पताल ही जीने की गारंटी नहीं हैं। हमारे गांव व शहर किस तरह नागरिक सुविधाओं से परिपूर्ण हों, यह भी फिटनेस के लिए जरूरी है। हर गांव में कम से कम एक और शहरी क्षेत्रों में चार-चार नए सामुदायिक मैदान विकसित किए जाएं, तो जीने की रूटीन का एक हिस्सा सार्वजनिक व्यवहार से कुशल रह सकता है। इस दृष्टि से स्कूली परिसरों में स्विमिंग पूल बनाने का सोच कर सीएम एक सुधारात्मक कदम उठा रहे हैं। ऐसे अनेक प्रयास बच्चों से बूढ़ों तक अगर सामान्य फिटनेस के प्रति सचेत करें, तो अस्पतालों की भीड़ छंट सकती है।

> हमारा मानना यह है कि चिकित्सा सेवाओं का सबसे बड़ा स्पर्श ग्रामीण परिवेश की डिस्पेंसरी से मिल सकता है। भले ही सीएचसी, पीएचसी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की श्रृंखला आज भी मजबूत इरादे जाहिर करती है, लेकिन मेडिकल कालेजों की चर्चाओं ने इनकी क्षमता को दोयम दर्जे पर ला खड़ा किया। प्रदेश की चिकित्सकीय दृष्टि इनके ऊपर एनायत होनी चाहिए। कम से कम जिला व जोनल स्तरीय अस्पतालों के महत्त्व को बढ़ाना होगा। मसलन हमीरपुर के क्षेत्रीय अस्पताल का वजूद मेडिकल कालेज से अलग व स्वतंत्र होना चाहिए। इसी तरह मंडी व धर्मशाला के जोनल अस्पतालों से नेरचौक एमसी व टीएमसी के निर्माण ने कमजोर कर दिया है, जबकि ये संस्थान आज भी एक बड़े क्षेत्र की आबादी के भरोसे पर खरे उतरते हैं। बेशक पीजीआई और एम्स की तलाश में, वर्तमान सरकार अपने हर मेडिकल कालेज को सुविधाओं से संपन्न कर रही है, लेकिन मशीनरी हो या सिरेंज इसके सही इस्तेमाल के लिए योग्य और प्रतिबद्ध स्टाफ की जरूरत है।

सोशल मीडिया के दौर में उत्सव केवल निजी अनुभव नहीं रह गया, वह सार्वजनिक प्रदर्शन का रूप ले लेता है

होली, बदलता समाज और मर्यादा की नई परिभाषाएँ

डॉ. सत्यवान सौरभ

होली केवल एक त्योहार नहीं, भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह रंगों का, उल्लास का, मन की गांठें खोलने का और रिश्तों में जमी धूल झाड़ने का अवसर है। किंतु समय के साथ हर परंपरा नए प्रश्नों के घेरे में आती है। आज जब विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर होली के आयोजन का स्वरूप बदल रहा है, तब समाज का एक वर्ग उत्साहित है तो दूसरा वर्ग चिंतित। यही द्वंद्व इस चर्चा को गंभीर बनाता है। परंपरागत रूप से होली को पारिवारिक और सामुदायिक दायरे में मनाया जाता रहा है। गाँवों में चौपाल, मोहल्लों में आँगन, घरों की छतें—ये सब उत्सव के स्वाभाविक मंच होते थे। रिश्तों की परिभाषाएँ स्पष्ट थीं; देवर-भाभी की हँसी-ठिठोली, ननद-भाभी की चुहल, मित्रों का रंग-अबीर। इन सबमें एक सांस्कृतिक मर्यादा और सामाजिक संदर्भ निहित रहता था। त्योहार का आनंद सामूहिक था, पर सीमाएँ भी स्पष्ट थीं। आज दृश्य बदल चुका है। सहशिक्षा वाले विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राएँ साथ पढ़ते हैं, साथ कार्यक्रम आयोजित करते हैं और साथ ही उत्सव भी मनाते हैं। सोशल मीडिया के दौर में उत्सव केवल निजी अनुभव नहीं रह गया, वह सार्वजनिक प्रदर्शन का रूप ले लेता है। रंग, संगीत, नृत्य और भीड़—ये सब मिलकर एक ऐसा माहौल रचते हैं जो पारंपरिक होली से भिन्न दिखाई देता है। यही बदलाव समाज के एक हिस्से को असहज करता है। मुख्य प्रश्न यह नहीं है कि लड़कियाँ होली क्यों खेल रही हैं या लड़के क्यों साथ हैं। असली प्रश्न यह है कि क्या उत्सव की आड़ में मर्यादा और गरिमा सुरक्षित है? क्या स्वतंत्रता के नाम पर अराजकता को स्थान मिल रहा है? क्या भीड़ के उत्साह में व्यक्तिगत सीमाएँ टूट रही हैं? यहाँ "लड़की" और "स्त्री" के बीच का अंतर भी चर्चा में आता है। समाज अक्सर बेटियों को बचपन से ही मर्यादा का पाठ पढ़ाता है, जबकि बेटों को अधिक खुली छूट मिलती रही है। जब बेटियाँ सार्वजनिक रूप से उत्सव में भाग लेती हैं, तो उसे परंपरा से विचलन मान लिया जाता है। पर क्या यह दृष्टिकोण न्यायसंगत है? यदि शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में समान अवसर स्वीकार हैं, तो सांस्कृतिक आयोजनों में समान भागीदारी क्यों नहीं? दूसरी ओर, यह भी उतना ही सत्य है कि भीड़ का व्यवहार हमेशा संयमित नहीं होता। होली के अवसर पर छेड़छाड़, जबरदस्ती रंग लगाने, अभद्र टिप्पणियों जैसी घटनाएँ वर्षों से समाज की चिंता का विषय रही हैं। ऐसे में अभिभावकों की आशंका को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। उनकी चिंता केवल परंपरा की रक्षा की नहीं, बल्कि बेटियों की सुरक्षा और गरिमा की भी होती है। यहाँ "सहमति" की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आधुनिक समाज में किसी भी सामाजिक संपर्क का आधार स्पष्ट सहमति है। यदि कोई छात्रा या छात्र अपनी इच्छा से, सुरक्षित वातावरण में उत्सव का हिस्सा बनता है, तो उसे केवल इसलिए गलत नहीं ठहराया जा सकता कि वह परंपरागत ढाँचे से अलग है। लेकिन यदि आयोजन में सुरक्षा, निगरानी और स्पष्ट आचार-संहिता का अभाव है, तो चिंता स्वाभाविक है। विश्वविद्यालय प्रशासन की भूमिका यहाँ निर्णायक हो जाती है। किसी भी सामूहिक आयोजन में सुरक्षा व्यवस्था, शिकायत तंत्र और स्पष्ट दिशा-निर्देश अनिवार्य होने चाहिए। यह सुनिश्चित करना प्रशासन का दायित्व है कि कोई भी छात्र या छात्रा असहज महसूस न करे। "नो मींस नो" जैसी स्पष्ट नीति और उसकी सख्ती से पालना उत्सव को स्वस्थ बनाए रख सकती है। समाज को भी आत्ममंथन की आवश्यकता है। क्या हम बेटियों को केवल घर की मर्यादा से जोड़कर देखते हैं? क्या हम यह मान बैठे हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर उनका सक्रिय होना स्वभावतः अनुचित है? यदि बेटियाँ शिक्षा, खेल, राजनीति और व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, तो सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी उपस्थिति को अलग कसौटी पर क्यों परखा जाए? परंपरा स्थिर नहीं होती; वह समय के साथ बदलती है। जो आज "नया" प्रतीत हो रहा है, वह कल सामान्य बन सकता है। किंतु परिवर्तन का अर्थ मूल्यों का परित्याग नहीं है। मर्यादा, सम्मान और सुरक्षा—ये मूल्य शाश्वत हैं। प्रश्न यह है कि क्या हम इन मूल्यों को नए परिवेश में लागू करने के लिए तैयार हैं? होली का मूल संदेश सामाजिक भेद मिटाना है। यह वह दिन है जब रंग सबको एक कर देते हैं—जाति, वर्ग, आयु, लिंग के भेद पीछे छूट जाते हैं। यदि हम इस मूल भावना को स्वीकार करते हैं, तो हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बेटियाँ और बेटे दोनों समान रूप से इस उत्सव का हिस्सा हैं। फिर भी, उत्सव को प्रदर्शन में बदल देना चिंता का विषय है। सोशल मीडिया पर लाइक और व्यूज़ की दौड़ में निजी क्षणों का सार्वजनिक प्रदर्शन कई बार गरिमा की सीमा लांघ देता है। युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि आत्मविश्वास और आत्मप्रदर्शन में अंतर होता है। आनंद का अर्थ यह नहीं कि हर क्षण कैमरे के लिए जिया जाए। अभिभावकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। केवल रोक-टोक समाधान नहीं है। संवाद, विश्वास और जागरूकता अधिक प्रभावी साधन हैं। यदि बेटियों को बचपन से ही आत्मसम्मान, आत्मरक्षा और स्पष्ट सीमाएँ तय करने का संस्कार दिया जाए, तो वे किसी भी वातावरण में स्वयं की गरिमा की रक्षा कर सकती हैं। उसी प्रकार बेटों को भी यह सिखाया जाना चाहिए कि उत्सव का आनंद दूसरों की असुविधा पर आधारित नहीं हो सकता। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि नई पीढ़ी अलग सामाजिक संरचना में जी रही है। सहशिक्षा, डिजिटल मीडिया और वैश्विक प्रभावों ने उनके अनुभवों को व्यापक बना दिया है। ऐसे में पुरानी परिभाषाओं को ज्यों-का-त्यों लागू करना संभव नहीं। परंतु यह भी उतना ही आवश्यक है कि नई पीढ़ी परंपरा की जड़ों से जुड़ी रहे। संतुलन ही समाधान है। न अंधानुकरण, न अंधविरोध। यदि विश्वविद्यालयों में होली का आयोजन होता है, तो उसे सुरक्षित, गरिमापूर्ण और स्वैच्छिक बनाया जाए। यदि कोई छात्र या छात्रा भाग नहीं लेना चाहता, तो उस पर दबाव न डाला जाए। यदि कोई भाग लेना चाहता है, तो उसकी स्वतंत्रता का सम्मान किया जाए। अंततः प्रश्न केवल होली का नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता का है। क्या हम स्वतंत्रता को संदेह की दृष्टि से देखेंगे, या उसे जिम्मेदारी के साथ स्वीकार करेंगे? क्या हम बेटियों को केवल संरक्षण की वस्तु मानेंगे, या उन्हें सक्षम और सजग नागरिक के रूप में देखेंगे? होली का रंग तभी स्थायी होगा जब उसमें विश्वास और सम्मान की खुशबू हो। परंपरा और आधुनिकता का संघर्ष तब समाप्त होगा जब हम समझेंगे कि दोनों का उद्देश्य समाज को बेहतर बनाना है। त्योहारों का अर्थ केवल रस्में निभाना नहीं, बल्कि समय के साथ स्वयं को परखना भी है। यदि हम मर्यादा, गरिमा और सहमति को केंद्र में रखकर उत्सव मनाएँ, तो न तो परंपरा आहत होगी और न आधुनिकता। समाज की प्रगति इसी में है कि वह अपनी जड़ों को संभालते हुए नई शाखाओं को फैलने दे। रंगों का यह पर्व हमें यही सिखाता है कि विविधता में भी समरसता संभव है—बस दृष्टिकोण संतुलित होना चाहिए।

> आज जब विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर होली के आयोजन का स्वरूप बदल रहा है, तब समाज का एक वर्ग उत्साहित है तो दूसरा वर्ग चिंतित। यही द्वंद्व इस चर्चा को गंभीर बनाता है। परंपरागत रूप से होली को पारिवारिक और सामुदायिक दायरे में मनाया जाता रहा है। गाँवों में चौपाल, मोहल्लों में आँगन, घरों की छतें—ये सब उत्सव के स्वाभाविक मंच होते थे। रिश्तों की परिभाषाएँ स्पष्ट थीं; देवर-भाभी की हँसी-ठिठोली, ननद-भाभी की चुहल, मित्रों का रंग-अबीर। इन सबमें एक सांस्कृतिक मर्यादा और सामाजिक संदर्भ निहित रहता था। त्योहार का आनंद सामूहिक था, पर सीमाएँ भी स्पष्ट थीं। आज दृश्य बदल चुका है। सहशिक्षा वाले विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राएँ साथ पढ़ते हैं, साथ कार्यक्रम आयोजित करते हैं और साथ ही उत्सव भी मनाते हैं।

कुछ अलग

एक रोबो बनाऊंगा

मैं जब भी हिंदी फिल्म 'असली नकली' में हसरत जयपुरी का लिखा और मोहम्मद रफी का गाया और देवानंद अभिनीत गीत 'एक बुत बनाऊंगा तेरा और पूजा करूंगा', सुनता हूं, भावविभोर हो उठता हूं। जब मैं छोटा बच्चा था, अस्सी के दशक में बजाज बल्ब के मशहूर विज्ञापन वाले बच्चे की तरह बड़ी शरारत करता था। पर मुझमें इतनी समझ नहीं थी। मैं चाहता तो था रोबो बनाना, लेकिन हर बार गाना सुनते ही बुत बनाने की कल्पना में खो जाता था। तब मुझे यह अंदाजा नहीं था कि बुत और रोबो में क्या फर्क होता है। अब एक सामान्य व्यक्ति के रूप में जन्मे बच्चे और अवतारी रूप में पैदा हुए बालक में कुछ तो फर्क होगा ही। अगर मैं भी अजैविक (नॉन-बॉयोलॉजिकल) होता तो शायद देश का नेतृत्व करता। वैसे होता तो रोबो भी अजैविक ही है। शायद इसलिए कुछ लोग अवतारी पर बड़े सेठ का रोबो होने का आरोप लगाते हुए कहते हैं कि उन्होंने 'सेठ का, सेठ द्वारा और सेठ के लिए' ही रोबो बनने के महान उद्देश्य से अवतार लिया है। अब मेरे जैसे साधारण जीव के रूप में जन्म लेने वाले नराधम कभी अवतारियों की महिमा नहीं समझ सकते। अपनी समझ में तो आज तक राम रहीम, आसाराम, बागेश्वर जैसे स्वनिर्मित संतों की महिमा नहीं आई तो अवतारी की ब्रह्मांडीय महिमा अपने पंद्रह सौ ग्राम के भेजे में क्या खाक घुसेगी। वैसे भी आजादी के इस अमृत काल में दिमाग में भूस या गोबर भरने जैसे कहावतें भी थोथी साबित हो रही हैं। लगता है कि दिमाग का दही, नहीं नहीं गोबर हो गया है। नहीं तो वह इतने सालों से लोगों का उल्लू काट रहे हैं और लोग पता होते हुए भी आराम से लक्ष्मी के वाहन बने हुए हैं।

देश दुनिया से

दुनियाभर की साजिशों का शिकार एशिया

एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य सदियों से संघर्ष, हस्तक्षेप और साजिशों से घिरा रहा है। यह महाद्वीप न केवल जनसंख्या और संस्कृति का केंद्र है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से भी विश्व का सबसे समृद्ध क्षेत्र माना जाता है। फिर भी, विडंबना यह है कि यही एशिया बार-बार युद्धों, अस्थिरता और गरीबी की आग में झोंका जाता रहा है। आज ईरान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता तनाव हो या कंबोडिया-थाईलैंड के बीच सीमा संघर्ष, ये घटनाएँ मात्र संयोग नहीं लगतीं। इनके पीछे एक व्यापक वैश्विक रणनीति काम करती दिखती है, जिसमें एशिया को अशांत रखकर बाहरी शक्तियाँ अपने हित साधती हैं। एशिया जले, और विकसित देशों की तिजोरियाँ भरें—यही इस राजनीति का नंगा सच है। ग्लोबल साउथ के देश संसाधनों से भरपूर हैं, लेकिन निर्णय-शक्ति से वंचित। तेल, गैस, कोयला, दुर्लभ खनिज, उपजाऊ भूमि और युवा जनसंख्या—सब कुछ होने के बावजूद ये देश कर्ज, बेरोजगारी और अस्थिरता में फँसे रहते हैं। इसका मूल कारण केवल आंतरिक कमजोरियाँ नहीं, बल्कि वह वैश्विक व्यवस्था है जो दशकों से इन्हें निर्भर बनाए रखने के लिए गढ़ी गई है। विकसित देशों ने औपनिवेशिक काल में जिस लूट की शुरुआत की थी, वही आज नए रूप में जारी है—कभी मुक्त व्यापार के नाम पर, कभी लोकतंत्र और मानवाधिकारों की आड़ में। ईरान-पाकिस्तान तनाव इसका ताजा उदाहरण है। ईरान पर लंबे समय से लगे प्रतिबंधों ने उसकी अर्थव्यवस्था को कमजोर किया है, जबकि पाकिस्तान लगातार विदेशी कर्ज और आर्थिक दबाव में जी रहा है। ऐसे में सीमा पर उभरता तनाव केवल स्थानीय मुद्दा नहीं रह जाता। बलूचिस्तान जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अस्थिरता दोनों देशों को आमने-सामने खड़ा कर सकती है। यदि यह तनाव बढ़ता है, तो पूरे दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया में ऊर्जा मार्ग बाधित होंगे। तेल और गैस की कीमतें बढ़ेंगी, जिसका सीधा लाभ वैश्विक बाजारों पर नियंत्रण रखने वाली शक्तियों को मिलेगा। युद्ध भले एशिया में हो, लेकिन मुनाफा कहीं और दर्ज होगा। इतिहास गवाह है कि बाहरी ताकतें अक्सर स्थानीय विवादों को हवा देकर अपने हित साधती रही हैं। कभी वे मध्यस्थ बनकर सामने आती हैं, तो कभी सैन्य सहायता और सुरक्षा के नाम पर अपने ठिकाने स्थापित कर लेती हैं। अफगानिस्तान इसका ज्वलंत उदाहरण है, जहाँ दशकों तक युद्ध चला, समाज टूट गया, और अंततः वही देश सबसे अधिक तबाह हुआ, जिसे "मदद" देने का दावा किया गया था। ऐसे ही हालात एशिया के अन्य हिस्सों में भी दोहराए जा रहे हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया में कंबोडिया-थाईलैंड विवाद भी इसी रणनीति की कड़ी प्रतीत होता है। सीमा क्षेत्रों में मौजूद मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों को लेकर तनाव कोई नया नहीं, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें जिस तरह सैन्य रंग घुला है, वह चिंताजनक है। यह क्षेत्र दुर्लभ खनिजों से समृद्ध माना जाता है, जिनकी मांग नई तकनीकों और ऊर्जा परिवर्तन के दौर में तेजी से बढ़ रही है। जब दो पड़ोसी देश आपस में उलझते हैं, तो बाहरी शक्तियों के लिए हस्तक्षेप आसान हो जाता है। सैन्य सहायता, निवेश और कर्ज के बदले संसाधनों तक पहुँच बना ली जाती है। अंततः नुकसान स्थानीय जनता का होता है—पर्यावरण विनाश, विस्थापन और आर्थिक असमानता के रूप में। ग्लोबल साउथ की यह स्थिति अचानक नहीं बनी। बीसवीं सदी के मध्य से ही विकसित देशों ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को कच्चे माल के स्रोत और तैयार माल के बाजार के रूप में इस्तेमाल किया। औपनिवेशिक शासन खत्म हुआ, लेकिन आर्थिक संरचना नहीं बदली। आज भी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ कर्ज देती हैं, लेकिन बदले में ऐसी शर्तें थोपती हैं, जो इन देशों की नीतिगत स्वतंत्रता छीन लेती हैं। संसाधनों का निजीकरण, सब्सिडी में कटौती और आयात-निर्भरता—ये सब उसी जाल के हिस्से हैं। इस पूरी व्यवस्था में आंतरिक कमजोरियाँ भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। भ्रष्टाचार, सत्ता संघर्ष, जातीय और धार्मिक विभाजन इन देशों को भीतर से खोखला करते हैं। जब समाज बँटा होता है, तो बाहरी हस्तक्षेप और आसान हो जाता है। सत्ता में बैठे लोग अल्पकालिक लाभ के लिए दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता कर लेते हैं। जनता की आवाज दब जाती है, और निर्णय कुछ गिने-चुने वर्गों तक सीमित रह जाते हैं। फिर भी, यह मान लेना कि ग्लोबल साउथ असहाय है, एक बड़ी भूल होगी। समाधान मौजूद हैं, बशर्ते इच्छाशक्ति हो। सबसे पहला कदम है क्षेत्रीय एकजुटता। एशिया के देशों को आपसी विवादों को संवाद और सहयोग से सुलझाना होगा। सीमा विवाद हों या संसाधनों का बँटवारा—इनका हल युद्ध नहीं, बल्कि साझा समझ में है। जब पड़ोसी देश एक-दूसरे के साथ खड़े होंगे, तो बाहरी ताकतों की गुंजाइश अपने-आप कम हो जाएगी। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है आर्थिक स्वावलंबन। संसाधनों पर वास्तविक नियंत्रण तभी संभव है, जब स्थानीय उद्योग और सार्वजनिक क्षेत्र मजबूत हों। केवल कच्चा माल निर्यात करने के बजाय मूल्यवर्धन पर जोर देना होगा। तकनीक का हस्तांतरण जरूरी है, लेकिन उत्पादन क्षमता देश के भीतर विकसित करनी होगी। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कटना नहीं, बल्कि बराबरी के आधार पर जुड़ना है। पर्यावरणीय न्याय भी इस संघर्ष का अहम हिस्सा है। ऊर्जा परिवर्तन के नाम पर जिस तरह खनन बढ़ाया जा रहा है, उसका सबसे बड़ा बोझ आदिवासी और ग्रामीण समुदाय उठा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से भी वही देश सबसे अधिक प्रभावित हैं, जिन्होंने इसमें सबसे कम योगदान दिया है। ऐसे में वैश्विक मंचों पर न्यायपूर्ण हिस्सेदारी और जिम्मेदारी की माँग करना अनिवार्य है। सामाजिक स्तर पर भी बदलाव जरूरी है। शिक्षा प्रणाली में केवल तकनीकी ज्ञान नहीं, बल्कि इतिहास, राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था की समझ विकसित करनी होगी।

आप का नज़रिया

'डिब्बागोल अर्थव्यवस्था' का युद्ध

हमने बताया था कि करीब 1 करोड़ भारतीय मध्य-पूर्व के खाड़ी देशों में बसे हैं। उन्होंने वहीं घर बना लिए हैं, काम-धंधा जमा लिया है और उनके बच्चे भी वहीं पढ़ रहे हैं। अरब देशों को भारतीयों की बुनियादी जरूरत है, क्योंकि वे तकनीकी और पेशेवर तौर पर हुनरमंद हैं। अरब देशों के पास सिर्फ तेल-गैस के भंडार हैं। न पर्याप्त शिक्षा है, न प्रौद्योगिकी का अपेक्षाकृत कौशल है और सबसे अहम यह है कि वहां लोकतंत्र भी नहीं है। बेशक ईरान में राष्ट्रपति का चुनाव जनता करती है, लेकिन सुप्रीम लीडर 'मजहबी' है। राष्ट्रपति भी उसके अधीन काम करते हैं। खाड़ी देशों में शेख, सुल्तान और अमीर आदि की ही हुकूमतें हैं। उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से चुना नहीं गया, बल्कि वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी और वंश-दर-वंश इन देशों पर राज कर रहे हैं। वे बुनियादी तौर पर अमरीका के पि‍ हैं, क्योंकि उनकी मजबूरी है, क्योंकि वे सैन्य रूप से कमजोर देश हैं, बल्कि अमरीका के ही भरोसे हैं। बहरहाल खाड़ी देशों के भारतीय औसतन 10 लाख करोड़ रुपए सालाना भारत में अपने घरों को भेजते हैं। दुनिया भर से भारतीय जितना धन अपने परिवारों को भेजते हैं, उसका एक-तिहाई हिस्सा खाड़ी वाले भारतीय भेजते हैं। उससे भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। यह राशि भारत के कुल बजट का पांचवां हिस्सा है, जो कई देशों के बजट से अधिक है। भारत ने 2025 में करीब 11.60 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल अरब देशों से आयात किया है। अधिकांश हिस्सा ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात से ही आयात किया गया है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल-आयातक देश है। यदि तेल के दाम 10 डॉलर भी बढ़ते हैं, तो भारत का आयात-बिल 15 अरब डॉलर सालाना बढ़ जाता है। इस अर्थव्यवस्था को समझा जाना चाहिए। यदि अमरीका-इजरायल बनाम ईरान युद्ध लंबा खिंचता है, तो क्या यह अर्थव्यवस्था डांवाडोल हो जाएगी? कमोबेश बड़ी संख्या में भारतीय विस्थापित होकर नहीं लौटेंगे, लिहाजा युद्ध के दौरान उनकी सुरक्षा का सवाल भी बेहद महत्वपूर्ण है। दो दिन के युद्ध ने कच्चे तेल की कीमतें बढ़ा दी हैं। फिलहाल दाम 75-77 डॉलर प्रति बैरल हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि तेल की कीमतें 100-110 डॉलर तक जा सकती हैं। यह तेल कंपनियों का भी खेल होता है, जिन्हें अपने घाटे कम करने होते हैं। यदि युद्ध अनिश्चित साबित हुआ और कंपनियां अपने तेल टैंकर भेजने को डरती रहीं और तेल दक्षिण अफ्रीका के रूट से भेजना पड़ा, तो उनकी लागत बढ़ेगी। नतीजतन तेल के दाम 150 डॉलर तक भी उछल सकते हैं। भारत बहुत बड़ा देश है, लिहाजा उसकी तेल-गैस की खपत और जरूरत भी व्यापक है, लेकिन भारत के पास तेल भंडार सीमित हो सकते हैं। वेनेजुएला आजकल बहुत कम तेल का उत्पादन कर रहा है और उसका तेल भी भारी है, जिसे रिफाइंड करना मुश्किल और खर्चीला है। हालांकि होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग को आधिकारिक तौर पर बंद नहीं किया गया है, लेकिन उसका नियंत्रण फिलहाल ईरान के अधीन है। विभिन्न देशों के 150 से अधिक तेल टैंकर बंदरगाहों पर फंसे हैं। ईरान ने एक कथित अमरीकी तेल टैंकर पर मिसाइल हमला भी किया है। युद्ध के लक्ष्य और उसके पीछे की रणनीति, कूटनीति कुछ भी रही हो, लेकिन यह युद्ध विश्व अर्थव्यवस्था का डिब्बागोल कर सकता है। मध्य-पूर्व में 3400 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। दिल्ली-मुंबई से ही 225 उड़ानें रद्द की गई हैं। भारत के 20,000 से ज्यादा यात्री अलग-अलग हवाई अड्डों पर फंसे हैं। विमानन अर्थव्यवस्था का मोटा हिस्सा होता है। 1973 से 1979 के बीच जो युद्ध हुए, उनमें भी तेल की कीमतें चार गुना तक उछलीं। नतीजतन दुनिया में महंगाई और मंदी के दौर आए।

> अरब देशों को भारतीयों की बुनियादी जरूरत है, क्योंकि वे तकनीकी और पेशेवर तौर पर हुनरमंद हैं। अरब देशों के पास सिर्फ तेल-गैस के भंडार हैं। न पर्याप्त शिक्षा है, न प्रौद्योगिकी का अपेक्षाकृत कौशल है और सबसे अहम यह है कि वहां लोकतंत्र भी नहीं है। बेशक ईरान में राष्ट्रपति का चुनाव जनता करती है, लेकिन सुप्रीम लीडर 'मजहबी' है। राष्ट्रपति भी उसके अधीन काम करते हैं। खाड़ी देशों में शेख, सुल्तान और अमीर आदि की ही हुकूमतें हैं। उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से चुना नहीं गया, बल्कि वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी और वंश-दर-वंश इन देशों पर राज कर रहे हैं। वे बुनियादी तौर पर अमरीका के पि‍ हैं, क्योंकि उनकी मजबूरी है, क्योंकि वे सैन्य रूप से कमजोर देश हैं, बल्कि अमरीका के ही भरोसे हैं। बहरहाल खाड़ी देशों के भारतीय औसतन 10 लाख करोड़ रुपए सालाना भारत में अपने घरों को भेजते हैं। दुनिया भर से भारतीय जितना धन अपने परिवारों को भेजते हैं, उसका एक-तिहाई हिस्सा खाड़ी वाले भारतीय भेजते हैं। उससे भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। यह राशि भारत के कुल बजट का पांचवां हिस्सा है, जो कई देशों के बजट से अधिक है। भारत ने 2025 में करीब 11.60 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल अरब देशों से आयात किया है। अधिकांश हिस्सा ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात से ही आयात किया गया है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल-आयातक देश है। यदि तेल के दाम 10 डॉलर भी बढ़ते हैं, तो भारत का आयात-बिल 15 अरब डॉलर सालाना बढ़ जाता है।

दृष्टि कोण

खरपतवार उन्मूलन : एक भूला-बिसरा काम

हिमाचल प्रदेश की 80-85 फीसदी आबादी कृषि से जुड़ी है। खेती की जोतें बहुत छोटी होने के कारण खेती के अतिरिक्त पशुपालन और दस्तकारी प्राचीन काल से लोगों की आजीविका का आधार रहा है। पिछले कुछ दशकों से पशुपालन सरकार और वन विभाग की गलत नीतियों के चलते लगातार अनदेखी का शिकार हो रहा है। परिणामस्वरूप बहुत से लोग पशुपालन से तौबा कर चुके हैं। अत्यधिक चीड़ रोपण और लेंटाना आदि खरपतवारों के फैलने से प्रदेश की 2 लाख 35 हजार हेक्टेयर चरागाह और वन भूमियां खरपतवारों की चपेट में आकर अनुत्पादक हो चुकी हैं। खरपतवारों ने केवल स्थानीय घासों को ही नष्ट नहीं किया है, बल्कि प्रदेश की बहुमूल्य जैवविविधता को भी खतरे में डाल दिया है, जिसका स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर हुआ है। पशुपालन के लिए प्रदेश के किसानों को पंजाब से महंगी तूड़ी या पराली लाकर गुजारा करना पड़ रहा है, जबकि प्रदेश के पास 67 फीसदी वन भूमि है जिसके अधिकांश भाग में चारा उपलब्ध होता था। किन्तु व्यापारिक वानिकी के चलते और खरपतवार के फैलने से प्रदेश चारे के अकाल जैसी स्थिति से जूझ रहा है। हमें यह याद रखना चाहिए कि पहाड़ों में पशुपालन खुले चरागाहों में चुगान करने पर निर्भर था, जिससे पशुपालन की लागत कम आती थी। पशु को धन की संज्ञा दी गई थी। किन्तु अब महंगे चारे ने पशुपालन व्यवसाय को खतरे में डाल दिया है। अन्य सुविधाएं चाहे कितनी भी दी जाएं, जब तक भरपेट सस्ता चारा उपलब्ध नहीं होगा तब तक पशुपालन की हालत दयनीय ही रहेगी। इसका परिणाम बेसहारा छोड़े जा रहे पशुओं के झुंडों के रूप में सामने आ रहा है। हमारी योजनाएं टुकड़ों टुकड़ों की समझ के आधार पर बनती हैं, जिससे एक काम बनता है तो दूसरा बिगड़ जाता है। भूमि उपयोग से जुड़ी योजनाएं भूमि पर आधारित सभी आर्थिक और पर्यावरणीय प्रक्रियाओं की समझ पर समग्र दृष्टि से बनाई जानी चाहिए। प्रदेश की अधिकांश भूमि तो वन विभाग के प्रबंधन में है। इसलिए उनकी जिम्मेदारी सबसे ज्यादा बनती है कि वन, कृषि, पशुपालन, बागवानी और जलवायु प्रबंधन की जरूरतों को देखते हुए सर्वसमावेशी योजना बनाने की वकालत करें। पिछले दिनों तमिलनाडु साकार ने खरपतवार उन्मूलन के प्रति दृढ़ता का परिचय देते हुए व्यापक कार्यक्रम शुरू करने का साहस दिखलाया है, जिससे पशुओं और वन्य प्राणियों को भी पर्याप्त घास मिल सके। तमिलनाडु उच्च न्यायालय ने भी इस मुद्दे का संज्ञान लिया है और आदेश दिया है कि यह कार्य खरपतवार काटने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उखाड़ कर वहां स्थानीय घास लगाकर चरागाह विकसित करके स्थानीय पारिस्थितिकीय संतुलन को स्थापित किया जाना चाहिए। इस प्रक्रिया को टिकाऊ बनाने के लिए स्थानीय समुदायों को भी जोडऩे का काम किया गया है। वह मॉडल हिमाचल प्रदेश के लिए भी उपयुक्त हो सकता है। उन्होंने पर्याप्त मात्रा में इस कार्य के लिए बजट उपलब्ध करवा कर गतिविधि को सहज बनाने के लिए निजी उद्योगों को भी जोड़ा है। लेंटाना से बायो चार बना कर बेकार खरपतवार का उपयोग किया जा रहा है। हिमाचल में भी चीड़ की पत्तियों और लेंटाना जैसी खरपतवारों के पेलेट्स बना कर उपयोग किए जा सकते हैं। हालांकि हिमाचल में इस तरह के कुछ प्रयास हुए भी हैं, किन्तु वे सफल नहीं हो सके क्योंकि उनको सरकार का पूर्ण सहयोग नहीं मिल सका। सरकार ने यह सोचा था कि यह अपने स्तर पर ही एक सफल उद्योग के रूप में स्थापित हो सकेगा, किन्तु बायो चार या ब्रिकेट्स बनाने के बाद जिस बाजार में वह उत्पाद बेचना पड़ता है, उसका भाव लाभदायक नहीं मिलने के कारण वे उद्योग बंद पड़ गए हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौके हैं आज आपके पास। खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं। किताब पढ़कर आप अपनी विचारधारा को और सशक्त कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी आज बिगड़ती सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आज आपको रिश्तों की अहमियत का अंदाज हो सकता है क्योंकि आज के दिन का ज्यादातर समय आप अपने परिवार के लोगों के साथ बिताएंगे। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहते हैं, लेकिन अगर आप काम टालते रहेंगे तो ख़ुद पर ही खीझ पैदा होने लगेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। नाती-पोतों से आज काफ़ी खुशी मिल सकती है। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। अगर आज कुछ ज़्यादा करने को नहीं है तो किसी लाइब्रेरी में समय बिताना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक पूरे करने या उन कामों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज़्यादा मज़ा आता है। अगर सफर कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। जब आपसे राय पूछी जाए तो संकोच न करें- क्योंकि इसके लिए आपकी काफ़ी तारीफ़ होगी। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। अपने प्रिय की ग़ैरमौजूदगी में आप ख़ुद को बिल्कुल खाली महसूस करेंगे। वह काम जो आज आप दूसरों के लिए स्वेच्छा से करेंगे, न सिर्फ़ औरों के लिए मददगार साबित होगा बल्कि आपके दिल में ख़ुद की छवि भी सकारात्मक होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है। ऑफिस के दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताना आपके लिए अच्छा नहीं है ऐसा करके आप अपने घर वालों के गुस्से का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बीमारी आपकी उदासी की वजह हो सकती है। आपको परिवार में फिर से ख़ुशी का माहौल बनाने के लिए जल्द-से-जल्द इससे बाहर आने की ज़रूरत है। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है। आज आपका व्यक्तित्व लोगों को निराश कर सकता है इसलिए आपको अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव करने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। मेहमानों के साथ का आनंद लेने के लिए बढ़िया दिन है। अपने रिश्तेदारों के साथ कुछ ख़ास करने की योजना बनाएँ। इसके लिए वे आपकी तारीफ़ करेंगे। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। परिवार के साथ शॉपिंग पर जाना संभव लग रहा है ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। कोई ऐसा जिसके साथ आप रहते हैं, आपके लापरवाह और अनिश्चित बर्ताव की वजह से चिढ़ सकता है। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से ख़ुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में ख़ुद पर काबू रखें। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू काम-काज निपटाने में बच्चे मदद करेंगे। खाली वक़्त में उन्हें ऐसे काम करने के लिए उत्साहित करें। आपके प्रिय की तबीयत ख़राब हो सकती हैं । आपकी कम्यूनिकेशन की क्षमता प्रभावशाली साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 मार्च 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा सायं 04:31 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी प्रात: 07:39 तक
योग : धृति प्रात: 08:31 तक
करण : कौलव सायं 04:51 तक
चन्द्रराशि : सिंह दोपहर 01:46 तक
सूर्योदय : 06:32 , सूर्यास्त 06:23 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वसंतोत्सव , ग्रहण करीदिन,पूर्वाभाद्रपद में रवि रात्रि 12:53

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री निवास पर होलिका दहन, भजनलाल शर्मा ने की प्रदेश में सुख-समृद्धि की कामना

जयपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मध्यरात्रि के पश्चात सिविल लाइन्स स्थित मुख्यमंत्री निवास पर होली पूजन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। शर्मा ने यहां श्री राज राजेश्वरी मंदिर प्रागंण में विधिवत् रूप से होली पूजन किया।

इसके बाद मंत्रोच्चार के बीच होलिका दहन किया गया। इस दौरान राजस्थान पुलिस की आरएसी बटालियन के जवानों ने चंग की थाप पर होली के गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने जवानों से मिलकर उनकी हौसला अफजाई की।

होलिका दहन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्थान में समय से पहले गर्मी का सितम : पारा 38 डिग्री के करीब

जयपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में होली के त्यौहार के साथ ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों में सूरज की तपिश के साथ हल्की गर्म हवाएं (लू के संकेत) चलने लगी हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित होने लगा है। पिछले 24 घंटों में राजस्थान के बाड़मेर जिले में सबसे ज्यादा गर्मी दर्ज की गई, जहाँ अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुँचा। गर्म हवाओं का प्रभाव: जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर के क्षेत्रों में दोपहर के समय तेज धूप के साथ गर्म हवाएं चलीं, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अन्य गर्म शहर: जोधपुर, जैसलमेर, फलोदी और चित्तौड़गढ़ में भी पारा 35 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया है।मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर के अनुसार, आने वाले एक सप्ताह में प्रदेश में गर्मी और तीखी होगी।

पूर्वानुमान: विशेषज्ञों का मानना है कि तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की और बढ़ोतरी हो सकती है।

न्यूनतम तापमान में उछाल: अब केवल दिन ही नहीं, बल्कि रातें भी गर्म होने लगी हैं। कई शहरों में न्यूनतम तापमान 18 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुँच गया है, जिससे सुबह-शाम की गुलाबी ठंड पूरी तरह गायब हो गई है।

वातावरण में ह्यूमिडिटी लेवल 40% से नीचे आने के कारण शुष्कता बढ़ गई है। आसमान साफ रहने और सीधी धूप पड़ने की वजह से लू जैसी स्थिति बनने लगी है। सीकर और जयपुर जैसे शहरों में भी आसमान साफ रहने से धूप काफी तीखी महसूस की जा रही है।

मौसम विभाग और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोगों को दोपहर के समय सीधे धूप में निकलने से बचने और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी है।

खेत के रास्ते को लेकर हुआ खूनी संघर्ष, युवक को लगी गोली

भीलवाड़ा, 03 मार्च (एजेंसियां)। बिगोद थाना क्षेत्र के रानी खेडा गांव में खेत के रास्ते को लेकर खूनी संघर्ष हुआ। हत्यारो से लैस बदमाशों ने एक परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। फायरिंग में एक युवक को गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार रानी खेडा निवासी रामेश्वर जाट ने बताया कि उसका पुत्र दिनेश जाट,प्रहलाद जाट व कैलाश जाट रात को 9.00 बजे खरीदे हुए खेत पर जेसीबी मशीन लेकर रास्ता बनाने जा रहे थे। बनास नदी के समीप रानी के खेड़ा श्मशान घाट के पास

इब्राहिम मोहम्मद, मुन्ना खां, मुसा, कमरुद्दीन, कालू खां व अब्दुल्ला ने उनपर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने जान से मारने की नियत से गोली चलाई, जो दिनेश जाट के दांयें पर में लगी। हमलावरों ने यहीं नहीं जेसीबी मशीन में भी तोडफोड की तथा खेत पर लगी तारबंदी को तहस-नहस कर दिया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी उनके खरीद शुदा जमीन को हड़पना चाहते है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

बीगोद थानाधिकारी जय सुल्तान सिंह कविया ने बताया कि प्रार्थी का कहना है कि उसके के पैर के नीचे तलवे अंगूठे के पास गोली लगी है। मामला थोड़ा संदेहास्पद है। इसलिये बुधवार को मेडिकल ज्यूरिस्ट की राय ली जायेंगी। उसके बाद ही उचित कार्यवाही होगी।

कोटा जेल से पैरोल पर 8 साल से फरार 25 हजारी इनामी उदयपुर से डिटेन

कोटा, 03 मार्च (एजेंसियां)। कोटा शहर पुलिस ने आठ साल से कानून की आंखों में धूल झोंक रहे एक शातिर और इनामी अपराधी को दबोचने में बड़ी सफलता हासिल की है। जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने उदयपुर में दबिश देकर 25,000 के इनामी अपराधी लखन उर्फ लक्ष्मीनारायण को डिटेन किया है। यह अपराधी वर्ष 2018 में कोटा जेल से पैरोल पर बाहर निकलने के बाद फरार हो गया था। सांगानेर के गैंगरेप मामले में काट रहा था उम्रकैद एसपी गौतम ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी लखन (33) निवासी मंदसौर मध्य प्रदेश जयपुर के सांगानेर थाने में दर्ज एक गैंगरेप के मामले में मुख्य आरोपी था। वर्ष 2013 में माननीय न्यायालय ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सजा काटने के दौरान 25 अगस्त 2018 को उसे उच्च न्यायालय के आदेश पर 20 दिन की नियमित पैरोल पर रिहा किया गया था, लेकिन उसे 13 सितंबर 2018 को वापस जेल दाखिल होना था, जिससे पहले ही वह फरार हो गया।फरार होने के बाद लखन ने अपने पैतृक गांव और रिश्तेदारों से नाता तोड़ लिया था। वह लगातार ठिकाने बदल रहा था ताकि पुलिस की राडार से बाहर रहे। हाल ही में वह उदयपुर के एक गेस्ट हाउस में नाम बदलकर काम कर रहा था। टीम के सदस्यों ने अपराधी की टोह लेने के लिए गेस्ट हाउस में किराएदार और गैस सिलेंडर डिलीवरी बॉय बनकर रेकी की।

बजट में सभी वर्गों का रखा गया ध्यान : नायब सिंह सैनी

सोनीपत, 03 मार्च (एजेंसियां)। बजट को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कल पेश किए गए बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। बजट में महिलाओं का ध्यान रखा गया है। युवाओं, किसानों और गरीबों का ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में विकसित हरियाणा गति से आगे बढ़ेगा। यह पीएम मोदी के संकल्प को पूरा करने वाला बजट है। पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प को हरियाणा सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में एक शब्द कहा था। उन्होंने कहा कि भारत से बड़ी संख्या में लोग शादियों के लिए विदेश जाते हैं। यहां के विवाह स्थलों में ऐसी सुविधाएं होनी चाहिए कि हमारे लोगों को विदेश जाने की जरूरत ही न पड़े, उन्हें ये सुविधाएं यहीं मिल जाएं। उन्होंने कहा कि कल बजट में मैंने प्रावधान किया कि हम पिंजौर, खरखौदा और मानेसर के पास तीन वेडिंग डेस्टिनेशन खड़े करेंगे जिससे विदेश के लोग यहां शादी करने आएं और हमारे लोग बाहर न जाएं वो व्यवस्था हम लोग खड़ी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का 2.23 लाख

करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इस बार हरियाणा सरकार के बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर फोकस किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट पेश करते हुए सोमवार को 'हरियाणा एग्री डिस्कॉम' नाम की एक तीसरी बिजली डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी बनाने की घोषणा की, जो खासतौर पर किसान समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए होगी।वित्त विभाग भी संभाल रहे मुख्यमंत्री सैनी ने अपना दूसरा बजट पेश करते हुए कहा कि राजकोषीय घाटा 40,293.17 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2.65 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि राजस्व घाटा जीडीपी का 0.87 प्रतिशत और प्रभावी राजस्व घाटा 0.41 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पूंजीगत व्यय जीडीपी का 1.86 प्रतिशत और प्रभावी पूंजीगत व्यय 2.32 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

नायब सैनी की पगड़ी पर भड़के लालजीत भुल्लर बोले-दिखावे में नहीं आएंगे पंजाब के लोग

चंडीगढ़, 03 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा बजट पेश करते समय भगवा पगड़ी पहनने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जब सैनी साहब पंजाब आते हैं तो पगड़ी पहन लेते हैं, लेकिन हरियाणा में होते हैं तो उतार देते हैं। भुल्लर ने तंज कसते हुए कहा कि अगर पगड़ी पहननी है तो पक्की नीयत से पहनें, सिर्फ दिखावे के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग बहुत समझदार और सयाने हैं, वे ऐसे दिखावे में आने वाले नहीं हैं। उनके मुताबिक यह सिर्फ एक राजनीतिक ढोंग है और पंजाब की जनता को अच्छी तरह समझ है कि कौन सच्चा है और कौन सिर्फ माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है। 14 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर भी भुल्लर ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अमित शाह आएं या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आएं, वे देश के बड़े नेता हैं और उनका स्वागत है, लेकिन पंजाब का जो हक बनता है, वह जरूर मिलना चाहिए।उन्होंने कहा कि रूरल डेवलपमेंट फंड, नेशनल हेल्थ मिशन के पैसे, मंडी बोर्ड का हिस्सा और नेशनल हाईवे से जुड़े फंड- ये सब पंजाब का अधिकार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये फंड रोके गए हैं और अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार साफ बताए कि पंजाब का बकाया कब दिया जाएगा।भुल्लर ने चंडीगढ़ के मुद्दे को भी उठाया। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पर पंजाब का हक है, लेकिन वहां डेप्यूटेशन पर आने वाले कर्मचारियों और भर्तियों में भी पंजाब का हिस्सा कम कर दिया गया। पहले अगर सौ कर्मचारी भर्ती होते थे तो 60 प्रतिशत पंजाब से होते थे, लेकिन अब वह भी कम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब को उसका हक मिलना चाहिए और चंडीगढ़ का मुद्दा भी सुलझाया जाना चाहिए।

मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव पर बोलते हुए भुल्लर ने कहा कि पंजाब सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान लगातार हालात पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि विदेशों में रह रहे पंजाबी भाइयों-बहनों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री लगातार भारतीय दूतावासों और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं।भुल्लर ने कहा कि दो व्यक्तियों के बीच झगड़ा भी बुरा होता है, लेकिन जब देशों के बीच लड़ाई होती है तो नुकसान बहुत बड़ा होता है। उन्होंने अपील की कि अमेरिका और अन्य देश बैठकर इस मसले का हल निकालें, ताकि हालात सामान्य हों और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।एआई समिट के दौरान प्रदर्शन के मुद्दे पर भी भुल्लर ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत लोकतंत्र का देश है, लेकिन जब से भाजपा की सरकार आई है, लोकतंत्र को दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं को काम करने देने की बजाय उन पर दबाव बनाया गया। उन्होंने कहा कि अगर काम करके दिखाया जाए तो विरोध की आवाज को दबाने की जरूरत नहीं पड़ती।

दुनिया का सबसे पुराना और समृद्ध धर्म है सनातन धर्म : राज्यपाल

बीकानेर, 03 मार्च (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सनातन धर्म, दुनिया का सबसे पुराना और समृद्ध धर्म है। इसे संरक्षित रखना और संवर्धित करना हम सभी का दायित्व है। राज्यपाल बागडे शनिवार को नोखा के मूलवास-सीलवा के संत दुलाराम कुलरिया फलसा स्थित नरसी विला में आयोजित विराट हिंदू सभा को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि सनातन धर्म, हजारों वर्ष पुराना धर्म है। इस धर्म का पालन करना हम सभी का कर्त्तव्य है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म हमें जीव मात्र पर दया का भाव सिखाता है। हमारे साधु, संत और ऋषि-मुनि इस धर्म और संस्कृति से उपदेश देकर, इसे पल्लवित कर रहे हैं। जबकि दुनिया के कई धर्म और संस्कृतियां लगातार लुप्त हो रही हैं।राज्यपाल ने कहा कि हमारे सनातन धर्म को प्रभावित करने के हजारों वर्षों तक प्रयास हुए। अनेक विदेशी आक्रांताओं ने इस पर आक्रमण किए, लेकिन हमारा सनातन धर्म हर बार अधिक मजबूत हुआ। उन्होंने कहा कि आज से सदियों पूर्व हमारे देश में तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय थे। गांव-गांव में गुरुकुल थे, जो व्यक्ति निर्माण का काम करते थे। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा प्रणाली पर हमला किया। अंग्रेज मानते थे कि भारत को गुलाम बनाना है, तो इसकी शिक्षा पद्धति को ध्वस्त करना जरूरी है।

राज्यपाल ने कहा कि दुर्भाग्य से आज हम, हमारे धर्म और संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। यह हमारे लिए नुकसानदायक है। संस्कृति के इस क्षरण को रोकना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश को अपना स्वर्णिम गौरव फिर से लौटाना है, तो इसमें सनातन धर्म की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी।

जडचेरला अस्पताल में शव को कुत्तों ने नोचा : अधीक्षक समेत चार निलंबित

महबूबनगर, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना वैद्य विधान परिषद के आयुक्त अजय कुमार ने जडचेरला के सरकारी सामान्य अस्पताल की अधीक्षक डॉ. चंद्रकला और तीन अन्य कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई सोमवार को अस्पताल के पोस्टमार्टम विंग में आवारा कुत्तों द्वारा एक शव को नोचने की घटना के बाद की गई है।अधीक्षक के अलावा, ड्यूटी आरएमओ (RMO) डॉ. हरिनाथ, ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर मुनीषा और मुर्दाघर के सहायक कर्मचारी रवि प्रकाश को भी निलंबित किया गया है। यह कदम मृतक के परिजनों और रिश्तेदारों के भारी आक्रोश के बाद उठाया गया, जिन्होंने अस्पताल के कर्मचारियों पर अपना गुस्सा निकाला और सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की।अजय कुमार ने वरिष्ठ

अधिकारियों के साथ जडचेरला के सरकारी सामान्य अस्पताल का दौरा किया और घटना की जांच की। निलंबन आदेश जारी करने के बाद, उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए पुख्ता उपाय किए जाएंगे।इसी बीच, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सी. लक्ष्मा रेड्डी ने भी अस्पताल का दौरा किया और इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह कांग्रेस सरकार की लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि नए अस्पताल में मुर्दाघर का भवन जून 2024 में ही बनकर तैयार हो गया था, लेकिन इसे उपयोग में नहीं लाया गया। अस्पताल प्रबंधन ने छह महीने पहले ही इसका नियंत्रण हाथ में ले लिया था, फिर भी स्थिति ऐसी ही बनी हुई है।

उन्होंने सवाल किया, कुछ अधिकारियों को निलंबित करके कांग्रेस सरकार अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रही है। मुर्दाघर को शिफ्ट क्यों नहीं किया गया और उस विंग से फ्रीजर तथा स्ट्रेचर कहां गायब हो गए?

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सरकारी अस्पतालों के रखरखाव की अनदेखी की जा रही है और मरीजों व उनके तीमदारों को दवाइयां पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बीआरएस (BRS) सरकार ने नए अस्पताल भवनों का निर्माण किया था और सभी सुविधाएं प्रदान की थीं, लेकिन कांग्रेस सरकार गरीबों को गुणवत्तापूर्ण इलाज देने में विफल रही है।

वेमुलावाड़ा मंदिर शहर में आवारा कुत्ते के हमले में 25 घायल

राजन्ना–सिरसिला, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। वेमुलावाड़ा शहर में मंगलवार को एक आवारा कुत्ते के हमले में भक्तों सहित लगभग 25 लोग घायल हो गए।मंदिर शहर के विभिन्न इलाकों में कुत्ते ने जमकर उत्पात मचाया और स्थानीय निवासियों तथा आगंतुकों पर हमला किया। इस घटना में पूजा–अर्चना करने आए श्रद्धालु भी घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए वेमुलावाड़ा क्षेत्रीय अस्पताल (Area Hospital) में स्थानांतरित कर दिया गया है।घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका अध्यक्ष पुलकम राजू, उपाध्यक्ष नरला शेखर और 22वें वार्ड की पार्षद एपापुला ममता ने अस्पताल का दौरा किया और घायलों से बात की।राजू ने कहा कि आवारा कुत्तों के खतरे को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि पखवाड़े भर पहले ही 40 कुत्तों को पशु जन्म नियंत्रण केंद्र में स्थानांतरित किया गया था।

डुडिला श्रीपदाराव की जयंती पर जिला कलेक्टर के.हरिता का संबोधन

आसिफाबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आइए, राज्य को अनगिनत सेवाएं प्रदान करने वाले डुडिला श्रीपदाराव की महत्वाकांक्षाओं को जारी रखें, जिला कलेक्टर के.हरिता ने कहा।

सोमवार को जिला केंद्र में जिला कलक्ट्रेट भवन के सभा कक्ष में आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव के साथ डुडिला श्रीपदाराव की जयंती मनाई गई और श्रीपदाराव के चित्र पर फूलों की माला चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि श्रीपदाराव ने संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व स्पीकर और मंथनी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक के रूप में राज्य को अतुलनीय सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि अजातशत्रु राजनीति में गांधीवादी शत्रु के रूप में जाने जाते थे और उन्होंने मूल्य आधारित राजनीति का प्रमाण दिया।जिला कलेक्टर ने आगे कहा, श्रीपदाराव द्वारा राज्य के लोगों को प्रदान की गई सेवाएं हमेशा यादगार हैं, और हमें उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाना चाहिए।इस कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ता राव, कलक्ट्रेट प्रशासनिक अधिकारी किरण और अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

जिले के विकास में श्रीपदाराव की भूमिका का उल्लेख करते हुए कई अन्य अधिकारियों ने उनकी समर्पण और निष्ठा की सराहना की।कलेक्टर ने अंत में कहा कि हम सभी को उनके योगदान से प्रेरणा लेनी चाहिए और बेहतर सेवाओं के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए।

इस प्रकार, डुडिला श्रीपदाराव की जयंती न केवल उन्हें याद करने का अवसर है, बल्कि उनकी मिशन को आगे बढ़ाने का भी है।

मेदक में भीषण गर्मी की शुरुआत: तापमान 36 डिग्री के पार, डॉक्टरों ने जारी की चेतावनी

मेदक, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त मेडक जिले में इस साल गर्मी ने समय से पहले ही अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पिछले दो दिनों से तापमान में असामान्य वृद्धि दर्ज की जा रही है, जिससे अभी से भीषण गर्मी का अहसास होने लगा है। डॉक्टरों ने लोगों को लू और गर्मी से बचने के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बचाव के लिए महत्वपूर्ण सुझाव:

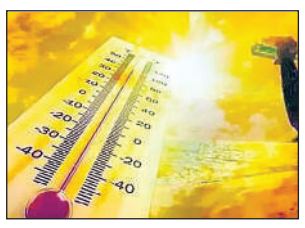

लू का खतरा: अचानक बढ़ी गर्मी से 'सनस्ट्रोक' (लू लगना) का खतरा बढ़ गया है। बुजुर्गों और बच्चों को विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है।

हाइड्रेशन: शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें। पानी, नारियल पानी और छाछ का अधिक सेवन करें।

पहनावा: बाहर निकलते समय हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। सिर को टोपी या रूमाल से ढंकना बेहतर है।

खान–पान: तैलीय (ऑयली) भोजन के बजाय शरीर को ठंडक पहुँचाने वाले खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दें।

पशुओं का ध्यान: पालतू जानवरों और मवेशियों को सीधी धूप में न रखें। उन्हें छायादार स्थान पर बांधें और पर्याप्त पानी उपलब्ध कराएं।

आत्मा योजना को मिला पुनर्जीवन: करीमनगर जिले के लिए 16.3 लाख रुपये मंजूर

करीमनगर ग्रामीण, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकार ने कृषि क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पिछले एक दशक से फंड की कमी के कारण उपेक्षित रही 'आत्मा' (एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसी) योजना को आखिरकार नया जीवन मिला है।

सरकार ने कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में किसानों तक अत्याधुनिक तकनीकी ज्ञान पहुँचाने के लक्ष्य के साथ धन जारी कर दिया है। इसके साथ ही पिछले कई वर्षों से निष्क्रिय पड़ी 'आत्मा' कमिटियां फिर से क्रियाशील होंगी।पिछले दस वर्षों में बजट के अभाव में आत्मा की गतिविधियाँ पूरी तरह से ठप हो गई थीं। जमीनी स्तर पर किसानों को सहायता प्रदान करने वाली यह प्रणाली कमजोर पड़ गई थी। पूर्व में इस योजना में कार्यरत कर्मचारियों को कृषि विस्तार अधिकारियों के रूप में समायोजित कर दिए जाने से 'आत्मा' के अस्तित्व पर ही सवाल खड़े हो गए थे। हालांकि, सरकार के ताजा फैसले से इसे अपना पुराना गौरव वापस मिलने जा रहा है।

जिले के लिए 16.3 लाख रुपये का आवंटन

करीमनगर जिले के करीमनगर, मानकोंडूर, चोप्पदंडी और हुजुराबाद डिवीजनों के लिए कुल 16.3 लाख रुपये का फंड मंजूर किया गया है। इसका विवरण इस प्रकार है– करीमनगर डिवीजन: 1.4 लाख रुपये, चोप्पदंडी डिवीजन: 2.1 लाख रुपये, मानकोंडूर डिवीजन: 3.1 लाख रुपये, हुजुराबाद डिवीजन: 3.1 लाख रुपये, अन्य खर्च: शेष 6.6 लाख रुपये आत्मा पीडी (परियोजना निदेशक), आत्मा प्रदर्शनियों और किसान मेलों पर खर्च किए जाएंगे।

जिला स्तरीय समिति में कुल 20 सदस्य होंगे, जिसमें आत्मा पीडी अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। इसमें एक केवीके (कृषि विज्ञान केंद्र) समन्वयक और 18 किसान शामिल होंगे। डिवीजन स्तर पर चारों डिवीजनों में 25–25 सदस्यों के हिसाब से कुल 100 सदस्य होंगे, जिनमें से 20 सदस्यों को जिला स्तर के लिए चुना जाएगा। पूरे जिले में किसानों को आवश्यक सलाह और सुझाव देने के लिए योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

किसानों के द्वार पर सेवाएँ

आत्मा योजना के तहत खेती में आ रहे आधुनिक बदलावों पर किसानों के लिए विशेष प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। नई किस्मों और खेती के तरीकों पर प्रत्यक्ष प्रदर्शन (डेमो) किए जाएंगे। किसानों को आदर्श कृषि क्षेत्रों और अनुसंधान केंद्रों के भ्रमण पर ले जाया जाएगा। बीजों और मशीनी उपकरणों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मेलों का आयोजन होगा। इसके अलावा, किसानों को वैज्ञानिकों के साथ सीधे बातचीत कर अपनी शंकाओं को दूर करने का अवसर भी मिलेगा।

आम की भरपूर पैदावार की उम्मीद: वरंगल के किसानों के खिले चेहरे

नर्सम्पेट (वरंगल), 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरंगल जिले में आम के बगीचे अब बौर (फूलों) से लदकर फल लगने की अवस्था (करात) तक पहुँच चुके हैं। बगीचों की मौजूदा स्थिति को देखकर किसानों में बेहतर पैदावार की उम्मीदें जाग गई हैं। पिछले दो–तीन वर्षों से बेमौसम बारिश और तेज हवाओं के कारण फूल और कच्चे फल झड़ने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था, लेकिन इस बार स्थिति काफी आशाजनक है।

जिले में आम की खेती का विवरण

वारंगल जिले में कुल 6,018 एकड़ भूमि पर आम के बगीचे फैले हुए हैं। मुख्य क्षेत्रों का विवरण इस प्रकार है: वर्धन्नापेट डिवीजन: 2,594.27 एकड़

रायपर्थी: 1,333 एकड़, पर्वतगिरी: 1,311 एकड़, नर्सम्पेट डिवीजन: 327.24 एकड़, अन्य मंडल: 4 से 327 एकड़ के बीच

समय से पहले बाजार में दस्तक

बाजार में भले ही कई तरह के फल उपलब्ध हों, लेकिन आम की अपनी एक विशेष पहचान है। आमतौर पर आम गर्मियों के चरम पर उपलब्ध होते हैं, लेकिन इस बार पिछले वर्षों की तुलना में सीजन से पहले ही आम के बाजार में आने की संभावना है। लगभग हर बगीचे में पेड़ों पर फलों की अच्छी खेप दिखाई दे रही है।

बेहतर आय की आस

किसानों का कहना है कि यदि इस बार तेज हवाएं और आंधी–तूफान नहीं आए, तो आमदनी काफी अच्छी होगी।

पिछला रिकॉर्ड: पिछले साल करीब 75% किसानों को नुकसान झेलना पड़ा था।संभावित पैदावार: इस साल अनुकूल मौसम और पर्याप्त बारिश के कारण प्रति एकड़ 10 से 20 टन उपज की उम्मीद है।

अनुमानित लाभ: यदि पैदावार उम्मीद के मुताबिक रही, तो लागत निकालने के बाद किसानों को प्रति एकड़ 1 लाख से 2 लाख रुपये तक की शुद्ध आय हो सकती है।

इस साल बारिश अच्छी हुई है और पेड़ों पर फल भी सही समय पर आए हैं। अगर प्रकृति का साथ मिला और तेज हवाएं नहीं चलीं, तो यह साल किसानों के लिए मुनाफे वाला साबित होगा।

नलगोंडा: खड़ी कंटेनर से टकराई APSRTC बस, दस यात्री घायल

नलगोंडा, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार सुबह चौटुप्पल के दंदुमल्कापुर में एक APSRTC बस के सड़क किनारे खड़े कंटेनर से पीछे से टकरा जाने के कारण दस लोग घायल हो गए।

यह दुर्घटना उस समय हुई जब आंध्र प्रदेश के निदादावोलु से हैदराबाद जा रही बस ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया और कंटेनर में जा घुसी, जिससे 10 यात्री घायल हो गए। हादसे के समय बस में करीब 36 यात्री सवार थे। स्थानीय निवासियों ने पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया। इस संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

संगारेड्डी: चेक डैम में डूबने से युवा चरवाहे की मौत

संगारेड्डी, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिन्नाराम मंडल के पेद्दम्मा गुडेम निवासी एक युवा चरवाहे, बंगारी राजू (25), की मंगलवार को एक चेक डैम में डूबने से मृत्यु हो गई। यह दुर्घटना उस समय हुई जब वह अपनी भेड़ों को जल निकाय (रींशी लेवू) के पार ले जाने की कोशिश कर रहा था। राजू गांव के बाहरी इलाके में स्थित चेक डैम के पास अपनी भेड़ें चरा रहा था। झुंड को चेक डैम के ऊपर से दूसरी ओर ले जाते समय, वह गलती से गहरे पानी में चला गया। तैरना न जानने के कारण वह खुद को बचा नहीं सका और पानी में डूब गया।

पंचायतों के अच्छे दिन: जगतियाल की 385 ग्राम पंचायतों के खातों में 22.31 करोड़ रुपये जमा

जगतियाल, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले दो वर्षों से अधिक समय से खाली पड़े पंचायतों के खजाने में केंद्र सरकार द्वारा धन राशि जमा करने से रौनक लौट आई है। फरवरी 2024 में पिछले पंचायत शासी निकायों (त्रेंशीपळपस इेवळशी) का कार्यकाल समाप्त हो गया था। तब से पंचायतों में निर्वाचित प्रतिनिधि न होने के कारण राज्य और केंद्र सरकार का फंड पूरी तरह से रुक गया था। विशेष अधिकारियों के शासन में ग्राम पंचायतों का प्रबंधन अव्यवस्थित हो गया और विकास कार्य ठप पड़ गए।

हालात यह थे कि स्वच्छता कार्यों, स्ट्रीट लाइट लगाने और कचरा ढोने वाले ट्रैक्टरों के डीजल के लिए भी कर्ज लेकर भुगतान करना पड़ रहा था। हालांकि सचिवों ने ग्राम पंचायतों का बोझ अपने कंधों पर उठाकर किसी तरह काम चलाया, लेकिन विकास की गति वैसी नहीं रही।

15वें वित्त आयोग से मिली बड़ी राहत

जिले भर की 385 ग्राम पंचायतों के खातों में केंद्र सरकार के 15वें वित्त आयोग के तहत 22.31 करोड़ रुपये की राशि जमा की गई है।

आवंटन का आधार: प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 150 रुपये आवंटित किए जाते हैं।

विशेष प्रावधान: एससी और एसटी आबादी के लिए 10 से 20 प्रतिशत अतिरिक्त धनराशि आवंटित की जाती है।

बकाया: हालांकि 2023–24 के लिए राशि जारी हो गई है, लेकिन 2024–25 वित्त वर्ष का फंड अभी आना बाकी है। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा दिया जाने वाला 'एसडीएफ' ग्रांट भी पिछले दो साल से लंबित है।

समय सीमा: अधिकारियों के अनुसार, यह राशि 31 मार्च तक खर्च करनी होगी। नियमों के मुताबिक, वर्तमान में जारी धन का उपयोग करने के बाद ही शेष राशि जारी होने की संभावना है।

नलगोंडा के बीबीनगर में महिला ने दो बच्चों की हत्या कर अपनी जीवनलीला समाप्त की

नलगोंडा, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीबीनगर मंडल के गोल्लीगुडेम गांव में एक महिला ने कथित तौर पर अपने दो बच्चों–जिनमें एक 10 महीने का बच्चा और एक दो साल का लड़का शामिल है–की हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली।

पुलिस के अनुसार, मेकाला महेश यादव का विवाह ऐश्वर्या से हुआ था और दंपति के बीच विभिन्न मुद्दों पर अक्सर झगड़े होते थे। बताया जा रहा है कि पिछले छह महीनों में उनके मतभेद बढ़ गए थे, जिसके बाद ऐश्वर्या अपने माता–पिता के घर चली गई थी और कुछ समय वहीं रही।

परिजनों ने उसे समझाया और सोमवार को वापस उसके पति के घर ले आए। हालांकि, कहा जा रहा है कि रात के दौरान वह मानसिक रूप से परेशान थी और उसने कथित तौर पर तकिए से अपने दोनों बच्चों का गला घोंट दिया। बाद में उसने छत से लटककर अपनी जान दे दी।

स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दिए जाने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

सब्जियों के दाम गिरे: संगारेड्डी में आलू और टमाटर किसानों को भारी नुकसान

संगारेड्डी, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सब्जियों की कीमतों में भारी गिरावट ने आलू और टमाटर के किसानों को गहरे संकट में डाल दिया है। थोक बाजार में किसानों को मुश्किल से 5 रुपये प्रति किलो का भाव मिल रहा है, जिससे फसल की तुड़ाई और परिवहन (ट्रांसपोर्ट) का खर्च निकालना भी दूभर हो गया है। कोई मुनाफा न दिखने के कारण कई किसान अपनी फसलों को खेतों में ही छोड़ने पर मजबूर हैं।

खेती का विस्तार और निवेश

जहाँ संगीरेड्डी जिले के जहीराबाद क्षेत्र में आलू की खेती मुख्य रूप से की जाती है, वहीं टमाटर की खेती पूरे पूर्व मेडक क्षेत्र में फैली हुई है। गजवेल और दुब्बाक के किसान बड़े पैमाने पर टमाटर उगाते हैं। अकेले सिद्दीपेट जिले में लगभग 1,000 एकड़ में टमाटर की खेती हो रही है।

लागत: किसानों को एक एकड़ में टमाटर और आलू उगाने पर लगभग 80,000 से 90,000 रुपये खर्च करने पड़ते हैं।

बाजार की स्थिति: निवेश की वसूली तो दूर, किसानों को डर है कि बाजार तक फसल ले जाने में उन्हें और अधिक घाटा होगा।

किसानों की आपबीती

कोहीरु के आलू किसान स्वरूप रेड्डी ने बताया कि जहीराबाद बाजार में उन्हें केवल 550 रुपये प्रति क्विंटल का भाव दिया जा रहा है। वहीं, सिद्दीपेट जिले के टमाटर किसान टी. येलैया ने कहा कि उन्हें केवल 4 रुपये प्रति किलो की पेशकश की गई है।

नियोजन की कमी और मांग

लाभ की उम्मीद न होने के कारण कई किसानों ने फसल की कटाई न करने का फैसला किया है। किसानों ने आरोप लगाया कि बागवानी विभाग द्वारा सब्जी की खेती के नियमन और नियोजन में कमी का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है।

किसानों की मुख्य मांगें:

1. सरकार भंडारण इकाइयां स्थापित करे।
2. प्रसंस्करण उद्योग लगाए जाएं ताकि किसानों को बार–बार होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

रिटेल बाजार का हाल: विडंबना यह है कि जहाँ किसान को कौड़ियों के दाम मिल रहे हैं, वहीं खुदरा (रिटेल) बाजार में टमाटर और आलू 10 से 20 रुपये प्रति किलो बेचे जा रहे हैं।

जार्जिया प्लिमर चोटिल, जिम्बाब्वे वनडे सीरीज़ के लिए बेला जेम्स को न्यूजीलैंड टीम में मौका

वेलिंगटन, 03 मार्च (एजेंसियां)।

जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज़ से पहले न्यूजीलैंड महिला टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ जार्जिया प्लिमर कंधे की चोट के कारण सीरीज़ से बाहर हो गई हैं। उन्हें यह चोट जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान अभ्यास सत्र में लगी थी। यही कारण रहा कि वह दूसरे और तीसरे टी20 मुकाबले में भी नहीं खेल सकीं। न्यूजीलैंड ने वह टी20 सीरीज़ 3-0 से अपने नाम की थी।

प्लिमर की जगह पहले तीसरे टी20 से पहले बल्लेबाज़ी कवर के तौर पर टीम में शामिल की गई बेला जेम्स अब वनडे सीरीज़ के लिए उनके आधिकारिक विकल्प के रूप में टीम के साथ बनी रहेंगी। बेला ने दिसंबर 2024 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना वनडे पदार्पण किया था और उस सीरीज़ में दो मैच खेले थे। वह पिछले साल वनडे विश्व कप टीम का भी हिस्सा थीं, हालांकि उन्हें अंतिम एकादश में मौका नहीं मिला था।

मुख्य कोच बेन सायर ने एक आधिकारिक बयान में कहा, जार्जिया हमारे लिए शीर्ष क्रम में एक अहम खिलाड़ी हैं और टीम में जो ऊर्जा वह लेकर आती हैं, वह बेहद मूल्यवान है। उनका इस सीरीज़ से बाहर होना दुर्भाग्यपूर्ण है। बेला एक शानदार क्रिकेटर हैं और अब तक लगभग 100 लिस्ट-ए मैच खेल चुकी हैं। उनका अनुभव टीम के लिए काफी फायदेमंद रहेगा और वह सहजता से टीम संयोजन में फिट हो जाएंगी।

इस बीच, आफ स्पिनर नेंसी पटेल और विकेटकीपर-बल्लेबाज़ इज़ी शार्प को भी वनडे टीम में शामिल किया गया है। दोनों ने अब तक वनडे पदार्पण नहीं किया है। नेंसी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके थे, जबकि इज़ी शार्प ने नाबाद 18 और नाबाद 22 रन की पारियां खेली थीं। यह तीन मैचों की वनडे सीरीज़ 5 मार्च से शुरू होगी और 2025-2029 महिला चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा है। इस चक्र में अब तक श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज अपनी-अपनी अभियान की शुरुआत कर चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच दुबई में फंसी पीवी सिंधु सुरक्षित भारत लौटीं

नई दिल्ली। भारतीय स्टार शटलर पीवी सिंधु खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण दुबई में फंसे रहने के बाद

मंगलवार को सुरक्षित भारत लौट आईं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु पिछले शनिवार से दुबई में रुकी हुई थीं, जब वह आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए यात्रा कर रही थीं। हालात बिगड़ने के कारण उन्हें इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से नाम वापस लेना पड़ा। सिंधु ने सोशल मीडिया पर लिखा, बेंगलुरु में घर वापस आकर सुरक्षित हूं। पिछले कुछ दिन बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे लेकिन घर लौटकर बेहद राहत महसूस हो रही है। इस कठिन समय में हमारी मदद करने वाली ग्राउंड टीम, दुबई प्रशासन, एयरपोर्ट स्टाफ, इमिग्रेशन अधिकारियों और हर उस व्यक्ति का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने हमारी देखभाल की। उनकी संवेदनशीलता और पेशेवर रवैया शब्दों से परे है। फिलहाल आराम कर आगे की योजना पर विचार करूंगी। सिंधु अपनी टीम और इंडोनेशियाई कोच इरवांशाह आदि प्रातामा के साथ दुबई में थीं। रविवार को दुबई एयरपोर्ट के पास उनके ठहरने के स्थान के नजदीक विस्फोट की घटना के बाद उन्हें एहतियातन सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया था। सिंधु को टूर्नामेंट के पहले दौर में थाईलैंड की खिलाड़ी सुपानिदा कातेथोंग से मुकाबला करना था। गौरतलब है कि शनिवार को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया। इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिससे क्षेत्र के कई हिस्सों में हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ।

अब सीओई में कोच के तौर पर तेज गेंदबाजों को निखारेंगे जहीर

मुम्बई। पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। जहीर को बेंगलुरु स्थित

सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में तेज गेंदबाजों को कोचिंग देने की जिम्मेदारी दी गयी है। जहीर को आस्ट्रेलिया के ट्राय कूली की जगह पर कोच बनाया गया है। कूल का चार साल का कार्यकाल समाप्त हो गय है। वह अब इंग्लैंड टीम के तेज गेंदबाजी विशेषज्ञ कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। जहीर कोचिंग भूमिका निभाने को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह पहले आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट के कोच रहे हैं। ऐसे में उन्हें कोचिंग का अच्छा अनुभव है। माना जा रहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र को देखते हुए जहीर को गेंदबाजों केा निखारने की जिम्मेदारी दी गयी है। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह सभी मैच नहीं खेल सके थे, जिससे टीम का संतुलन कमजोर पड़ा था। तब मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजी की कमान संभाली थी पर बोर्ड चाहता है कि उसके पास बेहतर तेज गेंदबाजों का एक पूल होना चाहिये जो किसी भी प्रकार के कठिन हालातों पर नियंत्रण कर सके। नवंबर 2026 में न्यूजीलैंड दौरे को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम अपनी तेज गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर बनाना चाहती है। इसके अलावा चयन समिति की नजरें घरेलू क्रिकेट के उभरते सितारों पर भी है। रणजी ट्राफी 2025-26 में जम्मू-कश्मीर के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले आकिब नबी पर भी उसकी नजरें हैं। अकीब आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स से खेलेंगे।

पाक के पूर्व क्रिकेटर आमिर ने भारतीय टीम के प्रदर्शन पर उठाये सवाल

लाहौर। टी20 विश्वकप से बाहर हुई पाकिस्तान टीम के पूर्व खिलाड़ी भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने से चिढ़े

हुए हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि पाक के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद आमिर ने भारतीय टीम के समीफाइनल में पहुंचने के बाद भी उसके प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं पर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा की है। आमिर ने विश्वकप शुरु होने से पहले कहा था भारतीय टीम सेमीफाइन में नहीं पहुंच पायेगी। उन्होंने तब कहा था कि भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं है और उसके कई कमजोर पक्ष है जिससे वह अंतिम चार में नहीं पहुंच पायेगी पर पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी लेकिन आमिर की ये भविष्यवाणी गलत साबित हो गयी। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उनका मजाक उड़ रहा है। वहीं आमिर ने सैमसन की नाबाद 97 रन की पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की पारी खेलना आसन नहीं होता। आमिर के अनुसार सैमसन की कठिन हालातों में खेली पारी से भारतीय टीम जीती पर इसके बाद भी सेमीफाइनल उसके लिए आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि एक शानदार पारी टीम की कमजोरियों को समाप्त नहीं कर सकती। आमिर के अनुसार भारतीय टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं है उसने मैच के दौरान कई कैच छोड़े हैं।

टी20 विश्वकप : भारतीय टीम ने अब तक खेले हैं छह सेमीफाइनल, दो बार जीता है खिताब

मुम्बई, 03 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम अब आईसीसी टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में गुरुवार को इंग्लैंड का मुकाबला करेंगी। भारतीय टीम ने अबतक छह सेमीफाइनल खेले हैं, इसमें उसने दो बार खिताब जीता है। वहीं इस बार भारतीय टीम अपना तीसरा खिताब जीतने उतरेगी। इस मुकाबले में जीत के लिए दोनो ही टीमें अपनी पूरी ताकत लगा देंगी। भारतीय टीम ने सुपर-8 के अंतिम मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं ग्रुप 1 से शीर्ष स्थान लेकर सेमीफाइनल में पहुंची इंग्लैंड टीम भी पूरी तरह से मुकाबले के लिए तैयार है। ऐसे में इस मुकाबले का रोमांचक होना तय है। जिसने 2022 में भारत को हराया था। इससे पहले साल 2022 में इंग्लैंड ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हराया था। वहीं भारतीय टीम ने साल 2024 में इंग्लैंड पर जीत दर्ज की थी। अब तक टी20 विश्व कप में पांच बार भारत और इंग्लैंड का आमना-सामना हुआ है, जिसमें से भारत ने 3 जबकि इंग्लैंड ने दो मैच जीते हैं।

दोनो ही टीमें छह-छह बार सेमीफाइनल में पहुंची हैं। साल 2007 में पहले आईसीसी टी20 विश्व कप के बाद से ही अब तक कुल नौ सत्र 2007, 2009, 2010, 2012, 2014, 2016, 2021, 2022, 2024 में हुए हैं। 2026 टूर्नामेंट का दसवां संस्करण है। भारतीय टीम छह बार सेमीफाइनल में पहुंची है। उसने पहले सत्र 2007 के साथ ही 2014, 2016, 2022, 2024, 2026 में छह बार सेमीफाइनल में पहुंची। भारतीय टीम तीन बार 2007, 2014, 2024 में फाइनल में पहुंची है। उसने दो बार 2007 और 2024 में खिताब जीता था। इससे पहले भारतीय टीम साल 2014 में भी फाइनल में पहुंची थी पर उसे श्रीलंका के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। इसके बाद साल 2016 में उसे घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज ने हराया था। साल 2022 में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी पर उसे इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था।

इसके बाद साल 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने दूसरी बार टी20 विश्वकप ट्राफी जीती थी तब उसने फाइनल में उसने दक्षिण अफ्रीका को हराया था।

मिचेल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में न्यूजीलैंड की जीत का भरोसा

कोलकाता। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच बुधवार को यहां होने वाले टी20 विश्वकप के पहले सेमीफाइनल में कड़ा मुकाबला होने के आसार हैं। दोनो ही टीमें को इसमें जीत का भरोसा है। न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने कहा कि उनकी टीम इस मुकाबले को जीतेगी। मिचेल के अनुसार उनकी टीम विरोध टीम के बारे में सोचने की जगह सहज होकर उतरेगी। उसका इरादा किसी भी बात को जरूरत से ज्यादा बड़ाना नहीं है क्योंकि इससे अनावश्यक दबाव पड़ता है। कीवी टीम के इस बल्लेबाज का कहना है कि उनकी टीम को इस टूर्नामेंट से पहले भारत में खेली टी20 सीरीज का लाभ मिलेगा। उसके खिलाड़ी यहां के हालातों को जानते हैं। मिचेल ने कहा कि उनकी टीम को मैदान के अंदर और बाहर क्या करना है, इसको लेकर पता है। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, हम टीम के तौर पर कैसे खेलना चाहते हैं, इसको लेकर पूरी तरह साफ हैं। हम चीजों को जितना है उससे बड़ा नहीं बनाते पर सेमीफाइनल में पहुंचने को लेकर बहुत उत्साहित हैं और अपने को खुशकिस्मत मानते हैं। उन्होंने कहा, हम इस मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं। हम मैच के दौरान छोटे-छोटे अवसरों का लाभ उठाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे। मिचेल ने कहा कि उनकी टीम ने इस साल की शुरुआत से ही काफी क्रिकेट खेला है जिसका लाभ उसे मिलेगा। उन्होंने कहा, हमने पिछले दो महीनों में भारत में काफी समय बिताया है और हमें अंदाजा है कि यहां के हालात कैसे हैं। न्यूजीलैंड को इससे पहले ग्रुप चरण में दक्षिण अफ्रीका से हार मिली थी पर इस बल्लेबाज ने कहा कि टीम उससे उबर गयी है। उन्होंने कहा, उनकी टीम इस टूर्नामेंट की सबसे अच्छी टीमों में से एक हैं और इसी वजह से सेमीफाइनल तक पहुंची है। कोलकाता में विश्व कप सेमीफाइनल में मुकाबला रोमांचक होगा। दोनों टीमें अगले दौर में पहुंचने का पूरा प्रयास करेंगी।

मध्य-पूर्व में हवाई क्षेत्र बंद होने से वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे टीम की स्वदेश वापसी टली

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होने के बाद भी भारत से स्वदेश नहीं लौट सकीं। मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष के कारण कई देशों ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जिससे उनकी वापसी टल गई है। वेस्टइंडीज को रविवार को मेजबान भारत के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वह सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी। वहीं जिम्बाब्वे सुपर 8 चरण में अपने सभी तीन मुकाबले हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के चलते खाड़ी क्षेत्र के कई देशों में हजारों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इससे दुनिया के व्यस्ततम ट्रांजिट हब प्रभावित हुए हैं और अंतरराष्ट्रीय यात्राएं बाधित हुई हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा, जिम्बाब्वे पुरुष टीम भारत में सुरक्षित है। टीम की वापसी दुबई होते हुए निर्धारित थी, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई है।

वहीं क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि वह खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए खेल की वैश्विक संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ मिलकर काम कर रहा है।

दुबई मुख्यालय वाली आईसीसी ने पहले ही अपने कर्मियों के लिए वैकल्पिक योजना सक्रिय करने की बात कही थी, क्योंकि कई अधिकारी दुबई के रास्ते अपने-अपने देशों को लौटने वाले थे।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने अपने बयान में कहा, हमारे खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों की सुरक्षा और भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एफआईएच हाकी महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए कोरिया और वेल्स की टीम हैदराबाद पहुंची

हैदराबाद। एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 क्वालीफायर के लिए कोरिया और वेल्स की महिला हाकी टीमें हैदराबाद पहुंच गई हैं। यह आठ देशों का टूर्नामेंट 8 से 14 मार्च तक आयोजित होगा, जिसमें से तीन टीमें बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। कप्तान ली यूरी के नेतृत्व में कोरिया की टीम नौ विश्व कप अभियानों का अनुभव लेकर आई है। टीम एक बार फिर विश्व मंच पर वापसी करते हुए अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (1990 में कांस्य पदक) को दोहराने की कोशिश करेगी। वहीं, वेल्स की टीम 2025 यूरोहाकी चैम्पियनशिप में उपविजेता रहने के बाद शानदार फार्म में है। वेल्स 1983 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के लक्ष्य के साथ इस क्वालीफायर में उतरेगा। टूर्नामेंट में कोरिया को पूल-ए में इंग्लैंड, इटली और आस्ट्रिया के साथ रखा गया है। जबकि वेल्स पूल-बी में भारत, स्काटलैंड और उरुग्वे के साथ मुकाबला करेगा।

आईसीसी ने टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल मैच के लिए नियुक्त किए अधिकारी

नई दिल्ली, 02 मार्च (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। पहला सेमीफाइनल बुधवार को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले में आन-फील्ड अम्पायर के रूप में रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ जिम्मेदारी संभालेंगे। दो वर्ष पहले इसी चरण में दक्षिण अफ्रीका की जीत के दौरान भी इलिंगवर्थ मैदान पर मौजूद थे, जब प्रोटियाज ने अफगानिस्तान को 56 रन पर समेटकर नौ विकेट से जीत दर्ज की थी। कोलकाता में इस मैच के लिए नितिन मेनन तीसरे अम्पायर होंगे, राड टकर चौथे अम्पायर की भूमिका निभाएंगे, जबकि जवागल श्रीनाथ को मैच रेफरी नियुक्त किया गया है। दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को मुंबई में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले में आन-फील्ड अम्पायर क्रिस गैफनी और अल्लाउद्दीन पालेकर होंगे। एड्रियन होल्डस्टाक तीसरे अम्पायर, पाल राइफल चौथे अम्पायर और एंडी पायकाफ्ट मैच रेफरी की भूमिका में रहेंगे। वर्ष 2024 में इसी चरण में दोनों टीमें आमने-सामने हुई थीं, जहां भारत ने 68 रन से जीत दर्ज की थी और उस मैच में भी गैफनी अम्पायर थे। इस टूर्नामेंट में गैफनी भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के मुकाबलों में भी अम्पायरिंग कर चुके हैं। पालेकर इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज और स्काटलैंड के मैचों के अलावा भारत बनाम नीदरलैंड्स मुकाबले में भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

- पहला सेमीफाइनल (कोलकाता, 4 मार्च), दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड
  आन-फील्ड अम्पायर: रिचर्ड इलिंगवर्थ, एलेक्स व्हार्फ
  तीसरे अम्पायर: नितिन मेनन
  चौथे अम्पायर: राड टकर
  मैच रेफरी: जवागल श्रीनाथ
- दूसरा सेमीफाइनल (मुंबई, 5 मार्च), भारत बनाम इंग्लैंड
  आन-फील्ड अम्पायर: क्रिस गैफनी, अल्लाउद्दीन पालेकर
  तीसरे अम्पायर: एड्रियन होल्डस्टाक
  चौथे अम्पायर: पाल राइफल
  मैच रेफरी: एंडी पायकाफ्ट हैं।

टी20 विश्वकप के शीर्ष पांच बल्लेबाजों और गेंदबाजों में केवल एक-एक भारतीय

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारत सहित चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में अब तक लीग स्तर से लेकर सुपर-8 तक के मुकाबलों को देखें तो अब तक पांच बल्लेबाजों और पांच गेंदबाजों का इस टूर्नामेंट में दबादबा रहा है। इन शीर्ष पांच बल्लेबाजों में एक ही भारतीय सूर्यकुमार यादव हैं। वहीं पांच गेंदबाजों में भारत के एकमत्र वरुण चक्रवर्ती भी शामिल है।

शीर्ष 5 बल्लेबाजों की बात करें तो पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान नंबर एक पर हैं। उन्होंने 6 मैचों में 383 रन बनाए हैं हालांकि पाकी टीम हार

के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं दूसरे नंबर पर ब्रायन बेनेट हैं, जिन्होंने जिम्बाब्वे के लिए 292 रन बनाए हैं और उनकी टीम भी इस टूर्नामेंट से हार हो गयी है। तीसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम हैं, जो 268 रन बना चुके हैं। उनकी टीम सेमीफाइनल में है और ऐसे में उनके पास और आगे जाने का अवसर है। चौथे नंबर पर वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर हैं, जिन्होंने 248 रन बनाए हैं पर उनकी भी टीम बाहर हो चुकी है। पांचवें नंबर पर 231 रनों के साथ सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्या शीर्ष 5 में एकमात्र भारतीय हैं और टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने से उनके पास ओर रन बनाने का अवसर है।

वहीं दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो

सबसे अधिक विकेट लेने की सूची में अमेरिक के शैडली वैन शाल्कविक हैं उनकी टीम सुपर-8 तक भी नहीं पहुंची पर उनके नाम चार मैचों में सबसे अधिक 13 विकेट हैं। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजारबानी के नाम 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं उनकी टीम भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। तीसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी हैं, उनके नाम 12 विकेट हैं और सेमीफाइनल में भी टीम पहुंची है। वही भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी 12 विकेट लेकर इस सूची में शामिल हैं।

अभिषेक को मनोज तिवारी ने दी नसीहत

कोलकाता। पूर्व क्रिकेट मनोज तिवारी ने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की खराब बल्लेबाजी पर नाराजगी जतायी है। अभिषेक विश्वकप कप में अब तक एक ही मैच में रन बना पाये हैं। वहीं अन्य चार मैचों में असफल रहे हैं। तीन बार तो वह खाता भी नहीं खोल पाये हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम सुपर-8 मुकाबले में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह एक बार फिर आते ही बड़ा शाट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। इसी को देखते हुए तिवारी का कहना है कि अभिषेक अपने छोटे से करियर में स्टार तो बन गए हैं, मगर अगर उन्हें सुपर स्टार बनना है तो टीम को अधिक से अधिक मैच जिताने होंगे। तिवारी ने कहा, वह इतने कम समय में ही स्टार बन गया है पर अगर उसे सुपरस्टार बनना है, तो उसे टीम के लिए और मैच जीतने होंगे। आज के समय में कड़ी प्रतिस्पर्धा है टीम के पास कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं, इसलिए उसे उनसे आगे रहना होगा। मेरा मतलब ये नहीं है कि कोच और टीम प्रबंधन उससे नाराज हैं, और उसे अगले गेम के लिए बेंच पर बैठा देंगे। उसे वह आजादी दी गई है। साथ ही कहा, जब आप अपने विकेट की कीमत नहीं लगाते, तो आप ऐसे ही खराब शाट खेलकर आउट होते हैं। उसे अब अपनी मानसिकता बदलते हुए ये तय करना होगा कि किन गेंदों पर खेलना है और किन पर नहीं। उसे विरोधी गेंदबाजों को कुछ सम्मान तो देना ही होगा। हमें हम अपना अंदाज बदलने को नहीं कर रहे केवल उसे संतुलित रखने को कह रहे हैं। उसमें इतनी क्षमता है कि अगर वह 3 से 4 गेंदों पर न भी रन बनाये तो आगे के ओवरों में कमी पूरी कर सकता है। इससे पहले महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर सहित कई दिग्गजों ने भी आते ही शाट लगाने की जगह पर पहले विकेट पर कुछ समय बिताने और रन बनाने को कहा था जिससे कि वह लय हासिल कर सकें।

नवीनतम एंड्राएड टैबलेट हानरमैजिकपाड 4 पेश

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

एमडब्ल्यूसी 2026 के ग्लोबल शोकेस से पहले आनर ने अपना नवीनतम एंड्राएड टैबलेट हानरमैजिकपाड 4 लांच किया है। अल्ट्रा-थिन डिजाइन के साथ इसमें डिस्प्ले और परफार्मेंस दोनों में बड़े अपग्रेड दिए गए हैं। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का सबसे पतला टैबलेट है, जिसकी मोटाई मात्र 4.8 एमएम है। टैबलेट में ओलेड स्क्रीन दी गई है, जो कंटेंट स्ट्रीमिंग और गेमिंग को बेहद स्मूद बनाती है। इसका 165 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट विजुअल्स को और भी फ्लुइड बना देता है। पतले फ्रेम के बावजूद इसमें 10,100 एमएएच की बैटरी और हैवी रैम का काम्बिनेशन दिया गया है। डिवाइस दो वैरिएंट 12जीबी+256जीबी और 16जीबी+512जीबी में लान्च किया गया है। हानर मैजिकपाड 4 में 12.3 इंच का ओलेड डिस्प्ले है, जिसका रिजाल्यूशन 3000म1920 पिक्सेल और पीक एचडीआर ब्राइटनेस 2400 निट्स है। मल्टी-लेवल एडाप्टिव रिफ्रेश टेक्नोलाजी के साथ यह 165 हर्ट्ज तक सपोर्ट करता है, जिससे स्क्रालिंग, गेमिंग और वीडियो प्लेबैक और भी बेहतर हो जाता है। टैबलेट का वजन लगभग 450 ग्राम है और इसके आयाम 273.4म178.8 एमएम हैं, जो इसे पोर्टेबल वायईटी प्रीमियम फील देते हैं। परफार्मेंस के लिए इसमें स्नैपड्रेगन 8 जेन 5 चिपसेट दिया गया है, जो 16जीबी तक रैम और 512जीबी तक स्टोरेज के साथ आता है। यह एंड्राएड 16 आधारित मैजिकओएस 10 पर काम करता है। बैटरी 10,100 एमएएच की है और 66वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है।

एआई अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता.....लेकिन उन कारणों से जिनकी चर्चा नहीं

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर वैश्विक उत्साह के बीच एक नया तर्क सामने आया हैं कि एआई अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन उन कारणों से नहीं जिनकी आमतौर पर चर्चा होती रहती है। कई विश्लेषकों का कहना है कि मौजूदा स्थिति 1929 की आर्थिक मंदी से पहले के दौर से मिलती-जुलती है, जब नई तकनीक को लेकर अत्यधिक निवेश ने बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी थी। 1929 के संकट से पहले शेयर बाजार में भारी सट्टेबाजी हुई थी। तब उस दौर में रेडियो जैसी नई तकनीक को क्रांतिकारी माना गया, लेकिन उसके कारोबारी माडल को लेकर स्पष्टता नहीं थी। नतीजतन, निवेशकों ने बड़ी मात्रा में पूंजी झोंक दी और शेयर कीमतें वास्तविक मूल्य से कहीं अधिक बढ़ गईं। आलोचकों का तर्क है कि आज एआई, विशेषकर बड़े भाषा माडल (एलएलएम), उसी तरह के हाइप साइकिल का हिस्सा बन चुके हैं। उनका कहना है कि एआई एक परिवर्तनकारी तकनीक है, लेकिन एआई को लेकर टिकाऊ और लाभदायक बनाने का स्पष्ट आर्थिक माडल अभी तैयार नहीं हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

भारत ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर व्यापार सहायता डेस्क की स्थापना की

मुंबई। पश्चिम एशिया में हालिया टकराव के बीच भारतीय सरकार ने व्यापार प्रभावितों के लिए बहु-मंत्रालयी सहायता डेस्क स्थापित किया है। इसका नेतृत्व विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के एक वरिष्ठ अधिकारी करेंगे। डेस्क का उद्देश्य निर्यातकों और आयातकों को माल और वित्तीय लेनदेन में उत्पन्न होने वाली दिक्कतों से निपटने में मदद करना है। निर्यातकों ने बताया कि पश्चिम एशिया जाने वाला माल मुंद्रा और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट पर फंसा हुआ है, लगभग 3,000 कंटेनर प्रभावित हैं। शिपिंग कंपनियां सुरक्षा कारणों से फिलहाल नए आर्डर नहीं ले रही हैं। सीएसएलए के अनुसार, अमेरिका को सामान केप आफ गुड होप मार्ग से भेजा जाएगा, लेकिन पश्चिम एशिया के लिए शिपमेंट रोक दिया गया है। बंदरगाह अतिरिक्त जगह प्रदान करने और भीड़भाड़ कम करने के प्रयास कर रहे हैं। शनिवार को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमला और अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने यूएई, बहरीन, कुवैत और कतर सहित खाड़ी देशों को निशाना बनाया। इससे पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया, जो व्यापार और माल की आवाजाही पर प्रत्यक्ष असर डाल रहा है। वाणिज्य विभाग की बैठक में कार्गो आवाजाही, अनावश्यक देरी कम करने और कागजी प्रक्रिया सरल बनाने पर चर्चा हुई। हितधारकों के बीच मार्ग और क्षमता निगरानी, अधिभार और उपकरण उपलब्धता पर वास्तविक समय समन्वय बनाए रखने पर सहमति बनी। साथ ही जल्दी खराब होने वाले वस्त्र, दवाइयां और उच्च-मूल्य वाले उत्पादों के निर्यात के लिए विशेष तंत्र विकसित करने पर जोर दिया गया। इस पहल से सरकार का मकसद व्यापार में व्यवधान को कम करना और निर्यातकों तथा आयातकों को संकट की स्थिति में सहायता देना है।

साल 2027 में लान्च होगी इलेक्ट्रिक एसयूवी 0 अल्फा

नई दिल्ली। भारत के लिए होंडा कंपनी ने अपनी बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी 0 अल्फा की पहली आधिकारिक झलक जारी कर दी है। जापान मोबिलिटी शो में प्रदर्शित की गई यह कार होंडा की नई 0 सीरीज का पहला माडल होगी। सबसे बड़ी बात यह है कि होंडा इसे आयात नहीं करेगी, बल्कि भारत में ही मैन्युफैक्चर करेगी, जिससे इसकी कीमत प्रतिस्पर्धी रहने की उम्मीद है। कंपनी ने पुष्टि की है कि इसका प्रोडक्शन माडल वर्ष 2027 तक भारतीय सड़कों पर नजर आएगा। डिजाइन की बात करें तो 0 अल्फा बेहद फ्यूचरिस्टिक और मस्कुलर लुक लिए हुए है। इसके फ्रंट में वर्टिकल एलईडी लाइट्स और बोनट पर लगी एक पतली स्ट्रिप इसे आधुनिक अपील देती है। आगे-पीछे झुके हुए शीशे कार को स्पोर्टी स्टांस प्रदान करते हैं। साइड प्रोफाइल में 19-इंच एयरोडायनामिक अलाय व्हील्स और बाडी क्लैडिंग इसे दमदार एसयूवी कैरेक्टर देते हैं। पीछे की ओर यू-शेप एलईडी टेल लैंप्स और बंपर लाइट्स इसे अलग पहचान देते हैं।

महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का नया रास्ता, एलआईसी की बीमा सखी योजना

नई दिल्ली। देश की दिग्गज बीमा कंपनी लाइफ इंस्योरेंस आफ इंडिया (एलआईसी) ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से बीमा सखी योजना शुरू की है। इस पहल का मकसद उन महिलाओं को रोजगार का अवसर देना है, जो कम पढ़ी-लिखी हैं या घरेलू जिम्मेदारियों के साथ अपनी अलग पहचान बनाना चाहती हैं। योजना के तहत महिलाओं को एलआईसी एजेंट बनने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि प्रशिक्षण अवधि में भी महिलाओं को निश्चित मासिक स्टाइपेंड दिया जाएगा। पहले वर्ष में 7,000 रुपये प्रति माह, दूसरे वर्ष में 6,000 रुपये और तीसरे वर्ष में 5,000 रुपये प्रतिमाह प्रदान किए जाएंगे। यह आर्थिक सहयोग प्रशिक्षण के दौरान आत्मविश्वास बढ़ाने और शुरुआती जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रतिभागी प्रोफेशनल एजेंट के रूप में कार्य कर सकेंगी।

शानदार सेल्फी और रील बनाने वालों के लिए तीन विकल्प मौजूद

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय बाजार में शानदार सेल्फी और रील बनाने वालों के लिए तीन बेहतरीन विकल्प मौजूद हैं। इस लिस्ट में वीवो, मोटोरोला और ओप्पो के माडल शामिल हैं। इन स्मार्टफोन्स में 50 मेगापिक्सल का हाई-रेजाल्यूशन फ्रंट कैमरा मिलता है, जो लो-लाइट से लेकर डे-लाइट तक हर सिचुएशन में बेहतरीन क्वालिटी देता है। खास बात यह है कि इनमें शक्तिशाली 200एमपी तक के रियर कैमरे, प्रीमियम डिस्प्ले और दमदार बैटरी के साथ हाई-परफार्मेंस प्रोसेसर भी उपलब्ध है।

वीवो वी60ई 5जी : अमेजन पर 33,999 रुपये में उपलब्ध 8जीबी प्लस256जीबी वेरिएंट वाला यह फोन 50एमपी सेल्फी कैमरे के साथ आता है। रियर में 200एमपी मेन लेंस और 8एमपी सेकेंडरी कैमरा दिया गया है। इसका 6.77 इंच का क्वाड-कर्व्ड अमोलेड डिस्प्ले 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करता है। फोन में 6500 एमएएच बैटरी है, जो 90डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। आईपीपी68 प्लस आईपी69 रेटिंग के साथ यह पूरी तरह वाटरप्रूफ भी है। कंपनी ने इसमें कई लेटेस्ट एआई फीचर्स भी शामिल किए हैं। मोटोरोला एग्ज 60 प्रो 5जी: 12जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज वाला यह फोन अमेजन पर 32,685 रुपये में मिल रहा है। इसमें भी सेल्फी और रील्स के लिए 50एमपी फ्रंट कैमरा दिया गया है। बैक में 50एमपी मेन, 50एमपी अल्ट्रावाइड और 10एमपी का 10गुणा टेलीफोटो कैमरा मिलता है।

फोन में 6.7 इंच का पोलेड डिस्प्ले है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 4500 निट्स की पीक ब्राइटनेस प्रदान करता है। इसे पावर देती है 6000एमएएच बैटरी, जो 90डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। इसी तरह ओप्पो रेनो 15 प्रो मिनी 5जी, 12जीबी+256जीबी वेरिएंट की कीमत अमेजन पर 59,999 रुपये है। इसमें 50एमपी फ्रंट कैमरा दिया गया है। रियर कैमरा सेटअप में 200एमपी मेन, 50एमपी अल्ट्रावाइड और 50एमपी पेरिस्कोप लेंस शामिल है। फोन 6200 एमएएच बैटरी के साथ आता है, जो 80डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करता है। यह डिवाइस एंड्राएड 16 आधारित कलरओएस 16 पर काम करता है।

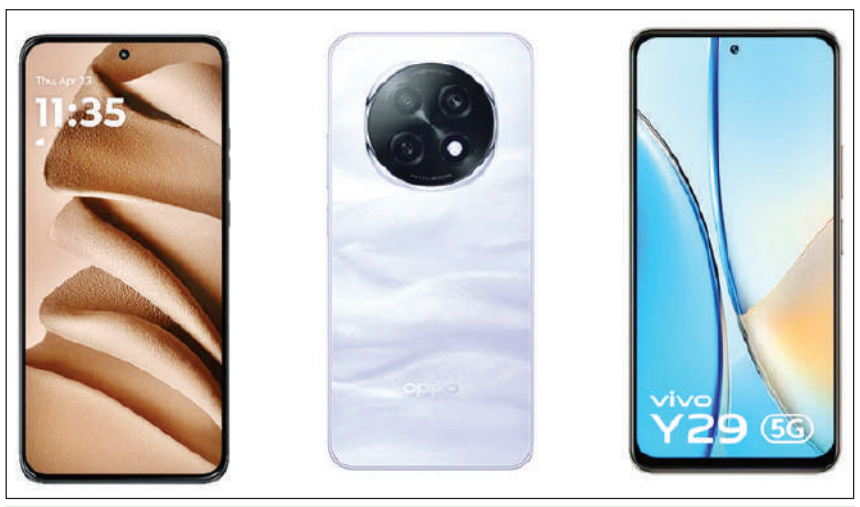

शाओमी 17 सीरीज भारत सहित ग्लोबल मार्केट में लान्च

नई दिल्ली। भारत सहित ग्लोबल मार्केट में शाओमी ने अपनी बहुप्रतीक्षित शाओमी 17 सीरीज को लान्च कर दिया है। इसमें शाओमी 17 और शाओमी 17 अल्ट्रा दो माडल शामिल हैं, जिनमें क्वालकाम का नवीनतम स्नैपड्रेगन 8 इलाइट जेन 5 चिपसेट दिया गया है। दोनों स्मार्टफोन्स में लाइका द्वारा ट्यून्ड उन्नत कैमरा सिस्टम मौजूद है, जबकि अल्ट्रा माडल 200 एमपी पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस जैसे प्रीमियम फीचर्स के साथ आता है। कंपनी ने इनमें वायफाय 7 और ब्ल्यूटूथ 5.4 सपोर्ट भी दिया है। शाओमी 17 का 12जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज वाला माडल लगभग 1,07,449 की कीमत में पेश किया गया है। यह अल्पाइन पिंक, ब्लेक, आईसीई ब्ल्यू और वेंचर ग्रीन जैसे चार रंगों में उपलब्ध होगा। शाओमी 17 अल्ट्रा की कीमत लगभग रुपए 1,61,264 है, जिसमें 16जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज मिलता है। यह ब्लैक, स्टारलीट ग्रीन और व्हाइट कलर में आता है। कंपनी ने अल्ट्रा फोटोग्राफी कीट और फोटोग्राफी कीट प्रो भी लान्च की हैं, जिनकी कीमत क्रमशः 99.99 यूरो और 199.99 यूरो है। शाओमी 17 अल्ट्रा में 6.9 इंच की 1.5के एलटीपीओ अमोलेड स्क्रीन, 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और ड्रेगन क्रिस्टल ग्लास 3 प्रोटेक्शन दिया गया है। फोन 3 एनएम स्नैपड्रेगन 8 इलाइट जेन 5 चिपसेट, अड्रेनो 840जीपीयू, 16जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज से लैस है। इसका ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप 50एमपी प्राइमरी, 50एमपी अल्ट्रा-वाइड और 200एमपी पेरिस्कोप टेलीफोटो सेंसर प्रदान करता है, जबकि सेल्फी के लिए 50एमपी फ्रंट कैमरा है। 6,000एमएएच बैटरी 90वाट वायर्ड और 50वाट वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करती है। स्टैंडर्ड शाओमी 17 में 6.3 इंच की 1.5के ओलेड स्क्रीन और 6,330 एमएएच बैटरी के साथ 100वाट फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट दिया गया है ।

ईरान संकट से प्रभावित भारतीय चाय निर्यात, भाड़ा और भुगतान पर दबाव

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय चाय निर्यातक संघ के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ईरान को भेजी गई चाय के भुगतान अटके हुए हैं। कुछ खेप समुद्र में फंसी हैं और भारत में स्टाक के रूप में खड़ा है। निर्यातक फिलहाल स्थिति का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, अमेरिका और यूरोप जैसे अन्य बाजारों पर भी अल्पकाल में प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि हालात अव्यवस्थित हैं।

इस सप्ताह कुछ खेप पश्चिम एशिया के लिए जाने वाली थीं, लेकिन खरीदारों ने उन्हें रोकने की सलाह दी। कंपनी का लगभग 70 फीसदी उत्पादन पश्चिम एशिया को निर्यात होता है। दक्षिण भारत चाय निर्यातक संघ के मुताबिक पूरे पश्चिम एशिया में आपूर्ति मुख्य रूप से होर्मुज स्ट्रेट या खाड़ी के बंदरगाहों पर निर्भर है, जिन पर ईरान के हमले से अस्थिरता बढ़ी है। शिपिंग लाइनें कार्गो लेना बंद कर रही हैं और अतिरिक्त सरचार्ज पर विचार कर रही हैं।

भाड़ा और बीमा लागत में बढ़ोतरी की संभावना है। चाय बोर्ड के अनुसार, भारत के कुल चाय निर्यात का लगभग 41 फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों को जाता है। 2025 में केवल यूएई, ईरान और इराक को भारत का निर्यात 11.45 करोड़ किलोग्राम रहा, जबकि कुल निर्यात 28.04 करोड़ किलोग्राम था।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच दिल्ली एयरपोर्ट पर 80 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच हवाई यातायात पर व्यापक असर देखने को मिल रहा है। हवाई क्षेत्र बंद होने से उड़ान संचालन लगातार चौथे दिन प्रभावित हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर मंगलवार को 80 उड़ानें प्रभावित हुई हैं, जिनमें 36 प्रस्थान और 44 आगमन की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के चलते कई खाड़ी के देशों ने एयरस्पेस पर प्रतिबंध या आंशिक बंदी लागू की है। सुरक्षा कारणों से कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने अपने रूट बदल दिए हैं, जबकि कुछ ने एहतियातन उड़ानें रद कर दी हैं। इसका सीधा असर नई दिल्ली से खाड़ी देशों और यूरोप जाने वाली फ्लाइट्स पर पड़ा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक पिछले दो दिनों में भारतीय एयरलाइंस ने बढ़ते तनाव के कारण कुल 760 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की हैं। खाड़ी क्षेत्र में कई एयरस्पेस बंद होने से पश्चिम दिशा की उड़ानों के शेड्यूल पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। आकासा एयर ने खाड़ी देशों के लिए उड़ानें 3 मार्च तक स्थगित कर दी हैं।

होली के दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी ने लगाई जोरदार छलांग

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना 2,520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,175 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसके विपरीत चांदी की कीमत में 20,200 रुपये प्रति किलोग्राम की जबरदस्त उछाल दर्ज की गई।

सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,69,915 रुपये से लेकर 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये से लेकर 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में तीन लाख रुपये का स्तर पार कर 3,15,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

होली के एक दिन पहले दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,69,915 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,69,965 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,56,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,69,915 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,69,915 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,69,965 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,56,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,69,965 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,56,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संकट ...

वहीं, पिछले महीने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जानकारी दी थी कि देश के पास मांग को पूरा करने के लिए कुल 74 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। सरकार ने जनता से अपील की है कि घबराने या तेल जमा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। होर्मुज बंद होने के बाद मंगलवार को केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, सरकार पूरी तरह सतर्क है। हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक, चौथा सबसे बड़ा रिफाइनर और पेट्रोलियम उत्पादों का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक है। देश में कच्चे तेल के साथ पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। जिससे अल्पकालिक आपूर्ति बाधा से निपटा जा सकता है।

2047 तक...

हैदराबाद में हाल ही में पेंशनभोगियों और छात्रों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शनों का संदर्भ देते हुए, भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार के प्रति जन असंतोष बढ़ रहा है।

उन्होंने राहुल गांधी के हैदराबाद दौरे के उद्देश्य पर भी सवाल उठाए, जो कांग्रेस के जिला-स्तरीय प्रशिक्षण शिविर के लिए था, और सार्वजनिक धन के उपयोग और लंबित नागरिक वादों पर स्पष्टता मांगी।भाजपा ने राज्य सरकार से अपील की कि वह राजनीतिक नाटकबाजी में लिप्त होने के बजाय शासन और वादों की डिलीवरी पर ध्यान केंद्रित करे।

इब्राहिमपटनम ...

याचिका के बाद, अदालत ने शुरू में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनाव पर रोक लगा दी।

हालांकि, बीआरएस नेता सुदर्शन रेड्डी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने तर्क दिया कि चुनाव रोक आदेश से पहले ही समाप्त हो चुका था, और उनके उम्मीदवार ने बहुमत हासिल किया था।

दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद, हाई कोर्ट ने अपना अंतिम फैसला सुनाया जिसमें अधिकारियों को तीन सप्ताह के भीतर इब्राहिमपटनम नगरपालिका चुनाव पूरा करने का निर्देश दिया गया।

एचएएल...

को अंजाम देने में सक्षम हैं।इनके तटरक्षक बल में शामिल होने से बल की कृत्रिम द्वीपों, अपतटीय प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तथा मछुआरों और समुद्री पर्यावरण के संरक्षण संबंधी दायित्वों के निर्वहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।इस परियोजना के अंतर्गत 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों से उपकरणों की आपूर्ति की जायेगी। यह अनुबंध आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है तथा देश की समुद्री सुरक्षा संरचना को और मजबूत बनाता है।शिटल मिसाइलों की खरीद का अनुबंध रूस की कंपनी जेएससी रोजोबोरोनेक्सपोर्ट के साथ किया गया है। यह मिसाइल अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों की वायु रक्षा क्षमताओं को विभिन्न प्रकार के हवाई खतरों से निपटने में सुदृढ़ करेगी। यह प्रणाली नौसेना के पोतों पर त्वरित प्रतिक्रिया, सभी मौसम में लक्ष्य भेदन क्षमता तथा चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों में बेहतर जीवित रहने की क्षमता प्रदान करते हुए स्तरीकृत वायु रक्षा संरचना को सुदृढ़ करेगी।यह अनुबंध भारत और रूस के बीच पारस्परिक विश्वास एवं रणनीतिक सामंजस्य पर आधारित दीर्घकालिक और परिपक्व रक्षा साझेदारी को भी रेखांकित करता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 04 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

बेगम बाजार होली उत्सव समिति का 30वां भव्य होली उत्सव

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार होली उत्सव समिति के संयोजक अविनाश देवड़ा ने बताया कि इस वर्ष होली उत्सव का 30वां वर्ष हर्षोल्लास एवं पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दूल्हे चि. पुखराज कच्छावा की भव्य बरात निकासी का आयोजन दोपहर में संपन्न हुआ। बरात बेगम बाजार के किराना मार्केट, बेगम बाजार छतरी एवं प्रमुख मार्गों पर रंग और गुलाल खेलते हुए निकली।बरात में प्राकृतिक टेसू के पुष्प, केसर एवं इत्र से तैयार केसरिया रंग तथा हर्बल गुलाल का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया गया। सभी उपस्थितजनों को प्राकृतिक रंगों से रंगा गया, जिसकी सर्वत्र सराहना हुई।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण रही पारंपरिक राजस्थानी घूमर नृत्य, घोड़ी नृत्य, गैर डांडिया एवं फाल्गुन के गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियाँ। ढोल-नगाड़ों एवं पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि के बीच नृत्य कलाकारों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर वातावरण को

पूर्णतः रंगमय बना दिया।

कार्यक्रम का संयोजन अविनाश देवड़ा द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्यों - मनीष भाटी, गोविंद पंवार, विजय कुमार भाटी, कन्नू, राजेश सोलंकी, लक्ष्मीनारायण पंवार, हंसराज कच्छवाहा, लक्ष्मण सिंह पंवार, दिनेश सांकला (लड्डू), बजरंगलाल पंवार, अनिल सांकला, बंकटलाल भाटी, विजय कुमार सोलंकी, अमित लड्ढा, रमेश भाटी, जुगल मूंदड़ा, दिलीप गेहलोत, कैलाश कच्छवाहा एवं लखन देवड़ा का विशेष योगदान रहा।

इस गरिमामयी अवसर पर गोलकुंडा जिला भाजपा अध्यक्ष उमामहेन्द्र, गोशमहल पार्षद लाल सिंह, रमेशलाल यादव, सुरेंद्र, विपिन रामावत, गोशामहल सर्कल इंस्पेक्टर श्री श्रवण कुमार, अफजलगंज सर्कल इंस्पेक्टर श्री मोहन राव सहित अनेक गणमान्य समाजसेवी, राजनीतिक, व्यापारिक एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।समिति ने सभी आगंतुकों, सहयोगकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए समाज में प्रेम, भाईचारा एवं सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया।

महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा का होलिका दहन सम्पन्न

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग का होलिका दहन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा के परामर्शदाता मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को प्रातः 9:30 बजे शाखा के अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य राजेंद्र कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल और सुरेंद्र कुमार अग्रवाल के साथ होलिका दहन कार्यक्रम के संयोजक अरुण कुमार गुप्ता एवं संदीप गुप्ता ने जगन्नाथ मंदिर, बंजारा हिल्स के प्रांगण में डंडा रोपण कर पूजा में भाग लिया।

तत्पश्चात दिन में शाखा एवं अन्य अग्रबंधुओं के परिवार द्वारा बिडकुले की मालाएँ चढ़ाई गई। मंगलवार प्रातः 5:41 बजे होलिका दहन किया गया। दहन से पहले करीब 600 सदस्य परिवार ने पूजा की। प्रतिवर्ष होलिका दहन कार्यक्रम जगन्नाथ मंदिर में किया जाता है और हर वर्ष सदस्यों की संख्या बढ़ती जा रही है।

इस कार्यक्रम में शाखा के उपाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल, मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल, सहमंत्री अजय कुमार दोचानिया, केंद्रीय समिति सदस्य राजेंद्र कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता महेश कुमार दिल्लीवाले, मुकुंद लाल अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, अग्रवाल समाज तेलंगाना के परामर्शदाता चंद्रकांत अग्रवाल, कार्यक्रम के संयोजक अरुण गुप्ता, संदीप गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, और कार्यकारिणी सदस्य विजय कुमार अग्रवाल, रविंद्र कुमार अग्रवाल सहित कई अन्य सदस्यगण शामिल हुए।

इस अवसर पर उदय कुमार मोर, अशोक चंद अग्रवाल, विनोद डाकोतिया, बजरंग प्रसाद गुप्ता, सुनील कुमार गुप्ता, माणिक चंद गुप्ता, महेंद्र कुमार अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अजय कोतवाल, राजेश कोतवाल, नवीन अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, विकास अग्रवाल, पवन अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, संदीप गुप्ता, रामा अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, राहुल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ, बालक और बालिकाएँ भी उपस्थित थीं।

कार्यकम के पश्चात, मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम की सफलता हेतु संयोजकों एवं उपस्थित सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन हमारे समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और हर साल की तरह इस बार भी कार्यक्रम की सफलता ने हमें एक और उत्सव मनाने का अवसर दिया।

श्री आईजी गौशाला में होली दहन व रंगारंग गैर नृत्य का आयोजन

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में रंगों के पावन त्यौहार होली के उपलक्ष्य में श्रद्धा और उत्साह के साथ होली पूजन, होली दहन तथा रंगारंग गैर नृत्य का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ होली की पूजा-अर्चना से हुआ। उपस्थित गौभक्तों ने परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार होली दहन कर सुख-समृद्धि और समाज के कल्याण की कामना की। वातावरण भक्तिभाव और उत्साह से परिपूर्ण रहा।

गैर नृत्य से बिखरे रंग और उमंग

होली दहन के पश्चात रंगारंग गैर नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें महिला मंडल एवं गौभक्तों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पारंपरिक संगीत और लोकधुनों पर आयोजित गैर नृत्य ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण उत्पन्न किया।

पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा, सह सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, भंवरलाल मुलेवा, मांगीलाल परिहारिया, माधुराम चोयल, समस्त महिला मंडल तथा बड़ी संख्या में गौभक्त उपस्थित रहे।कार्यक्रम ने धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामूहिक सहभागिता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा द्वारा होलिका दहन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शाखा के पदाधिकारी, सदस्य, परिजन समेत कुल लगभग 600 भक्तजन उपस्थित थे।

एनएमडीसी का सर्वोत्तम फरवरी प्रदर्शन

वित्तीय वर्ष 26 में संचित उत्पादन में 18% और बिक्री में 10% की वृद्धि

एनएमडीसी का फरवरी माह में रिकार्ड आउट्पुट, उत्पादन में 16% की वृद्धि

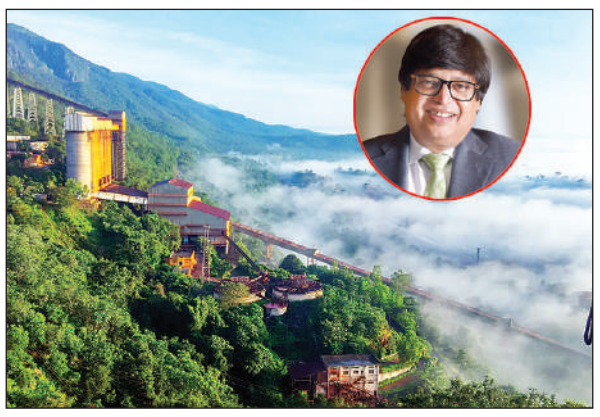

हैदराबाद, 02 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने फरवरी 2026 में, माह और अप्रैल-फरवरी अवधि दोनों में, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन निष्पादन में उत्कृष्ट वृद्धि दर्ज की है ।

फरवरी 2026 को समाप्त माह में, एनएमडीसी ने फरवरी माह का अबतक का सर्वोत्तम मासिक प्रदर्शन दर्ज किया है, जिसमें उत्पादन बढ़कर 5.35 मिलियन टन दर्ज हुआ, जो कि फरवरी 2025 में 4.62 मिलियन टन पर 16% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्शाता है ।

बिक्री में माह-दर-माह 15.6% की वृद्धि दर्ज हुई, जो 3.98 मिलियन टन से बढ़कर 4.60 मिलियन टन हो गई । उत्पादन लक्ष्य से अधिक हुआ, जो कि खनन क्षमताओं के प्रभावी उपयोग और कंपनी की परिसंपत्तियों के परिचालन-लय में सुधार को दर्शाता है ।

वित्तवर्ष 26 में एनएमडीसी ने मजबूत प्रदर्शन को बनाए रखा, जिसमें अप्रैल-फ़रवरी आउट्पुट में रिकार्ड स्थापित करते हुए उत्पादन बढ़कर 47.79 मिलियन टन हुआ, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 40.49 मिलियन टन पर 18% की वृद्धि है, जबकि बिक्री 44.34 मिलियन टन हुई, जो कि वित्तवर्ष 25 की इसी अवधि में 40.20 मिलियन टन से 10% अधिक है ।

इस प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी, एनएमडीसी ने कहा, यह प्रदर्शन हमारे सभी खनन परिसरों की हमारे टीमों के अनुशासन, समर्पण और समन्वय को दर्शाता है ।

हमारे द्वारा उत्पादित प्रत्येक टन भारत की इस्पात मूल्य-शृंखला को मजबूत बनाता है और राष्ट्र के आधारभूत संरचना की वृद्धि में योगदान करता है । वित्तवर्ष 27 की ओर अग्रसर होते हुए हमारा फोकस सुस्पष्ट है : उत्तरदायित्व के साथ क्षमता में वृद्धि, परिचालन दक्षता में सुधार और देश के लिए कच्चे माल की विश्वसनीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है । यह श्रेय निश्चित रूप से हमारे कर्मचारियों को जाता है जिनकी प्रतिबद्धता प्रतिदिन एनएमडीसी की प्रगति की चालक शक्ति है ।इसके अतिरिक्त, एनएमडीसी की सभी तीन उत्पादन इकाइयों ने सामूहिक रूप से रिकार्ड आउट्पुट दर्ज किया है । इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत एक नवरत्न सीपीएसई होने के नाते, एनएमडीसी अपने सभी खनन परिचालनों में उत्पादन वृद्धि, दक्षता और लागत प्रतिस्पर्धात्मकता से भारत की बढ़ती इस्पात की मांग में सहयोग करने पर फोकस कर रहा है ।

श्री जंभेश्वर मंदिर में होली पर पारंपरिक हवन व पाहल सम्पन्न

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सुभाष नगर स्थित श्री गुरु जंभेश्वर मंदिर प्रांगण में होली के पावन पर्व पर विश्नोई समाज द्वारा परंपरागत पवित्र हवन एवं पाहल का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में समाज के पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार और भक्तिभाव से गुंजायमान रहा।

शहवन एवं पाहल कार्यक्रम विश्नोई समाज की धार्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस अवसर पर समाजजनों ने सुख-समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की। होली के पावन अवसर पर आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान ने समाज में एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश दिया। श्री विश्नोई महासभा हैदराबाद के अध्यक्ष सोहनलाल जाणी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज एवं संस्थान के लिए खरीदी जा रही भूमि हेतु सभी व्यवसायी बंधुओं से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज के सामूहिक प्रयास से ही संस्थागत विकास संभव है और सभी को बढ़-चढ़कर योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में बाबूलाल साहू, रामलाल जाणी, मनोहर लोल, जगदीश जी सारण, श्रवण साहू, हीरालाल लोल, राजूराम ढाका, भागीरथ गोदारा, पुखराज मतवाला, शैतान जी ढाका, हापूराम सियाक, जगदीश खोकर, विकास गोदारा, भूपेंद्र मतवाला, राजूराम नेण, भैराराम मतवाला, जय किशन डूडी, रमेश खिलेरी तथा समस्त बिश्नोई समाज का विशेष सहयोग रहा।

जन सेवा संघ की संचालन समिति की मासिक बैठक सम्पन्न

विभिन्न समितियों ने प्रस्तुत की गतिविधि रिपोर्ट

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार संयोजक डी.डी. तिवारी की अध्यक्षता में संचालन समिति की मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में केंद्रीय समिति सहित विभिन्न समितियों के संयोजक उपस्थित रहे और सभी ने अपने-अपने विभाग की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

संरक्षण समिति के संयोजक वी.डी. चौबे ने बताया कि समिति के सदस्यों की संख्या निरंतर बढ़ रही है तथा सभी सदस्य नियमित रूप से मासिक योगदान दे रहे हैं, जिससे संघ को आर्थिक स्थिरता मिल रही है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येक तीन माह में सदस्यों के योगदान की सराहना हेतु विशेष बैठक आयोजित की जाएगी।

समस्या निवारण समिति के संयोजक परमानंद शर्मा ने पटनचेरू के समीप इस्नापुर क्षेत्र में हुई एक घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि सड़क दुर्घटना के बाद कुछ असामाजिक तत्वों ने एक उत्तर भारतीय परिवार के घर में घुसकर उत्पात मचाया, महिलाओं व बच्चों से दुर्व्यवहार किया तथा धन की मांग की। समिति के हस्तक्षेप और संबंधित पुलिस आयुक्त से संपर्क के बाद पीड़ित परिवार को तत्काल राहत दिलाई गई। उन्होंने कहा कि समिति हर प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई कर रही है।

प्रोटोकॉल समिति के संयोजक श्रीकांत पांडेय ने संघ की गतिविधियों को सुव्यवस्थित बताया। स्पोर्ट्स समिति के संयोजक सुबोध सिंह ने शीघ्र ही क्रिकेट या वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित करने की घोषणा की। अनुशासन समिति के संयोजक श्री पी.पी. पांडेय ने बताया कि कोई अनुशासनात्मक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

सांस्कृतिक समिति के संयोजक सुनील श्रीवास्तव ने 8 मार्च को साउथ जोन में जोनल प्रेसिडेंट ए.के. मिश्रा के संयोजन में होली मिलन समारोह तथा 15 मार्च को सिकंदराबाद के आर.पी. रोड स्थित गुजराती विद्यालय हॉल में कवि सम्मेलन आयोजित किए जाने की जानकारी दी। सम्मेलन में देशभर के कविगण भाग लेंगे।

आईटी सेल के संयोजक विनीत सिंह ने सोशल मीडिया विस्तार एवं आईटी क्षेत्र के लगभग 100 लोगों को संघ से जोड़ने का लक्ष्य बताया। उत्सव एवं छठ पूजा समिति के संयोजक आर.पी. सिंह ने छठ पूजा हेतु पक्के घाट निर्माण के लिए अधिकारियों से निरंतर संपर्क की जानकारी दी। लीगल एडवाइजर देवीदास ने समस्या निवारण समिति के साथ सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया। कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए लाइफ एवं जनरल मेंबर की संख्या में वृद्धि की जानकारी दी।

बैठक में संचालन समिति के सह-संयोजक पद हेतु सर्वसम्मति से गोविंद तिवारी को नामित किया गया। बैठक में एस.ए. खान, के.डी. चौबे, सुरेश पंडित, कपिराज सिंह, एल.एम. चौधरी, मदन लाल रावल, जी.डी. पाठक, मोहम्मद मुनव्वर, के.एल. श्रीनिवासा राव, राजेश शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा ही जीवन का सबसे बड़ा धर्म : बबीता अग्रवाल

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में केबीआर पार्क, केबीआर पार्क के समीप स्थित इंडो अमेरिकन कैंसर हास्पिटल के सामने नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम श्रद्धा एवं समर्पण के साथ आयोजित किया गया।

इस अवसर पर बबीता अग्रवाल ने भावपूर्ण शब्दों में कहा कि सेवा ही जीवन का सबसे बड़ा धर्म है। जब हम किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं, तब हम केवल भोजन नहीं, बल्कि सम्मान और आशा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य समाज में करुणा, सहयोग और सद्भाव की भावना को सशक्त करना है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, कु. मितांश गुप्ता, महेश अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, संजय गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदूजा, शम्मी हिंदूजा, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।सभी सेवाभावियों ने पूर्ण अनुशासन और निष्ठा के साथ जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया। सेवा स्थल पर भक्ति, मानवता और सहयोग का प्रेरणादायी वातावरण बना रहा।

कोरेमुला श्री आईमाता जी बडेर में धूमधाम से मनाया गया होली महोत्सव

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोरेमुला स्थित श्री आईमाता जी बडेर में होली महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया।

सोमवार को रात्रि 8:15 बजे विधि-विधान से होली पूजन-अर्चना के पश्चात होली दहन किया गया।

इसके बाद चंग की थाप पर रंगारंग गैर नृत्य का आयोजन हुआ, जिसमें गैर मंडल ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्रद्धालुओं ने फूलों से होली खेलकर आपसी प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया।

मंगलवार प्रातः 9:15 बजे से बच्चों की पारंपरिक 'ढुंढ' रस्म का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अंत में सभी ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

इस अवसर पर बडेर संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, सह सचिव राजाराम गेहलोत, उपाध्यक्ष राजाराम पंवार, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, सलाहकार पुनाराम हाम्बड़, रमेश हाम्बड़, खेल मंत्री ओमप्रकाश हाम्बड़, तेजाराम परिहार, प्रकाश खंडाला, छोगाराम गेहलोत, कमलेश आगलेचा, देवाराम परिहार, तेजाराम काग, रताराम सोलंकी, बाबूलाल परिहार, नेमाराम परिहार, ओगड़राम सैणचा, ताराराम भायल, रतनलाल सेपटा सहित सीरवी समाज के अनेक बंधु उपस्थित रहे।

तेजस्विनी नगर अत्तापुर में उत्साह के साथ हुआ होलिका दहन

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर के तेजस्विनी नगर में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक 'होलिका दहन' का पर्व बड़े ही श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्थानीय निवासियों ने एकत्रित होकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की।

कार्यक्रम का आयोजन और नेतृत्व मुख्य रूप से संजू महाराज, प्रदीप शर्मा, लड्डू भाई, रवि, लक्ष्म रेड्डी और राजू ने किया। उनकी देखरेख में विधि-विधान के साथ होलिका की अग्नि प्रज्वलित की गई।

इस दौरान उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के सामूहिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा और एकता की भावना मजबूत होती है। दहन के बाद लोगों ने पारंपरिक गीतों के बीच उत्सव का आनंद लिया।

माहेश्वरी जागृति संघ मलकपेट द्वारा होलीका दहन

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। माहेश्वरी जागृति संघ मलकपेट द्वारा शाका ग्राउंड में होलीका दहन समारोह हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर संघ के सदस्यों ने एकत्र होकर होली की तैयारियाँ कीं और होलीका की एक भव्य अग्नि निर्मित की। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने एक-दूसरे को रंगों से सराबोर करते हुए होली का पर्व मनाया। संघ के अध्यक्ष ने कहा, होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह प्रेम, भाईचारे और एकता का प्रतीक है। हम सभी को इस पर्व के माध्यम से नफरतों को भुलाकर एकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

शालिवाहन नगर, मूसारामबाग में होली दहन का आयोजन

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शालिवाहन नगर, मूसारामबाग में होली दहन का पर्व अत्यंत भव्य एवं श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लगभग 2000 से अधिक श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे क्षेत्र में भक्त प्रह्लाद की जय के जयकारे गूंज उठे।

होली दहन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की गई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने समाज में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। धार्मिक आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न इस आयोजन ने सामूहिक एकजुटता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में सी.ए. हरगोविंद, पंकज संघी, राजेश अग्रवाल, महेश सिंघानिया, साकेत, हरिकिशन सोनथालिया, सागरमल गोयल, शिवा, गिरीश, विनोद गुप्ता, बद्रीविशाल सिंघानिया, संजय संघी, विवेक गुप्ता सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

होलिका दहन कार्यक्रम में श्रद्धापूर्वक सहभागिता

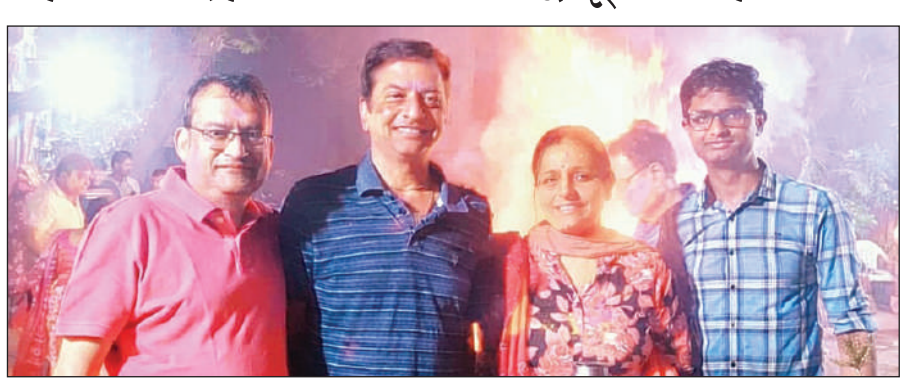

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। होलिका दहन कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता पूजा गुप्ता, सत्यनारायण गुप्ता, वैभव एवं राजीव अग्रवाल ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न की गई तथा समस्त क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों में उत्साह एवं धार्मिक आस्था का वातावरण देखने को मिला।

गांधी सरोवर परियोजना पर इंकलाब सेना पार्टी का कड़ा रुख

5000 करोड़ के खर्च पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): इंकलाब सेना पार्टी (आईएसपी) ने गांधी सरोवर परियोजना को लेकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी ने इस परियोजना पर 5000 करोड़ खर्च करने की उपयोगिता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

इंकलाब सेना पार्टी के प्रवक्ता बी. राजेश मुदिराज ने परियोजना के आसपास रहने वाले लोगों को घर खाली करने के लिए जारी किए गए नोटिस की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने सरकार के इस कदम को जनविरोधी बताते हुए प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है।

राजेश मुदिराज ने मुख्यमंत्री को सुझाव दिया कि जनता के टैक्स के पैसे का उपयोग गांधी सरोवर जैसी परियोजनाओं के बजाय नीलोफर, गांधी और निम्स जैसे सरकारी अस्पतालों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन अस्पतालों में लोग बुनियादी सुविधाओं के अभाव में बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, यहाँ तक कि वहां पीने के पानी तक की उचित व्यवस्था नहीं है।

इंकलाब सेना पार्टी ने उन सभी लोगों को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है जिन्हें गांधी सरोवर परियोजना के संबंध में नोटिस मिले हैं। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वे प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। प्रवक्ता ने दोहराया कि आईएसपी हमेशा सत्य और न्याय के लिए खड़ी रही है और जनता के हक की लड़ाई जारी रखेगी।

शिक्षा में एआई ने भविष्य की पीढ़ी के लिए सीखने के तौर-तरीकों को बदला

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शिक्षा का भविष्य अब केवल एक कल्पना नहीं, बल्कि हकीकत बन चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब केवल एक तकनीकी शब्द नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक परिवेश को बदल रहा है। हैदराबाद स्थित द प्रेमिया अकादमी इस परिवर्तन को अपनाते हुए शिक्षा जगत में एक नई क्रांति ला रही है, जहाँ डेटा और एल्गोरिदम के माध्यम से हर छात्र की व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार पढ़ाई कराई जा रही है।

अकादमी में एआई का उपयोग शिक्षकों की जगह लेने के लिए नहीं, बल्कि उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। पारंपरिक शिक्षण विधियों की सीमाओं को तोड़ते हुए, यहाँ एआई के माध्यम से छात्रों के सीखने की गति और व्यवहार का विश्-लेषण किया जाता है। इससे शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यों से मुक्ति मिलती है और वे छात्रों के मार्गदर्शन व रचनात्मक विकास पर अधिक ध्यान दे पाते हैं।

द प्रेमिया अकादमी तकनीक के साथ-साथ नैतिकता को भी प्राथमिकता दे रही है। डेटा गोपनीयता, एल्गोरिदम की निष्पक्षता और समावेशी शिक्षा एकेडमी की एआई रणनीति के मुख्य स्तंभ हैं। संस्थान का लक्ष्य केवल छात्रों को नौकरी के बाजार के लिए तैयार करना नहीं, बल्कि उन्हें 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए आत्मविश्वासी और सहानुभूतिपूर्ण व्यक्ति बनाना है।

सिंगापुर के पासिर रिस बीच पर माथुर वैश्य समाज ने मनाई वृंदावन की होली

सिंगापुर/हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगापुर के पासिर रिस बीच स्थित बी.बी.क्यू पिट–39 में माथुर वैश्य समाज द्वारा विश्व प्रसिद्ध वृंदावन शैली की होली का भव्य आयोजन किया गया। होलिकोत्सव के अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर हर्षोल्लास के साथ होली खेली।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे वातावरण में भारतीय संस्कृति और पारंपरिक उत्सव की झलक दिखाई दी।

इस अवसर पर विशेष रूप से हैदराबाद से पधारी माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की केंद्रीय कैबिनेट सदस्य अरुणा गुप्ता की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। उन्होंने सिंगापुर में भारत से आए माथुर वैश्य समाज के लोगों को संगठित कर संस्था की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में दिव्या, दीपाली, शिल्पा, शिखा, निधि, प्राची, नेहा, भैरवी, स्वाति, प्रशांत, अखिल, राहुल, निहीत, अंकुर, गौरव, सचिन एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी ने होली के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया और एक-दूसरे को पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

अग्रवाल बंधू का 'अनेकता में एकता' होली मिलन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुम्भ मेला अग्रवाल बंधू एवं अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में अनेकता में एकता विषय पर भव्य होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन रिकाब गंज स्थित भंडारा चौक पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंकज कुमार अग्रवाल ने की तथा शुभारंभ प्रभु श्री राधा-कृष्ण (जुगल सरकार) के पूजन से हुआ।

रिकाब गंज में आयोजित इस कार्यक्रम में विधिवत पूजन के पश्चात 'धर्म की जय' के उद्घोष के साथ उपस्थित सभी जनों ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। वातावरण भक्तिभाव और उत्सवी उमंग से सराबोर रहा।कार्यक्रम में सर्वश्री पंकज कुमार अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, महेश अग्रवाल, राज कमल भट्टड़, प्रवीण अग्रवाल, मोहक अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, श्रीनिवास सहित अनेक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

रंगों से रिश्ते, सेवा से समाज मजबूत : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने होली के पावन पर्व पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, उत्साह और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ।

होली का पर्व भारतीय संस्कृति में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक माना जाता है। होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि मन के द्वेष और भेदभाव को मिटाकर आपसी स्नेह बढ़ाने का संदेश देता है। रंगों की उमंग, मिठास भरे संबंध और मिलन की परंपरा के साथ यह त्योहार समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है।

इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि, त्योहार भारत की आत्मा हैं। जब हम पर्वों को सेवा और परोपकार के साथ मनाते हैं, तब उनका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। जरूरतमंदों के बीच अन्न वितरण कर सच्चे अर्थों में होली मनाने का प्रयास किया गया है। रंगों से रिश्ते मजबूत होते हैं और सेवा से समाज सशक्त बनता है।

कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं। पूरे वातावरण में उल्लास, अपनत्व और भाईचारे की भावना देखने को मिली।

इस सेवा कार्य में प्रमुख रूप से जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, रवि अग्रवाल, जगन भाई (चंपापेट), अनिल भाई, गोविंदराम जी, महेश गोयल, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, रेनू शर्मा, रेनू गुप्ता, अनीता नाथानी एवं सूची गुप्ता सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

तेरापंथ युवक परिषद के 'ब्लड ऑन कॉल' आयाम के अंतर्गत रक्तदान सेवा

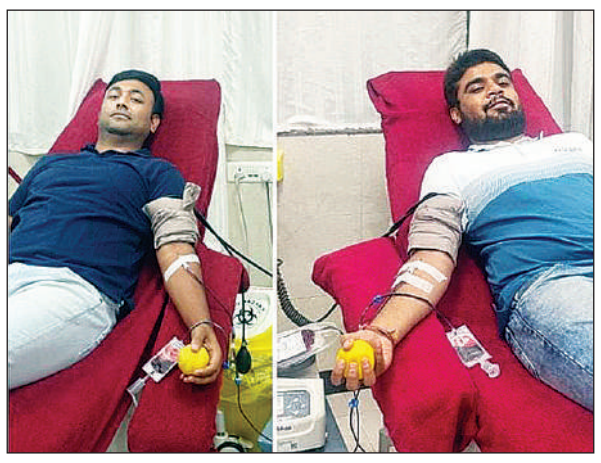

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के आयाम एमबीडीडी- ब्लड ऑन कॉल के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद के प्रभारी मनोज बोथरा की प्रेरणा से सेवा कार्य संपन्न किया गया।

मोहित सुराणा एवं कंदर्व दुधोड़िया ने किम्स अस्पताल पहुंचकर राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल को आवश्यक रक्तदान दिया। इस सेवा कार्य के माध्यम से उन्होंने मानवीय संवेदनशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।

परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि ब्लड ऑन कॉल आयाम का उद्देश्य जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में परस्पर सहयोग और मानवता की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

ब्राह्मण एकता संघ का भव्य होली मिलन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्राह्मण एकता संघ द्वारा संस्था के उपाध्यक्ष श्री रण विजय चौबे के आवास पर होली मिलन समारोह का भव्य एवं रंगारंग आयोजन किया गया।

समारोह में उपस्थित सभी सज्जनों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। पूरे वातावरण में हर्ष, उल्लास और आपसी भाईचारे की भावना परिलक्षित हुई।

अध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी का सहयोग प्रशंसनीय रहा। महासचिव श्री लक्ष्मण तिवारी की देखरेख में आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ददन तिवारी एवं उनकी गायक मंडली ने अपने मधुर गायन से समां बाँध दिया। इस अवसर पर अवधेश मिश्रा, विनोद धर दूबे, मोहन पाठक, राजू पांडे, अनिल त्रिपाठी, रंग चौबे सहित अनेक गणमान्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

रामचंदर राव ने सिकंदराबाद निवासियों और कार्यकर्ताओं के साथ मनाई उत्साहपूर्ण होली

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मंगलवार को अपने निवास स्थान पर सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्र के स्थानीय निवासियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ होली का त्योहार बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया।

यह उत्सव पूरी तरह से पारंपरिक और आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ। रंगों की बौछार, पारंपरिक खेलों और सांस्कृतिक मेल-जोल के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान एन. रामचंदर राव ने सभी के साथ मिलकर गुलाल उड़ाया और एकता का संदेश दिया।

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि होली का यह त्योहार समाज में एकता, भाईचारे और समरसता का प्रतीक है। कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के बीच मनाए गए इस उत्सव ने संगठन और जनता के बीच के मधुर संबंधों को और प्रगाढ़ किया।

पति को जिंदा जलाने वाली पत्नी को 10 साल के कठोर कारावास की सजा

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगारेड्डी जिले के कट्टेदान इलाके में लगभग नौ साल पहले हुए एक जघन्य हत्याकांड में शहर की एक अदालत ने अपना फैसला सुना दिया है। अदालत ने अपने पति को आग के हवाले करने वाली पत्नी को दोषी करार देते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

एल.बी. नगर स्थित तृतीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने 36 वर्षीय कोथा लक्ष्मी को वर्ष 2017 के इस हत्या मामले में दोषी पाया। सजा के साथ ही अदालत ने उस पर 3,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न भरने की स्थिति में उसे दो महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

यह मामला 6 अप्रैल 2017 का है, जो रंगारेड्डी जिले के राजेंद्रनगर मंडल के अंतर्गत कट्टेदान के पद्मशालीपुरम में घटित हुआ था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मृतक पी. रवि (26), जो एक मजदूर था, ने घटना से दो साल पहले लक्ष्मी से शादी की थी। रवि का अपना कोई करीबी पारिवारिक सहारा नहीं था। दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। 6 अप्रैल की दोपहर को, रवि द्वारा खाना बनाने के लिए कहने पर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।कहासुनी के दौरान, लक्ष्मी ने कथित तौर पर पहले खुद पर और फिर रवि पर मिट्टी का तेल (केरोसिन) डाल दिया। इसके बाद उसने माचिस की तीली से रवि की शर्ट में आग लगा दी। आग की लपटों में घिरा रवि घर से बाहर की ओर भागा, जिसके बाद पड़ोसियों ने किसी तरह आग बुझाई। उसे गर्दन से पेट और हाथों तक गंभीर रूप से जली हुई अवस्था में एम्बुलेंस से उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ बाद में उसकी मृत्यु हो गई।पुलिस ने मामले की गहन जांच के बाद मैलारदेवपल्ली पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 302 के तहत आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल की थी। मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद, 3 फरवरी को अदालत ने आरोपी लक्ष्मी को दोषी ठहराते हुए सजा का ऐलान किया।

इस मामले की जांच तत्कालीन निरीक्षक पी. जगदीश्वर द्वारा की गई थी, जबकि अभियोजन का नेतृत्व अतिरिक्त लोक अभियोजक डी. रघु ने किया। राजेंद्रनगर जोन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मामले की निगरानी की।

सजा सुनिश्चित करने और न्याय दिलाने के लिए शामिल पुलिस अधिकारियों की सराहना की गई है।

सात्विक गुप्ता ने पीडब्ल्यूसी एनुअल स्पोर्ट्स फेस्ट में लहराया परचम

प्रजा एकता पार्टी ने किया सम्मानित

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पीडब्ल्यूसी द्वारा आयोजित वार्षिक खेल महोत्सव में बुलुसु सात्विक गुप्ता ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए दो महत्वपूर्ण खिताब अपने नाम किए। सात्विक ने मेंस सिंगल्स पिकलबॉल स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब जीता, वहीं मिक्स्ड डबल्स टेबल टेनिस में वे द्वितीय रनर-अप रहे। उनकी इस उपलब्धि पर प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने उन्हें सम्मानित किया। श्रीनिवास ने सात्विक के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि युवाओं की ऐसी उपलब्धियां समाज और खेल जगत के लिए प्रेरणादायक हैं।

मेडिकल इमरजेंसी वैन में शराब की तस्करी

हैदराबाद STF ने जब्त कीं 24 महंगी बोतलें, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने दिल्ली से हैदराबाद के बीच चलने वाले एक ब्लड प्लाज्मा वाहन में अवैध रूप से ले जाई जा रही 24 प्रीमियम शराब की बोतलें जब्त की हैं। जब्त की गई शराब की कीमत लगभग 1.7 लाख रुपये बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है और दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।एसटीएफ-टीम के लीडर अंजी रेड्डी के अनुसार, आरोपी गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए जीवन रक्षक ब्लड प्लाज्मा ढोने वाले वाहन का इस्तेमाल दिल्ली से महंगी शराब की तस्करी के लिए कर रहे थे। यह वाहन मुख्य रूप से दिल्ली-हैदराबाद मार्ग पर चलता था और इसका चालक चिंताला जयपाल रेड्डी नियमित रूप से इस मार्ग पर आता-जाता था। दिल्ली में शराब की कीमतें कम होने का फायदा उठाकर आरोपी प्लाज्मा वैन के भीतर शराब की बोतलें छिपाकर लाते थे।जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि कार्यालय के कुछ वरिष्ठ कर्मचारी कथित तौर पर चालक के माध्यम से ग्लेनल्विट जैसी प्रीमियम शराब की बोतलें मंगवा रहे थे। इस अवैध आपूर्ति को सुगम बनाने के लिए चालक जयपाल रेड्डी को मोटा कमीशन भी दिया जाता था। सटीक सूचना के आधार पर, STF की टीम ने गागिल्लापुर-नरसापुर हाईवे पर चेकिंग अभियान चलाया और संदिग्ध प्लाज्मा वाहन को रोका। गहन तलाशी के दौरान वैन के अंदर से ग्लेनल्विट की 24 बोतलें बरामद हुईं।अधिकारियों ने जब्त की गई शराब का कुल मूल्य लगभग 1.70 लाख रुपये आंका है। मामले के संबंध में पुलिस ने चिंताला जयपाल रेड्डी और बालकृष्ण रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही विन्नी कुमार और कनुगंती तिरुपति के खिलाफ भी मामले दर्ज किए गए हैं।

चेहरा देखकर 'राशन'

रेवंत ने दिया तकनीक पर जोर

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को सचिवालय में आयोजित कलेक्टरों के सम्मेलन में 99-दिवसीय प्रजा पालना-प्रगति प्रणाली (जन प्रशासन-प्रगति योजना) की समीक्षा की और इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि वार्ड सदस्य, सरपंच, नगरपालिका वार्ड सदस्य, अध्यक्ष, पार्षद और महापौर सहित जनप्रतिनिधियों को 99-दिवसीय कार्यक्रम में सक्रिय साझेदार बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिला मुख्यालयों पर उनके लिए एक-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, साथ ही उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर मुद्रित सामग्री उपलब्ध कराई जाए।

फेस रिकग्निशन तकनीक पर जोर

कल्याणकारी योजनाओं की डिलीवरी और पारदर्शिता पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि नए राशन कार्ड, मुफ्त चावल, इंदिरम्मा आवास, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, ऋण माफी, मुफ्त बस यात्रा और सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर जैसी योजनाओं के लाभार्थियों का विवरण ग्राम और वार्ड सभाओं के माध्यम से लोगों के साथ साझा किया जाना चाहिए।

उन्होंने लाभार्थियों के फेस रिकग्निशन (चेहरा पहचान) की आवश्यकता पर बल दिया ताकि केवल पात्र व्यक्तियों को ही लाभ मिल सके, जिसका उदाहरण तकनीक के माध्यम से आसरा के तहत तीन लाख अयोग्य पेंशनधारियों को हटाना है।

सौर ऊर्जा, स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षा के निर्देश

रेवंत रेड्डी ने सौर ऊर्जा के प्रचार का आह्वान किया, किसानों के लिए सौर पंप सेट और घरेलू उपयोग के लिए रूफटॉप सौर संयंत्रों पर जागरूकता बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने सरकारी मेडिकल कॉलेजों की सेवाओं का बेहतर उपयोग करने का भी निर्देश दिया, जिसके लिए उन्हें पीएचसी और सीएचसी से जोड़कर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जाए।

सार्वजनिक सुरक्षा के मद्देनजर, उन्होंने परिवहन विभाग को वाहन फिटनेस टेस्ट सुनिश्चित करने, ड्राइवरों के लिए आंख की जांच कराने, गड्ढों और दुर्घटना-प्रवण स्थलों की रिपोर्टिंग के लिए एक व्हाट्सएप नंबर शुरू करने और इस पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने ओआरआर और सर्विस रोड पर अवैध कचरा और निर्माण अपशिष्ट फेंकने के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भी आदेश दिया।

शिक्षा, कृषि और कार्यक्रम के पांच चरण

मुख्यमंत्री ने मध्याह्न भोजन एजेंसियों को समय पर मासिक भुगतान, कार्यरत महिलाओं, लड़कों और लड़कियों के छात्रावासों का नियमन और पंजीकरण, और शैक्षणिक संस्थानों में यदि ड्रग्स या ई-सिगरेट मिलने पर सख्त जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों में मनोवैज्ञानिकों की नियुक्ति का भी आह्वान किया।

कृषि पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उन्होंने मिट्टी परीक्षण, फसल विविधीकरण को बढ़ावा, यूरिया ऐप में सुधार, नैनो यूरिया के क्षेत्र प्रदर्शन और कृषि और नागरिक आपूर्ति विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय का निर्देश दिया। जिला कलेक्टरों से फसल विविधीकरण के अवसरों पर रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया।

99-दिवसीय कार्यक्रम को पांच चरणों में लागू किया जाएगा: 2 अप्रैल को ग्राम सभाएं, 16 अप्रैल को मंडल-स्तरीय कार्यक्रम, 2 मई को निर्वाचन क्षेत्र-स्तरीय, 22 मई को जिला-स्तरीय और 2 जून को राज्य निर्माण दिवस समारोह।योजना विभाग नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा और इस कार्यक्रम की एक विशेष मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से निगरानी की जाएगी, जिसमें स्वास्थ्य, कल्याण, शिक्षा, महिला, युवा, पर्यावरण और किसान कल्याण सहित 10 विषयगत क्षेत्र शामिल हैं, एक आधिकारिक बयान के अनुसार।

तेलंगाना में 11 मई से शुरू होंगी जनगणना एचएलओ कार्यवाही

किसी को भी जनगणना गणना प्रक्रिया से बाहर न छोड़ें: मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना में हाउस लिस्टिंग ऑपरेशंस (एचएलओ) के लिए स्व-गणना 15 दिन पहले शुरू होगी, जो 11 मई से राज्य भर में प्रस्तावित है। मंगलवार को यहां आयोजित जिला कलेक्टरों के सम्मेलन में एच एलओ के लिए तैयारी उपायों की समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने तेलंगाना की जनगणना संचालन निदेशक भारती होलिकेरी के साथ मिलकर जिला कलेक्टरों को पहले चरण के लिए तरीकों और तैयारी के बारे में जानकारी दी। राव ने कहा कि जनगणना 2027 भारत का पहला पूर्णतः डिजिटल अभ्यास होगा, जो फील्ड डेटा संग्रहण के लिए एक समर्पित मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से आयोजित किया जाएगा ताकि वास्तविक समय में डेटा कैप्चर और तेज प्रसंस्करण सुनिश्चित हो सके।

पहली बार पूर्ण डिजिटल जनगणना

उन्होंने बताया कि एचएलओ के शुभारंभ से 15 दिन पहले स्व-गणना शुरू होगी, जिससे नागरिकों को नामित प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन अपना डेटा सबमिट करने की अनुमति मिलेगी।उन्होंने कहा कि किसी भी घर, बस्ती, दूरस्थ बस्ती, जनजातीय बस्ती या शहरी झुग्गी-बस्ती को गणना प्रक्रिया से बाहर नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से दुर्गम और कमजोर क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। मुख्य सचिव ने गणनाकारों और पर्यवेक्षकों के लिए संरचित प्रशिक्षण का आह्वान किया, यह कहते हुए कि डिजिटल जनगणना की सफलता फील्ड स्टाफ की तकनीकी तैयारी पर निर्भर करती है।

समय-सीमा और डेटा गुणवत्ता पर जोर

रामकृष्ण राव ने समय-सीमा के पालन, डेटा गुणवत्ता मानकों के रखरखाव और सहज तकनीकी एकीकरण पर भी जोर दिया, और कलेक्टरों को तैयारी गतिविधियों की करीबी निगरानी करने और रसद बाधाओं का समाधान करने के निर्देश दिए।भारती होलिकेरी ने परिचालन ढांचे का अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें राज्य स्तर से फील्ड कर्मियों तक प्रशिक्षण की सोपान मॉडल की रूपरेखा दी गई। उन्होंने डेटा संग्रहण के लिए मोबाइल-आधारित एप्लिकेशन और बैकएंड निगरानी प्रणालियों के उपयोग का विस्तार से बताया।

उस्मानिया विवि में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंदर राव ने युवाओं के साथ मनाई भव्य होली

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मंगलवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक आर्ट्स कॉलेज में छात्रों और युवाओं के साथ मिलकर होली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया।

इस अवसर पर युवाओं के बीच पहुँचे रामचंदर राव ने कहा कि होली जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम युवाओं में सकारात्मक चेतना और सामूहिक भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के वातावरण में छात्रों के साथ रंगों का आनंद लिया और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पूरे तेलंगाना की जनता को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए सभी के सुख और समृद्धि की कामना की। उन्होंने जोर दिया कि युवाओं की ऊर्जा ही समाज में बदलाव का आधार है और ऐसे त्योहार हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

सच्ची होली वही जो सबके चेहरे में मुस्कान लाये : सतीश गुप्ता

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन (पिलर नंबर 1265 ए के पास) सेवा, समर्पण और संवेदना के साथ भव्य अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। होली के इस शुभ अवसर पर रंगों की उमंग के साथ मानवता का अनुपम उदाहरण भी देखने को मिला।

कार्यक्रम में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक एवं सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया। वातावरण में भक्ति गीतों की मधुर ध्वनि, गुलाल की हल्की आभा और राधे-राधे के जयकारों ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता ने कहा कि सच्ची होली वही है, जो सबके चेहरे पर मुस्कान लाये। उन्होंने कहा कि यदि हमारे प्रयास से किसी जरूरतमंद के जीवन में खुशियों का रंग भर सके, तो वही हमारे लिए सबसे बड़ा उत्सव है। सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और त्योहार तभी सार्थक होते हैं, जब वे समाज के कमजोर वर्ग के जीवन में आशा की किरण बनें।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मितांश गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, भगतराम गोयल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, कैलाश चंद केड़िया, निर्मला केड़िया, ई-जगन चंपापेट, मनीष अग्रवाल, राजेश योगा सिरजी, अशोक बंसल, धर्मेंद्र गोयल, अनीता नाथानी, सूची गुप्ता, संजय गोयल, किरण गोयल सहित अन्य राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

उपस्थित सदस्यों ने भी एक स्वर में कहा कि सच्ची होली वही है, जब हमारे प्रयास से किसी जरूरतमंद के जीवन में खुशियों का रंग भर सके। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर अन्नदान और समाजसेवा के माध्यम से मानवता की ज्योति प्रज्वलित कर रहा है और हर पर्व को सेवा पर्व के रूप में मनाकर समाज के लिए प्रेरणा प्रस्तुत कर रहा है।

तेलंगाना हाई कोर्ट में फिर बम की धमकी

अज्ञात व्यक्तियों ने भेजा ईमेल, सुरक्षा बढ़ाई गई

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
तेलंगाना हाई कोर्ट में बम की धमकी फिर से सामने आई है, जब कथित तौर पर अज्ञात व्यक्तियों ने प्रोटोकॉल रजिस्ट्रार के कार्यालय को एक ईमेल भेजा। अधिकारियों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और अदालत परिसर भर में सुरक्षा बढ़ा दी।

तेलंगाना हाई कोर्ट बम धमकी ईमेल प्राप्त होने के तुरंत बाद, सीआईएसएफ अधिकारियों को सतर्क किया गया।

उन्होंने बिना देरी के सुरक्षा कड़ी कर दी। इस बीच, अधिकारियों ने सावधानी के तौर पर अदालत परिसर खाली करवा दिया। बाद में, टीमों ने पूरे परिसर में गहन जांच शुरू की।

बम निरोधक दस्ता और क्लूज टीम मौके पर पहुंची और हर कोने की सावधानी से जांच की। उन्होंने किसी भी खतरे को दूर करने के लिए निरीक्षण जारी रखा।

इसलिए, सुरक्षाकर्मी पूरे ऑपरेशन के दौरान उच्च सतर्कता पर बने रहे। अधिकारियों ने कोई तत्काल निष्कर्ष रिपोर्ट नहीं किया, लेकिन अपनी खोज जारी रखी।

यह उल्लेखनीय है कि यह एक सप्ताह में दूसरी बम धमकी है।

इससे पहले, अधिकारियों ने इसी तरह का ईमेल प्राप्त होने के बाद सुरक्षा उपाय किए थे। यह रिपोर्ट किया गया है कि तेलंगाना अदालतों को निशाना बनाते हुए तमिलनाडु के नाम से एक ईमेल भेजा गया था। हालांकि, अधिकारियों ने उस संचार के बारे में आगे का विवरण प्रकट नहीं किया है।

साइबर क्राइम पुलिस ने शुरू की जांच

इस बीच, साइबर क्राइम पुलिस ने तेलंगाना हाई कोर्ट बम धमकी से जुड़े ईमेल के स्रोत की पहचान करने के लिए जांच शुरू की है। वे उत्पत्ति का पता लगाने और संदेश की प्रामाणिकता की जांच करने के लिए काम कर रहे हैं।

इसलिए, हाई कोर्ट परिसर के भीतर और आसपास निगरानी बढ़ा दी गई है।

वर्तमान में, अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है। अधिकारी संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

लगातार तेलंगाना हाई कोर्ट बम धमकी की घटनाओं ने कानूनी पेशेवरों और आगंतुकों के बीच चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियां स्थिति की निगरानी जारी रखे हुए हैं और पूरे परिसर में सतर्कता बनाए हुए हैं।

पुलिस ने फर्जी एफएमसीजी रैकेट का किया भंडाफोड़

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । हैदराबाद शहर में नामी ब्रांडों के घरेलू उत्पादों के नकली संस्करण बनाने और बेचने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। सेंट्रल क्राइम स्टेशन (CCS) की स्पेशल क्राइम टीम ने गोशामहल और अफजलगंज पुलिस के साथ मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।2 मार्च को चलाए गए इस ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में नकली चाय पत्ती, डिटर्जेंट पाउडर और मच्छर भगाने वाली रिफिल जब्त की गई हैं।गोशामहल, अफजलगंज और बेगम बाजार के बाजार थे निशाने पर जांच में सामने आया कि आरोपी इन नकली उत्पादों को गोशामहल, अफजलगंज और बेगम बाजार जैसे थोक और खुदरा बाजारों में सप्लाई कर रहे थे। वे इन उत्पादों को प्रतिष्ठित ब्रांडों के नाम पर भारी छूट के साथ बेचते थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान- जया राम (30): बेगमबाजार का व्यवसायी (मूल निवासी अजमेर, राजस्थान)। कछवा सुरेंद्र (34): दूलापल्ली निवासी (मूल निवासी नागौर, राजस्थान) और 'हनुमान राम (21): (मूल निवासी बाड़मेर, राजस्थान)।

पुलिस के अनुसार, यह तिकड़ी गुजरात के आपूर्तिकर्ताओं से नकली पैकेजिंग सामग्री और घटिया गुणवत्ता वाला कच्चा माल मंगवाती थी और फिर हैदराबाद में उन्हें लोकप्रिय ब्रांडों के रूप में पैक करके बेचती थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चाय पत्ती: रेड लेबल के 1,340 पैकेट, ताजमहल के 100 पैकेट और 75 किलो कच्ची चाय पत्ती। 'डिटर्जेंट: टाइड के 950 पैकेट, एरियल के 100, व्हील के 300 और सर्फ एक्सेल के 550 पैकेट एवं अन्य सामग्री: 3,600 नकली गुड नाइट रिफिल (45 मिली), 9,500 नकली पैकिंग कवर (रेड लेबल और जेमिनी चाय की ब्रांडिंग वाले) बरामद किये।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपी कम दाम का लालच देकर दुकानदारों को यह सामान असली बताकर बेचते थे। इनकी पैकेजिंग असली ब्रांडों से इतनी मिलती-जुलती थी कि आम ग्राहकों के लिए फर्क पहचानना मुश्किल था।

स्पोर्ट्स बाइक का क्रेज बना काल, इंटर के छात्र की दर्दनाक मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
एक इंटरमीडिएट छात्र के लिए स्पोर्ट्स बाइक का जुनून उसकी जान पर भारी पड़ गया। नागोले के बाहरी इलाके में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। इंटर की परीक्षा दे रहे दो दोस्तों की मौज-मस्ती भरी राइड का अंत एक बड़ी त्रासदी के साथ हुआ। मृतक की पहचान विष्णुवर्धन के रूप में हुई है और घायल छात्र का नाम उषा किरण (16) है।

जानकारी के अनुसार, दोनों छात्र कोठापेट के एक निजी कॉलेज में प्रथम वर्षके छात्र हैं। सोमवार को गणित की परीक्षा लिखने के बाद, उषा किरण ने एनजीओ कॉलोनी से एक केटीएम स्पोर्ट्स बाइक (टीएस07 1122) किराए पर ली थी। उषा किरण बाइक चला रहा था और विष्णुवर्धन पीछे बैठा था। दोनों दोस्त फोटो सेशन और घूमने के लिए शहर के बाहरी इलाके की ओर निकले थे।

हादसा नागोले थाना क्षेत्र के फतुल्लागुड़ा स्थित 100 फीट रोड पर हुआ। बाइक की रफ्तार बहुत तेज थी, जिसके कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया और बाइक सीधे डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीछे बैठे विष्णुवर्धन के सिर में गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घायल उषा किरण के हाथ और पैर में फ्रैक्चर होने की खबर है।इस हादसे का पता तब चला जब उनके एक अन्य मित्र मणदीप ने फोन किया। सूचना मिलते ही नागोल पुलिस ने मौके पर पहुँचकर मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने विष्णुवर्धन के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है, जबकि घायल उषा किरण का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने युवाओं और अभिभावकों से अपील की है कि वे तेज रफ्तार वाहनों के प्रति सचेत रहें और बिना अनुभव के ऐसी भारी स्पोर्ट्स बाइक चलाने से बचें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.